FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts (B.A.)
(Semester- I)

(Under Credit based Continuous Evaluation Grading System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

Bachelor of Arts

(Hindi) ELECTIVE

Session 2023-24

Programme Specific outcomes-

PSO-1:हिंदी भाषा और साहित्य की व्यापक परिधि में समाहित साहित्य के विविध रूपों, भाषा के अनुप्रयोगात्मक पक्ष की जानकारी प्रदान करना ही इस पाठयक्रम का उद्देश्य होगा ||

PSO-2:हिंदी साहित्य में पद्य रचना एक प्राचीन विधा है और हिंदी पद्य लेखन अर्थात हिंदी काव्य का एक विकास क्रम है जिसे आदिकाल से लेकर आधुनिक काल तक अनेक चरणों /पड़ावोंमें विभक्त किया गया है |बी.ए. के विद्यार्थी इसी विकास क्रम के अनुसार हिंदी के क्रमिक विकास को समझने में समर्थ होंगे |

PSO-3:मध्यकाल को हिंदी साहित्य का 'स्वर्णकाल' कहा गया है|इस युग मेंकबीर, गुरु नानक, तुलसीदास, सूरदास, मीराबाई , रहीम, रसखान, गुरु गोबिन्द सिंह, घनानंद, बिहारी जैसे कालजयी कवि हुए |इनके द्वारा रचित साहित्य के अध्ययन से विद्यार्थी हिंदी साहित्य और भाषा के विकास को क्रमशःसमझने के योग्य होंगे |

PSO-4:हिंदी साहित्य के इतिहास के विभिन्न युगों –आदिकाल , भक्तिकाल , रीतिकाल तथा आधुनिक काल के अध्ययन से विद्यार्थी साहित्य के समाज –सापेक्ष स्वरूप को समझने में समर्थ होंगे |भिन्न – भिन्न कालों की परिस्थितियां मनुष्य एवं साहित्यकार की मानसिकता को कैसे प्रभावित करती हैं और मनोविज्ञान और प्रभाव साहित्यिक रचनाओं में किस प्रकार प्रतिबिंबित होते हैं, साहित्य के विद्यार्थी इस रोचक जानकारी को वैज्ञानिक और तार्किक दृष्टि से समझेंगे|

PSO-5:व्याकरण के अंतर्गत स्वर, लिंग , वचन , व्यंजन, समास , उपसर्ग, प्रत्यय, पर्यायवाची, अनेकार्थक, समानार्थक शब्दों और उनके व्यावहारिक प्रयोग की जानकारी विद्यार्थियों के शब्द ज्ञान को व्यापक और समृद्ध बनायेगी |

PSO-6:अलंकार , छंद , रस इत्यादि काव्य शास्त्रीय विषयों को पढ़ने से विद्यार्थियों में साहित्य की विशेषताओं को चिन्हित करने की योग्यता का विकास होगा |

PSO-7:पत्रकारिता , अनुवाद तथाहिंदी काप्रयोजनमूलक रूप आधुनिक युग में हिंदी को व्यापक और व्यावहारिक जीवन से जोड़ने के लिए विशेष रूप से सहायक हैं |विशेष रूप से अनुवाद भाषागत सीमा से ऊपर उठकर संस्कृति की सांझी विरासत पर आधारित भारत में रचित साहित्य में समग्र भारतीय रूप को स्पष्ट करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है |बी.ए.में विद्यार्थियों को इन तीनों नए विषयों के महत्व और व्यावहारिक उपयोगिता का परिचय प्राप्त होगा |

PSO-8: पत्रकारिता एवं पारिभाषिक शब्दावलीका ज्ञान भाषा साहित्य को व्यावहारिक जीवन के निकट लाने के साथ भाषा और साहित्य के विद्यार्थियों को व्यावसायिक दृष्टि से प्रशिक्षित करेगा जिससे उनके लिए रोज़गार की संभावनाएं प्रशस्त होंगी |

PSO-9:इस पाठ्यक्रम को पढ़ने वाले विद्यार्थी भाषा एवं साहित्य के क्रमिक विकास, उसकी ऐतिहासिक और सामयिकप्रवृत्तियों का ज्ञान प्राप्त करने के साथ –साथ ही अध्यापन, रचनात्मक लेखन , अनुवाद , पत्रकारिता , मीडिया (प्रिंट , इलेक्ट्रॉनिक) में अनुवादक, प्रूफरीडर , कंपोजर , स्क्रिप्ट राइटर , संवाददाता , संपादक इत्यादि क्षेत्रों एवं पदों पर कार्य करने में सक्षम होंगे |

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)

SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Bachelor of Arts
(Hindi) ELECTIVE
(SemesterI)

Bachelor of Arts SemesterI										
Course Code	Course Name	Course Type	Hrs/ Weeks	Credits L.T.P	Total Credits	Marks				Examination time (in Hours)
						Total	Ext.			
							L	P	CA	
BARM-1268	Hindi Elective हिन्दी साहित्य का इतिहास	E	4-0-2	4-0-1	5	100	60	20	20	3+3

Bachelor of Arts (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: BARM-1268

हिन्दी साहित्य का इतिहास

HINDI (Elective)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1इस पाठ्यक्रम का मुख्य ध्येय प्रारंभिक चरण में ही विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य के समग्र इतिहास की जानकारी संक्षेप में समग्र रूप से प्रदान कर हिंदी साहित्य के प्रति उनमें सामान्य समझ और पृष्ठभूमि तैयार करना है । इकाई एक में विद्यार्थियों को आदिकालकी पृष्ठभूमि का परिचय देते हुए इस काल के प्रमुख कवियों और काव्य धाराओं का परिचय दिया जायेगा।

CO-2 दूसरी इकाई के माध्यम से विधार्थियों को हिंदी साहित्य के भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों तथा प्रमुख कवियों कबीर ,सूरदास तथा भक्तिकाल की चारों काव्यधाराओंका ज्ञान प्राप्त होगा।

CO-3 तीसरी इकाई में विद्यार्थी रीतिकाल का परिचय प्राप्त करते हुए रीतिकालीन प्रमुख कवियों की विशेषताओंतथा मुख्य काव्यधाराओं के सम्बन्ध में ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO-4 चौथी इकाई के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल के कवियों को पढ़ते हुए नयी गद्य विधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

Bachelor of Arts(SEMESTER-I)

Session 2023-24

Course Code : BARM-1268

हिन्दी साहित्य का इतिहास
HINDI (Elective)

समय : तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-60
P-20
LTP- 4 -0 -1

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन और चार में दिए गए प्रश्नों में से विद्यार्थियों को एक – एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 12-12 अंकों के हैं। व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्य परीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे। व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

इकाई –एक

हिन्दी साहित्य का इतिहास : आदिकाल

क) आदिकाल की परिस्थितियां
ख) आदिकाल का नामकरण
ग) प्रमुख काव्य प्रवृत्तियां
घ) प्रमुख काव्य धाराएं: रासो साहित्य, धार्मिक साहित्य, लौकिक साहित्य।

इकाई –दो

हिन्दी साहित्य का भक्तिकाल

क) भक्तिकालकीपरिस्थितियां
ख) भक्तिकाल का नामकरण
ग) भक्तिकालकीप्रवृत्तियां
घ) भक्तिकाल की प्रमुख काव्य धाराओं – संत काव्य, सूफी काव्य, राम काव्य, कृष्ण काव्य की प्रवृत्तियों का परिचय

इकाई –तीन

हिन्दी साहित्य का रीतिकाल

क) रीतिकालीन परिस्थितियाँ
ख) रीतिकाल का नामकरण
ग) रीतिकालकीप्रवृत्तियां
घ) रीतिकाल की प्रमुख काव्य धाराओं –रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियों का परिचय

इकाई –चार

हिन्दी साहित्य का आधुनिक काल

क) आधुनिक काल की परिस्थितियाँ
ख) आधुनिक काल का नामकरण
ग) आधुनिक हिन्दी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियां (भारतेन्दु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, छायावादोत्तरकाल)
घ) आधुनिक हिन्दी गद्य का सामान्य परिचय

व्यावहारिकी

क) संज्ञा, सर्वनाम, क्रिया, विशेषण, कारक (सामान्य परिचय)
ख) समानार्थक, विपरीतार्थक, पर्यायवाची, अनेकार्थक, शब्द युग्म
ग) शुद्ध श्रवण, शुद्ध उच्चारण, द्रुत वाचन, शुद्ध लेखन

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts (B.A.)
(Semester- Il)

(Under Credit based Continuous Evaluation Grading System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)

SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Bachelor of Arts
(Hindi) ELECTIVE
(SemesterII)

Bachelor of Arts SemesterII										
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Hrs/ Weeks**	**Credits L.T.P**		**Marks**				**Examination time (in Hours)**
					Total Credits	**Total**	**Ext.**			
							L	**P**	**CA**	
BARM-2268	**Hindi Elective** **प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य**	E	4-0-2	4-0-1	4	100	60	20	20	3+3

Bachelor of Arts (SEMESTER-II)
Session 2023-24
Course Code: BARM-2268

प्राचीन एवं मध्यकालीन हिन्दी काव्य
HINDI (Elective)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इसपाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राचीन एवं मध्यकालीन हिंदी काव्य के कवियों व उनकी काव्य रचना का समग्र अध्ययन करवाना है | प्रथम इकाई में अमीर खुसरो की पहेलियों व विद्यापति की पदावली के माध्यम से आदिकालीन काव्यधारा की प्रवृत्तियों का गहन अध्ययन करवाया जायेगा |

CO-2: इकाई दो में निर्गुण काव्यधाराके प्रतिनिधि कवियों व उनकी प्रवृत्तियोंका सामान्य परिचय देते हुए हुए विद्यार्थियों को कबीर और जायसी के काव्य का गहन अध्ययन करवायाजाएगा|

CO-3:इकाई तीन के माध्यम से विद्यार्थियों को सगुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियोंका सामान्य परिचय देते हुए सूरदास और तुलसीदास जी की काव्य रचना का गहन अध्ययन करवाया जायेगा |

CO-4:इकाई चार में रीतिकालीन काव्यधाराओं –रीतिबद्ध,रीतिसिद्ध,रीतिमुक्त के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों कीसामान्य जानकारी देते हुए देव और बिहारी के लिखे दोहों का अध्ययन करवाया जाएगा |

Bachelor of Arts(SEMESTER-II)

Session 2023-24

Course Code : BARM-2268
प्राचीन एवं मध्यकालीनहिंदी काव्य

HINDI (Elective)

समय : तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-60
P-20
LTP- 4-0 -1

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन और चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 12-12 अंक के हैं। व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्य परीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे । व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं ।

इकाई –एक

आदिकालीन काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय

इकाई –दो

निर्गुण तथा सगुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों एवंप्रवृत्तियों का सामान्य परिचय

इकाई –तीन

सगुण काव्यधारा के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय

इकाई –चार

रीतिकालीन प्रमुख काव्यधाराओं (रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध, रीतिमुक्त) के प्रतिनिधि कवियों एवं प्रवृत्तियों का सामान्य परिचय

व्यावहारिकी–

भाषा कौशल के विभिन्न उपकरण (सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक प्रयोग का ज्ञान)

रस – नवरसों का परिचय
छंद – दोहा, चौपाई, कवित्त, सोरठा, सवैया
अलंकार –अनुप्रास, उपमा, रूपक, यमक, श्लेष

व्याख्या के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

अमीर खुसरो – पहेलियां, अंतर्लापिका (1 से 10 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक–सुधा जितेन्द्र
विद्यापति–पदावली (पद संख्या 1 से 10 तक) काव्य निधि , संपादक –हरमोहिंदर सिंह बेदी|
कबीर- कबीर वाणी (दोहा संख्या 1से 10 तक) काव्य उत्कर्ष, सम्पादक– सुधा जितेन्द्र
जायसी–षड्ऋतु वर्णन खंड (पद संख्या 1 से 10 तक) काव्य उत्कर्ष, सम्पादक– सुधा जितेन्द्र
सूरदास– पद संख्या (1 से 10 तक), काव्य मंजूषा, सम्पादक–सुधा जितेन्द्र तुलसीदास– कवितावली पद संख्या (1 से 7 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक–सुधा जितेन्द्र
देव– प्रार्थना दोहा संख्या (1 से 9 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक–सुधा जितेन्द्र
बिहारी– दोहा संख्या (1 से 10 तक) काव्य मंजूषा, सम्पादक–सुधा जितेन्द्र

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts
(Semester III)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER
Bachelor of Arts in HINDI
Session 2023-24

Bachelor of Arts SemesterIII							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Elective आधुनिक हिन्दी काव्य	BARM-3268	E	100	60	20	20	3

Bachelor of Arts(Semester-III)
Session 2023-24

Course Code: BARM-3268

आधुनिक हिन्दी काव्य

HINDI (Eletive)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1इस प्रश्नपत्र में प्रमुख कवियों की जानकारी देते हुए प्रथम इकाई में आधुनिक काल के अग्रदूत (प्रारम्भिक) कवियोंको विश्लेषित किया जायेगा |

CO-2 आधुनिक काल में हिन्दी कविता के विकास-क्रम के विभिन्न चरणों का उल्लेख करते हुए द्वितीय इकाई में छायावादी कवियों के योगदान का मूल्यांकन किया जायेगा।

CO-3 काव्य प्रवृत्तियों में क्रमशः विकसित हुई विशदता एवं व्यापकता के अनुरूप भाषा ,शिल्प एवं भाव के साक्ष्य में प्रगतिवादी, प्रयोगवादी तथा नई कविता के नव्य दृष्टिकोण का विवेचन किया जायेगा |

CO-4 रचनात्मक लेखन को प्रोत्साहित करने के लिए स्वलिखित काव्य रचना तथा काव्य उच्चारण कला इत्यादिका व्यवहारिक ज्ञान देते हुए काव्य रचना के आधारभूत सिद्धांतों को भी पढ़ाया जायेगा और कंप्यूटर और इन्टरनेट का प्रशिक्षण भी दिया जायेगा |

Bachelor of Arts (SEMESTER-III)

Session 2023-24

Course Code : BARM-3268

आधुनिक हिन्दी काव्य

HINDI (Elective)

समय : तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है और सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित है। इस प्रश्नपत्र में दिए गए सभी कवियों के काव्य भाग में से व्याख्या हेतु 4-4 अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई तीन सप्रसंग व्याख्याएंकरनी होंगी। प्रश्नपत्र के दो,तीन ,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी व्याख्या भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 12-12 अंक के हैं। ।व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्य परीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे। व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

अध्ययन के निर्धारित पुस्तक : काव्य पथ

इकाई –एक

1. भारतेंदु एवं द्विवेदी युगीन काव्य की प्रवृतियां (सामान्य परिचय)

(क) भारतेन्दु हरिश्चंद्र :- निज भाषा गौरव, आह्वान

(ख) मैथिलीशरण गुप्त:- कह मुक्ति भला किस लिए तुझे मैं पाऊं, पुरषार्थ हो पुरषार्थ करो, उठो

इकाई –दो

2. आधुनिक हिन्दी काव्य चेतना के विकास में छायावाद की देन

(क) जयशंकर प्रसाद :- अरुण यह मधुमय देश हमारा, मनु श्रद्धा संवाद

(ख) सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' :- भिक्षुक, जागो फिर एक बार

इकाई –तीन

3. छायावादोत्तर काव्य: प्रगतिवाद, प्रयोगवाद की प्रमुख प्रवृतियां

(क) धर्मवीर भारती :-टूटापहिया, निर्माण योजना (बांध, कृषि)

(ख) अज्ञेय :-सांप, यह दीप अकेला

इकाई –चार

4. नई कविता, जनवादी कविता

(क) नागार्जुन:- अकाल और उसके बाद, कालिदास सच–सच बतलाना

(ख) मुक्तिबोध :-भूल ग़लती, अंधेरे में

व्यावहारिकी –

रचनात्मक लेखन –स्वलिखित काव्य रचना अथवा काव्योच्चारण प्रोत्साहन
काव्य गुण, प्रतीक, बिम्ब, (संक्षिप्त सैद्धान्तिक परिचय एवं व्यावहारिक प्रयोग का ज्ञान)
कम्प्यूटर एवं इंटरनेट (सामान्य जानकारी पर आधारित प्रश्न)

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts
(Semester IV)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER Bachelor of Arts in HINDI Session 2023-24

Bachelor of Arts SemesterIV							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Elective आधुनिक हिन्दी कथा साहित्य	BARM-4268	E	100	60	20	20	3

Bachelor of Arts(Semester-IV)
Session 2023-24

Course Code: BARM-4268

आधुनिकहिन्दी कथा साहित्य
HINDI (Elective)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 हिन्दी कथा साहित्य की अवधारणा का परिचयदेते हुए हिंदी के दो प्रमुख सर्जक साहित्यकारों कथा सम्राट मुंशी प्रेमचंद तथा उल्लेखनीयसाहित्यकार श्री धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व एवं उनके रचनात्मक योगदान की जानकारी देना।

CO-2हिंदी साहित्य की दो श्रेष्ठ रचना 'गुनाहों का देवता' उपन्यास के माध्यम से समाज की विभिन्न समस्याओं, बदलते हुए सामाजिक परिवेश में मानव मन के अंतर्द्वंद, राजनीतिक एवं प्रशासनिक परिवेश की विसंगतियों के सरस और मार्मिक अध्ययनका अवसर ।

CO-3हिंदी कहानी का सैद्धांतिक स्वरूप स्पष्ट कर उसके क्रमिक विकास को समझाते हुए विभिन्न कहानीकारों-प्रेमचंद, जैनेन्द्र,मोहन राकेश तथा उषा प्रियंवदा के परिचय से अवगत करवाना |

CO-4हिंदी कथा-लेखन के विषय –वैविध्य के प्रति जागरूक करना तथा हिंदी टाइपिंग इत्यादि का प्रशिक्षण देना | भाषण, वार्तालाप व समूह चर्चा के माध्यम से विद्यार्थियों की वाचन क्षमता तथा आत्मविश्वास को बढ़ाना |

Bachelor of Arts(Semester-IV)

Session-2023–24

Course Code – BARM – 4268

आधुनिकहिन्दी कथा साहित्य
HINDI (Elective)

Total-100

समय : तीन घंटे

CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है और सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित है। इस प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम में निर्धारित उपन्यास और कहानियों में से व्याख्या हेतु 4-4 अंकों के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई तीन सप्रसंग व्याख्याएंकरनी होंगी। प्रश्नपत्र के दो,तीन ,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी व्याख्या भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 12-12 अंक के हैं। ।व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्य परीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे। व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

अध्धयन के लिए निर्धारित उपन्यास

गुनाहों का देवता :-धर्मवीर भारती

अध्धयन के लिए निर्धारित कहानियां

मुंशी प्रेमचंद :-बूढ़ी काकी, ईदगाह

जैनेन्द्र :-खेल , पाज़ेब

मोहन राकेश :-उसकी रोटी, परमात्मा का कुत्ता

उषा प्रियवंदा :-वापसी, ज़िन्दगी और गुलाब के फूल

इकाई– एक

हिन्दी उपन्यास उद्भव और विकास,
उपन्यास : स्वरूप, तत्व, प्रकार

धर्मवीर भारती का साहित्यिक परिचय

इकाई – दो

- गुनाहों का देवता में प्रेम और नैतिकता
- युवा पीढ़ी का अंतर्द्वंद्व
- उपन्यास में निरूपित मध्यवर्गीय मानसिकता , उद्देश्य , भाषा शैली

इकाई – तीन

हिन्दी कहानी उद्भव और विकास
कहानी : स्वरूप, तत्व, प्रकार
कहानीकारों के साहित्यिक परिचय

इकाई – चार

- कहानियों का विषय वस्तु
- पात्र एवं चरित्र चित्रण
-उद्देश्य एवं भाषा शैली सम्बन्धी प्रश्न

व्यावहारिकी –

यूनिकोड टाइपिंग एवं पी.पी.टी.मेकिंग

भाषण, वार्तालाप, समूह चर्चा

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts
(Semester V)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER Bachelor of Arts HINDI ELECTIVE Session 2023-24

Bachelor of Arts SemesterV							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Elective हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएं	BARM-5268	E	100	60	20	20	3

Bachelor of Arts
(Semester-V)

Session 2023-24

Course Code: BARM-5268

हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएं

HINDI (Elective)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1हिन्दी की नवीन गद्य विधाओं का परिचय देते हुए साहित्य के हस्ताक्षर लेखकों व उनकी कृतियों का विश्लेषण |

CO-2 गद्य विधाओं के तात्विक स्वरूप एवं रचनात्मक प्रक्रिया का ज्ञान तथा उनके तत्वों के आधार पर रिपोर्ताज , भेंटवार्ता इत्यादि विधाओं का मूल्यांकन |।

CO-3 गद्य विधाओं के विषय, भाषा एवं शैलीगत वैविध्य का रसास्वाद , व्यंग्य,पत्र तथा ललित निबंध की तात्विक समीक्षा के साथ उनके भाषाई कौशल का परीक्षण।

CO-4 प्रयोजनमूलक हिंदी तथा परियोजना कार्य प्रशिक्षण |

Bachelor of Arts (SEMESTER-V)

Session 2023-24

Course Code : BARM-5268

हिन्दी की आधुनिक गद्य विधाएं

HINDI (Elective)

समय : तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है और सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित है। इस प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक में दिए पाठों में से व्याख्या हेतु 4-4 अंकों के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई तीन सप्रसंग व्याख्याएंकरनी होंगी। प्रश्नपत्र के दो,तीन ,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी व्याख्या भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 12-12 अंक के हैं। ।व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्य परीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे। व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं।

अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक

गद्य विविधा

इकाई –एक

अध्धयन के लिए निर्धारित विधाएं :

1. रेखाचित्र- प्रेमचन्द : एक चित्र (देवेंद्र सत्यार्थी)
2. संस्मरण- सर पर कफ़न लपेटे कातिल को ढूंढते हैं (श्रीवीरेंन्द्र)
3. यात्रावृत्त-अमेरिका का जनजीवन औरभारतीय समुदाय (बी. डी. कालिया 'हमदम')

इकाई –दो

अध्धयन के लिए निर्धारित विधाएं :

4 .रिपोतार्ज– है कुछ ऐसी बात जो चुप हूँ (उपेन्द्रनाथ 'अश्क')
5 .भेंटवार्ता– प्रोफेसर इन्द्र विद्यावाचस्पति (पद्म सिंह शर्मा 'कमलेश')
6.आत्मकथा– अहिंसा का तत्त्व (राजेन्द्र प्रसाद)

इकाई –तीन

अध्धयन के लिए निर्धारित विधाएं :

7. पत्र –मुंशी प्रेमचन्द का पत्र इन्द्रनाथ मदान के नाम
8. ललित निबंध –आपने मेरी रचना पढ़ी? (हजारी प्रसाद द्विवेदी)
9. व्यंग्य –जी चाहता है आत्महत्या कर लूं (संसार चंद्र)

इकाई –चार

प्रयोजनमूलक हिन्दी :

कार्यालयी पत्रों का सैद्धांतिक परिचय: बैंकिंग व्यवहार सम्बन्धी पत्र, शिकायत सम्बन्धी पत्र, नौकरी हेतु आवेदन–पत्र, कार्यालयी पत्रों के प्रकार।
पत्रकारिता : अर्थ, उपयोगिता, प्रकार

व्यावहारिकी :

सामाजिक एवं पर्यावरणीय परिवेश एवं समस्याओं के प्रति साहित्य के

विद्यार्थियों की संवेदनशीलता और जागरूकता को बढ़ाने के लिए लघु परियोजना

कार्य (सर्वेक्षण, तथ्य संग्रह, तुलनात्मक प्रविधि के सहयोग से)

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Hindi
for

Bachelor of Arts
(Semester Vl)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER Bachelor of Arts (HINDI ELECTIVE) Session 2023-24

Bachelor of Arts SemesterVI							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Elective विशिष्ट रचनाकार एवं रचना : सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन, अनुवाद बोध	BARM-6268	E	100	60	20	20	3

Bachelor of Arts (Semester-VI)
Session 2023-24

Course Code: BARM-6268

विशिष्ट रचनाकार एवं रचना : सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन ,अनुवाद बोध

HINDI (Elective)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1हिंदी के मूर्धन्य कवि 'दिनकर' और उनके विख्यात खंडकाव्य रश्मिरथी के अध्ययन का रसास्वादन

CO-2 रामधारी सिंह दिनकर का परिचय, करण के चरित्र औरभारतीय सांस्कृतिक चेतना जैसे दान, दया, धर्म, धैर्य इत्यादि के महत्त्व का ज्ञान

CO-3 रश्मिरथी के शीर्षक की सार्थकता, युद्ध और धर्म सम्बन्धी चिंतन एवंरश्मिरथी के मूल मंतव्य का वर्तमान परिधि में मूल्यांकन

CO-4रश्मिरथी के माध्यम से वर्तमान जीवन की अभिव्यक्ति, भाग्य एवं पौरुष सम्बन्धी विचार, अनेक पात्रों का चरित्र –चित्रण एवंव्यावहारिक शिक्षण में अनुवाद के महत्वपूर्ण योगदान का ज्ञान

Bachelor of Arts (SEMESTER-VI)

Session 2023-24

Course Code : BARM-6268

विशिष्ट रचनाकार एवं रचना : सैद्धांतिक एवं विश्लेषणात्मक अध्ययन ,अनुवाद बोध
HINDI (Elective)

समय : तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-60
P-20

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है और सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित है । इस प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृति में से व्याख्या हेतु 4-4 अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई तीन सप्रसंग व्याख्याएंकरनी होंगी । प्रश्नपत्र के दो,तीन ,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा । पांचवां प्रश्न विद्यार्थी व्याख्या भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है । सभी प्रश्न 12-12 अंक के हैं । ।व्यावहारिकी में निर्धारित पाठ्यक्रम की अलग से परीक्षा ली जायेगी जिसमें बाह्य परीक्षक मौखिकी एवं प्रोजेक्ट फाइल निरीक्षण के माध्यम से विद्यार्थी का मूल्यांकन करेंगे । व्यावहारिक परीक्षा के लिए 20 अंक निर्धारित हैं ।

व्याख्या के लिए निर्धारित कृति

दिनकर कृत खंडकाव्य : रश्मिरथी

इकाई –एक

व्याख्या भाग –सर्ग एक , दो और तीन
रामधारी सिंह दिनकर का साहित्यिक परिचय
कर्ण का चरित्र-चित्रण

इकाई –दो

व्याख्या भाग –सर्ग चार , पांच और छह
रश्मिरथी नामकरण की सार्थकता
रश्मिरथी में युद्ध और धर्म सम्बन्धी चिंतन

इकाई –तीन

व्याख्या भाग – सर्ग सात
रश्मिरथी में भाग्य और पौरुष सम्बन्धी विचार
रश्मिरथी में वर्तमान जीवन की अभिव्यक्ति

इकाई –चार

खंडकाव्य के तत्वों के आधार पर 'रश्मिरथी' का मूल्यांकन
प्रमुख पात्रों – कुंती, भीष्म पितामह , दुर्योधन का चरित्र चित्रण

व्यावहारिकी :

अनुवाद की सैद्धांतिक और व्यावहारिक जानकारी
विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद का विश्लेषणात्मक अध्ययन
प्रयोगात्मक कार्य

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

Of

Hindi

For

Bachelor of Arts

(HONS)

(Semester III)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage InstitutionKANYA MAHAVIDYALAYAJALANDHAR

(Autonomous)

Bachelor of Arts(Hindi)

(HONS)

Session 2023-24

Programme Specific outcomes–

PSO–1 : हिंदी कविता के आधुनिक युग में विभिन्न काव्य–प्रवृत्तियाँ दृष्टिगोचर होती हैं |विशेष रूप से स्वतंत्रता के पश्चात् सन 1950 के बाद का समय नयी कविता , समकालीन कविता, जनवादी कविता का दौर है तत्कालीन परिस्थितियों की पीठिका पर रचित यह कविता यथार्थ की , मोहभंग की , नए युगीन बोध की कविता है |बी.ए.आनर्ज़ के विद्यार्थी इस परिवर्तन को काव्य साहित्य के माध्यम से समझेंगे |

PSO–2 : गद्यकाल के नाम से अभिहित आधुनिक युग में गद्य की अनेक विधायओं का विकास हुआ |इनमें निबन्ध और संस्मरण साहित्य प्रमुख हैं|हिंदी के दो प्रतिनिधि निबन्ध एवं संस्मरण लेखकों महादेवी वर्मा तथा अध्यापक पूर्णसिंह के संस्मरण और निबन्ध साहित्य विद्यार्थियों को इन विधाओं के तात्विक स्वरूप एवं इनकी प्रवृत्तियों, इन विधाओं के कलात्मक सौन्दर्य को व्यावहारिक रूप से समझने में सहायक होंगे |

PSO–3 : आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रमुख गद्य विधाओं हिन्दी नाटक एवं उपन्यास के स्वरूप से परिचय के साथ-साथ विद्यार्थी इन विधाओं के प्रमुख तथा अग्रणी लेखकों की रचनाओं का रसास्वाद और जानकारी भी प्राप्त करेंगे|

PSO–4 : इस पाठयक्रम के द्वारा विद्यार्थियों कोकाव्य सिद्धांतों (अलंकार , रीति , वक्रोक्ति , औचित्य , ध्वनि , रस) शब्द शक्तियों, बिम्ब और प्रतीक इत्यादि काव्यशास्त्रीय अवधारणाओं की जानकारी प्राप्त होंगी जिससे विद्यार्थी प्राचीन और अर्वाचीन साहित्य में निर्माण के महत्वपूर्ण घटकों की पहचान द्वारा साहित्य के सौन्दर्य को आलोचनात्मक दृष्टि से समझने में सक्षम होंगे |

PSO–5 : इस पाठयक्रम से विद्यार्थियों कोराष्ट्रभाषा एवं राजभाषा के रूप में हिंदी की समस्याओं एवं सीमाओं का ज्ञान |

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER

Bachelor of Arts
HINDI(HONS)
Session 2023-24

Bachelor of Arts Hindi (HONS) SemesterIII							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Hons आधुनिक काव्य तथा काव्य नाटक	BARL-3569	E	100	80	-	20	3

Bachelor of Arts (Semester-III)
Session 2023-24

Course Code: BARL-3569

आधुनिक काव्य तथा काव्य नाटक
HINDI (HONS)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिक हिंदी काव्य की विकास यात्रा में छायावादोत्तर काल के दो प्रमुख कवियों श्री सर्वेश्वर दयाल सक्सेना तथा श्रीधर्मवीर भारती के रचनात्मक योगदान का परिचय |

CO-2: इसइकाई के माध्यम से विद्यार्थी सर्वेश्वरदयाल सक्सेना की साहित्यिक विशेषताओं एवं वर्तमान सन्दर्भ में उनकी प्रासंगिकता जान सकेंगे |

CO-3: खंड काव्य के स्वरूप को समझने के साथ विद्यार्थी 'अन्धायुग' की मूल संवेदना और उसमें उठाये गए विषयों की आधुनिक जीवन में प्रासंगिकता और महत्त्व से अवगत होंगें |

CO-4:विद्यार्थीसर्वेश्वरदयाल सक्सेना तथा धर्मवीर भारती के जीवन के बारे में गहन अध्ययन करेंगे |

Bachelor of Arts(Semester-III)
Session 2023-24

Course Code: BARL-3569

आधुनिक काव्य तथा काव्य नाटक
HINDI (HONS)

समय:तीन घंटे Total-100

CA- 20

TH-80

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है और सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित है। इस प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या हेतु 4-4 अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई चार सप्रसंग व्याख्याएंकरनी होंगी। प्रश्नपत्र के दो,तीन ,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी व्याख्या भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 16-16 अंक के हैं।

इकाई-एक

व्याख्या के लिये निर्धारित परिक्षेत्र

1.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना :प्रतिनिधि कविताएँ, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली|
अक्सर एक व्यथा, एक सूनी नाव ,स्मृति ,रसोई ,पिछड़ा आदमी ,अपनी बिटिया के लिए कविताएँ,काठमंडू में भोर , तुम्हारे लिए, लू शुन और चिड़िया , धीरे-धीरे, अंत में|
2.अंधायुग, धर्मवीर भारती, किताबघर प्रकाशन, नई दिल्ली|

इकाई- दो

1. सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य की साहित्यिक विशेषताएँ
2.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना के काव्य में मध्यवर्गीय चेतना
3.नई कविता के सन्दर्भ में सर्वेश्वर दयाल सक्सेना का काव्य
4.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना की काव्य भाषा

इकाई-तीन

1.अंधायुगमें वर्णित युद्ध की समस्याएं
2.अंधायुग: शीर्षक की सार्थकता
3.अंधायुग की मूल संवेदना
4.अंधायुग की भाषा सरंचना

इकाई- चार

1.सर्वेश्वर दयाल सक्सेना : व्यक्तित्व और कृतित्व
2.धर्मवीर भारती: व्यक्तित्व और कृतित्त्व

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

Of

Hindi

For

Bachelor of Arts

(HONS)

(Semester IV)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage InstitutionKANYA MAHAVIDYALAYAJALANDHAR

(Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER

Bachelor of Arts HINDI(HONS)
Session 2023-24

Bachelor of Arts Hindi (HONS) SemesterIV							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Hons गद्य साहित्य : निबंध, संस्मरण तथा अनुवाद	BARL-4569	E	100	80	-	20	3

Bachelor of Arts(Semester-IV)
Session 2023-24

Course Code: BARL-4569

गद्य साहित्य : निबंध , संस्मरण तथा अनुवाद

HINDI (HONS)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1इसमेंनिबंध एवं संस्मरण साहित्य के व्याख्या पक्ष एवं सैद्धाँतिक पक्ष के अंतर्गत दोनों विधाओं के स्वरूप,तत्व एवं प्रकार की जानकारी दी जाएगी |

CO-2इसमेंहिन्दी साहित्य के प्रमुख सर्जक साहित्यकार प्रो० अध्यापक पूर्ण सिंह के व्यक्तित्व एवं उनके साहित्यक योगदान के परिचय से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे |

CO-3इसमेंहिन्दी साहित्य के प्रमुख सर्जक साहित्यकार महादेवी वर्मा के व्यक्तित्व एवं उनके साहित्यिक योगदान के परिचय से विद्यार्थी लाभान्वित होंगे |

CO-4 इसमें निर्धारित शब्दावली के माध्यम से विद्यार्थी अंग्रेज़ी से हिंदी और हिंदी से अंग्रेज़ी परिभाषिकों की जानकारी प्राप्त कर सकेगा |

Bachelor of Arts(Semester-IV)
Session 2023-24

Course Code: BARL-4569

गद्य साहित्य : निबंध , संस्मरण तथा अनुवाद

HINDI (HONS)

समय:तीन घंटे

Total-100
CA- 20
TH-80

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है । प्रथम भाग अनिवार्य है और सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित है । इस प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या हेतु 4-4 अंकों के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई चार सप्रसंग व्याख्याएंकरनी होंगी । प्रश्नपत्र के दो,तीन ,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा । पांचवां प्रश्न विद्यार्थी व्याख्या भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है । सभी प्रश्न 16-16 अंक के हैं ।

इकाई-एक

व्याख्या के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :

अध्यापक पूर्ण सिंह के निबंध ,सम्पादक प्रो० हरमहेन्द्र सिंह बेदी एवं डा० सुधा जितेन्द्र,निर्मल पब्लिकेशनस ,दिल्ली |

महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य :सम्पादक –प्रो० डा० सुधा जितेन्द्र , पब्लिकेशन्स ब्यूरो, पंजाबी यूनिवर्सिटी,पटियाला |

केवल पांच संस्मरण – सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला,सुभद्राकुमारी चौहान,चीनी फ़ेरी वाला, भक्तिन,घीसा |

इकाई- दो

निबंधकार अध्यापक पूर्ण सिंह का साहित्यिक परिचय, निबंध विधा के सन्दर्भ सम्बन्धी सामान्य प्रश्न तथा निबन्धों से सम्बन्धित आलोचनात्मक प्रश्न |

इकाई- तीन

महादेवी वर्मा का साहित्यिक परिचय,विशेष विधाओं सम्बन्धी आलोचनात्मक प्रश्न |

इकाई- चार

अनुवाद शब्दावली के लिए तत्सम्बन्धी पुस्तकें : पैनिशिया तथा बीकन निर्धारित है | लेखक एच. एम. लाल सूद ,दीपक पब्लिशर्स जालन्धर |

परीक्षा से सम्बंधित शब्दावली अग्रलिखित है |

पारिभाषिक शब्दावली

Acceptance	**स्वीकृति**
Apparatus	**उपकरण**
Breakage	**टूटना**
Compliance	**अनुपालन**
Defacto	**वास्तविक, वस्तुत:,तथ्यत:**
Discrepancy	**विसंगति**
Ex-Officio	**पद के अनुसार**
Gadget	**यंत्र**
Imbalance	**असंतुलन**
Jeopardize	**जोखिम में डालना**
Mercantile	**व्यापारिक**
Sanction	**संस्वीकृति,मंज़ूरी**
Prima Facia	**प्रथम दृष्टया**
Admissible	**स्वीकार्य**
Auxilliary	**सहायक**
Competitor	**प्रतियोगी**
Comptroller	**नियंत्रक**
Dereliction	**उत्सर्ग,कर्तव्य का त्याग**
Exchequer	**राजकोष**
Facilitate	**सुगम करना**
Honorarium	**मानदेय,वेतन,पारिश्रामिक**
Imprest	**अग्रदाय, पेशगी**
Licence	**अनुज्ञप्ति,अनुज्ञापत्र**
Omission	**चूक, लोप,अकृत**
Sponsor	**प्रायोजक**
Agile	**फुर्तीला**
Anaemia	**रक्तलाप्ता ,रक्तहीनता**
Anatom	**तात्पर्य**
Biesct	
Borax	**सुहागा**
Calorie	**कैलोरी**
Deoderize	**दुर्गन्ध दूर करना**
Diabetes	**मधुमेह**
Disinfect	**कीटाणुरहित**
Etiology	**हेतुविज्ञान**
Restive	**अशांत**
Exposure	**अनावरण**
Hepatitis	**हैपेटाइटस (जिगर में सूजन)**

Herb	जड़ी-बूटी,औषधि
Irritant	उत्तेजक/प्रकोपक
Immunize	रोगक्षम करना
Jaundice	पांडु रोग,पीलिया
Lancet	चाकू
Listless	उदासीन
Molar	दाढ़
Monomania	एकोन्माद/जुनूनी उत्साह
Nucleus	नाभिक
Pyorrohoea	दन्त स्राव
Quack	नीम हकीम, बतख की बोली
Aquatic	जलीय
अनुमोदन निरसन	Revocation of approval
औपनिवेशक	Colonial
सुवाह्य	Portable
आचरण संहिता	Code of conduct
संवेदन प्रेरणा	Sensory inducer
प्राधिकृत	Authorized
अधिलाभांश यथार्थत: वास्तव में भाड़ा	Exaggerated, Reality of actually cost
निष्क्रय	Inactive
अंतर्परीक्षण	Introspection
अवस्फीति अधिकर्म	Deflationary action
संकलित करना	To Compile
प्रदूषण	Pollution
कोष,निधि कार्यविधि	Fund Procedures
जीविका	Livelihood
बकाया	Arrears
ज़ब्त होना या करना ,मसौदा	Confiscate ,Draft
आसन्न	Imminent
भेजना,रवाना करना	Set off,Religate
बीजक	Invoice, waybill
श्वास प्रक्रिया	Process of breathing
प्रतिरोधी शक्ति	Resistive power
शुद्ध-विशुद्धता	Purity
रक्तवाहिनी	Vascular
पशु-चिकित्सक	Veternity Dr.
पीड़ाहारी मरहम	Sore-ointment
अनुभूति	Cognition,Realization,Feeling
अनिद्रा रोग	Insomnia decease
देह-गठन	Body-formation
अंग,अवयव	Organ, Component
सन्तान	Progency,Descendent
नेत्र विशेषज्ञ	Eye-specialist
खनिज	Mineral
कुपोषण	Malnutrition

शरीर-विज्ञान	Physiology
अविलेय	Insoluble
दृष्टि पटल	Retina
भय, भांति	Fear,Like
पागलपन,उन्माद	Frenzy,Craze
सहज ज्ञान ,सहजबोध	Intution
अत:प्रजनन	Hence breeding
संवेग	Sense
पक्षाचालक	Parasite
श्वासनली शोध	Trachea
इन्द्रिय बोध	Feeling
अजीर्णता	Indigestion

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

Of

Hindi

For

Bachelor of Arts

(HONS)

(Semester -V)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage InstitutionKANYA MAHAVIDYALAYAJALANDHAR

(Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER

Bachelor of Arts HINDI (HONS)
Session 2023-24

Bachelor of Arts Hindi (HONS) SemesterV							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Hons आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास	BARL-5569	E	100	80	-	20	3

Bachelor of Arts (Semester-V)
Session 2023-24

Course Code: BARL-5569

आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास

HINDI (HONS)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1हिंदी रंगमंच और नाटक के विकास क्रम का परिचय के साथ मिस्टर अभिमन्युनाटक की विस्तृत जानकारी ।

CO-2 समकालीन सामाजिक यथार्थ और मानव- मूल्यों के प्रतिपादन में विधा के रूप में नाटक के सामर्थ्य की जानकारी। हिंदी के प्रख्यात नाटककार डॉ.लक्ष्मीनारायण लाल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से परिचय।

CO-3हिंदी उपन्यास के उद्भव और विकास, तत्वों एवं प्रकारों की विशिष्ट जानकारी | हिंदी रंगमंच और उपन्यास के विकास क्रम के परिचय के साथ गबन उपन्यास की विस्तृत जानकारी ।

CO-4 मुंशी प्रेमचंद की औपन्यासिक शैली से परिचय ।मध्यवर्गीय सामाजिक जीवन की विसंगतियों के निरूपण में प्रेमचंद की सिद्धहस्तता एवं लेखकीय चेतना का ज्ञान ।मानवीय मन के अंतर्द्वंद तथा वैयक्तिक और सामाजिक मूल्यों के संघर्ष के प्रति अपेक्षित दृष्टिकोण का विकास।

Bachelor of Arts (Semester-V)
Session 2023-24

Course Code: BARL-5569

आधुनिक हिन्दी नाटक एवं उपन्यास

HINDI (HONS)

Total-100
CA- 20
TH-80

समय:तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है और सप्रसंग व्याख्या के लिए निर्धारित है। इस प्रश्नपत्र में पाठ्यक्रम में निर्धारित कृतियों में से व्याख्या हेतु 4-4 अंकों के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई चार सप्रसंग व्याख्याएंकरनी होंगी। प्रश्नपत्र के दो,तीन ,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से दो-दो प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थी को एक-एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी व्याख्या भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 16-16 अंक के हैं।

व्याख्या के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

मिस्टर अभिमन्यु – लक्ष्मीनारायण लाल (नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली)
गबन – मुंशी प्रेमचंद (राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)

इकाई-एक

हिंदी नाटक : उदभव और विकास, स्वरुप, तत्व और प्रकार|

इकाई- दो

नाटक की विषय – वस्तु एवं प्रतिपादय, पात्र एवं चरित्र –चित्रण , वर्तमान समय की चुनौतियाँ और युवा वर्ग , सामाजिक और राजनीतिक परिवेश की विसंगतियां , उद्देश्य एवं भाषा शैली से सम्बधित प्रश्न |

इकाई- तीन

हिंदी उपन्यास : उद्भव और विकास,स्वरुप, तत्व और प्रकार

इकाई- चार

मुंशी प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय और उपन्यास की विषय-वस्तु , पात्र एवं चरित्र-चित्रण, मध्यवर्गीय समाज में प्रदर्शन की प्रवृत्ति एवं अन्य सामाजिक समस्याओं , उद्देश्य , भाषा शैली पर आधारित सामान्य प्रश्न |

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

Of

Hindi

For

Bachelor of Arts

(HONS)

(Semester -VI)

(Under Continuous Evaluation System)

(12+3 System of Education)

Session: 2023-24

The Heritage InstitutionKANYA MAHAVIDYALAYAJALANDHAR

(Autonomous)

SCHEME AND CURRICULUM OF EXAMINATION OF THREE YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER

Bachelor of Arts HINDI (HONS)
Session 2023-24

Bachelor of Arts Hindi (HONS) SemesterVI							
Course Name	**Course Code**	**Course Type**	**Marks**				**Examination time (in Hours)**
			Total	**Ext.**		**CA**	
				L	**P**		
Hindi Hons भारतीय काव्य शास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृत्तियाँ	BARL-6569	E	100	80	-	20	3

Bachelor of Arts (Semester-VI)
Session 2023-24

Course Code: BARL-6569

भारतीय काव्यशास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृत्तियाँ

HINDI (HONS)

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा की जानकारी ।

CO-2 आधुनिक समीक्षा के स्वरूप और प्रकारों के प्रारम्भिक परिचय से आलोचनात्मक दृष्टि का विकास ।

CO-3 भाषा की सामर्थ्य को बढ़ाने में प्रतीक और बिम्ब के प्रयोग की आवश्यकता एवं इनके वैविध्य से परिचय ।

CO-4 भाषा के रूप में हिन्दी की व्यापकता, इसके सामर्थ्य के साथ-साथ हिन्दी की चुनौतियों और समस्याओं का ज्ञान ।

Bachelor of Arts (Semester-VI)
Session 2023-24

Course Code: BARL-6569

भारतीय काव्य शास्त्र एवं आधुनिक आलोचना की प्रवृतियां

HINDI (HONS)

Total-100

समय:तीन घंटे

CA- 20
TH-80

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्नपत्र चार भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है। इसमें 4-4 अंकों के छ: प्रश्नपूछे जायेंगे जिनमें से विद्यार्थियों को कोई चारप्रश्न करने होंगे। प्रश्नपत्र के दो,तीन,चार भागों के अंतर्गत परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र की इकाई एक,दो,तीन अथवा चार में दिए गए प्रश्नों में से विद्यार्थियों को एक –एक प्रश्न करना होगा। पांचवां प्रश्न विद्यार्थी प्रथम भाग के अतिरिक्त शेष किसी भी भाग में से कर सकता है। सभी प्रश्न 16-16 अंकों के हैं।

इकाई-एक

भारतीयकाव्यशास्त्रकासामान्यपरिचय

भारतीयकाव्यशास्त्रकेसिद्धांत–अलंकार, रीति, ध्वनि और रस का संक्षिप्त परिचय ।

इकाई- दो

आधुनिकहिन्दीसमीक्षा– अर्थ, स्वरूप, प्रमुख प्रकार

इकाई-तीन

प्रतीक– स्वरूप, भेद

बिम्ब–स्वरूप, भेद

इकाई- चार

राष्ट्रभाषा/सम्पर्क भाषा के रूप में हिन्दी – विशेषताएं और समस्याएं

राजभाषाकेरूपमेंहिन्दीकीचुनौतियांऔरसमाधान

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Maters of Arts Hindi

(Semester I)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

Masters of Arts (Hindi)

Session 2023-24

Programme Specific outcomes-

PSO-1:भाषा उच्चारण में निपुणता , व्याकरण सम्बन्धी अवधारणा की स्पष्टता |

PSO-2: प्राचीन एवं नवीन हिन्दी कवियों की देन के गहन ज्ञान की प्राप्ति |

PSO-3: हिन्दी के भाषिक और साहित्यिक रूप के साथ साथ उसके प्रयोजनमूलक रूपों – बैंक, रेलवे , समाचार पत्र , रेडियो , टेलीविज़न , मीडिया , अनुवाद की जानकारी एवं रोज़गार के अवसर |

PSO-4: भारतीय और पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा, विभिन्न समीक्षा पद्धतियों का सम्यक ज्ञान |रस, शब्द शक्तियों और विविध वादों का गहन अध्ययन |

PSO-5: भाषा और भाषा विज्ञान, समाज विज्ञान , मनोभाषा विज्ञान , शैलीविज्ञान , रूपांतरण प्रजनक , व्यवस्था परक एवंप्रकार्य परक व्याकरण की समस्त जानकारी एवं भाषा वैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य में साहित्य का विश्लेषण करने का सम्पूर्ण ज्ञान |

PSO-6: देवनागरी लिपि का ज्ञान , समास, सन्धि, उपसर्ग , प्रत्यय , लिंग, वचन, कारक की व्यावहारिक जानकारी |

PSO-7: कोश निर्माण के सिद्धांत, प्रक्रिया , विभिन्न कोश ग्रन्थ और विभिन्न कोशकारों का सामान्य परिचय एवं व्यावहारिक ज्ञान में दक्षता |

PSO-8: हिन्दी की प्रयोजन मूलकता को सिद्ध करती पत्रकारिता के क्षेत्र की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक जानकारी , सम्पादन , प्रूफ पठन, समाचार लेखन व वाचन , उद्घोषणा: लेखन व वाचन, संवाद , विज्ञापन, फीचर , रिपोर्ताज , पटकथा , डाक्यूमेंट्री , नाटक लेखन का व्यावहारिक ज्ञान |

PSO-9: राजभाषा शिक्षण के अंतर्गत राजभाषा के अधिनियम , राष्ट्रपति के आदेशों संवैधानिक नियमों की सम्पूर्ण जानकारी और कार्यालयी टिप्पण , प्रारूपण , संक्षेपण , विस्तारण, पत्र लेखन एवं पारिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत की विस्तृत जानकारी |

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)

SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Masters of Arts Hindi
(SemesterI)

Master of Arts (Hindi) SemesterI										
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Hrs/ Weeks**	**Credits L.T.P**		**Marks**				**Examination time (in Hours)**
					Total Credits	**Total**	**Ext.**			
							L	**P**	**CA**	
MHIL-1261	आधुनिक हिंदी काव्य:द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL -1262	हिन्दी साहित्य का इतिहास	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL -1263	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL - 1264	प्रयोजनमूलक हिन्दी	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL - 1265(Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	हिन्दी नाटक और रंगमंच (Opt-i)	O	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
	कोश विज्ञान (Opt-ii)	O	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
	पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य (Opt-iii)	O	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
(*विद्यार्थी अग्रलिखित अन्तर्ज्ञानानुशास्त्रात्मक(interdisciplinary)विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)		**IDE**	**4**		4	100	80	-	20	3

Total		**20**	**20**		500				
IDEC-1101 IDEM-1362 IDEH-1313 IDEI-1124 IDEW-1275	Effective Communication Skills Basics of Music(Vocal) Human Rights And Constitutional Rights Basics of Computer Applications Indian Heritage : Contribution to the world **(*Credits/Grades/points of these courses will not be added to SGPA)**								

C-Compulsory
O-Optional
IDE-Inter Disciplinary Optional Course
IDC- Inter Disciplinary compulsory Course

Masters of Arts (HINDI)(Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 1261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Course Outcomes:

CO-1: इस पाठ्यक्रम के माध्यम से कवि आधुनिक हिंदी काव्य में भाव,भाषा और शिल्प के स्तर पर नवीन,सार्थक एवं सशक्त इन कवियों के काव्य का रसास्वादकरते हुए हिंदी कविता के विकास को सहज रूप में जानेंगें |

CO-2: इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रस्थान बिंदु द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृतियों से परिचित होंगें और खड़ी बोली हिंदी कविता के विकास क्रम में इस युग में रचित कविता की विशिष्टता को समझेंगे |

CO-3: आधुनिक युग में खड़ी बोली हिंदी के पहले महाकाव्य कामायनी के माध्यम से तत्कालीन परिस्थितियों के समानांतर भारतीय जनमानस के अन्त: संघर्ष को समझने के साथ-साथ विद्यार्थी आधुनिक साहित्य के सामाजिक,दार्शनिक,मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और आशय को समझने में सक्षम होंगें|

Co-4: इससे विद्यार्थी एक समय की सामाजिक परिस्थितियों की सापेक्षता में बदल रहे जीवन मूल्यों के साथ मानव चेतना के संघर्ष को सहज ही समझ सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL- 1261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Total: 100
CA: 20
LTP-4-0-0
TH : 80

समय : तीन घंटे

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16-16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई –एक

- द्विवेदी युग : प्रमुख प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाकारों का सामान्य परिचय
- छायावाद : पृष्ठभूमि, प्रमुख प्रवृत्तियां, प्रमुख रचनाकारों का परिचय

इकाई –दो

मैथिलीशरण गुप्त:

-नवजागरण ओर द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि गुप्त
-साकेत का महाकाव्यत्व
-नवम सर्ग का काव्य-वैभव
- राष्ट्रीय चेतना के कविमैथिलीशरणगुप्त
-मैथिलीशरणगुप्त का जीवन-दर्शन
-साकेत: सांस्कृतिक आधार औरयुगीन दर्शन
-उर्मिला का चरित्र चित्रण

इकाई –तीन

जयशंकर प्रसाद :

-छायावादी काव्यान्दोलन और जयशंकर प्रसाद
-कामायनीकी अंतर्वस्तु
-कामायनी:महाकाव्यत्व
-कामायनी: दार्शनिक पक्ष
-कामायनी: इतिहास और कल्पना
-कामायनीकी रूपक योजना
-कामायनीकी भाषा-शैली

इकाई –चार

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला:

-निरालाकी काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरण
-निराला का जीवन दर्शन
-छायावादी कवि निराला
-प्रगतिवादी कवि निराला
-प्रयोगधर्मी कवि निराला
-निराला का काव्य-सौन्दर्य
-रामकी शक्ति पूजा:कथ्यऔर शिल्प
-सरोज-स्मृति: कथ्य और शिल्प

सहायक पुस्तकें :

हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा|
साकेत एक अध्ययन,नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिंदी बुक सेन्टर,नईदिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संकृति के आख्याता, उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
साकेत सुधा,रामस्वरूप दुबे,नारायण बुक डिपो,कानपुर|
प्रिय प्रवास औरसाकेत की आदर्शगत तुलना,श्री वल्लभ शर्मा,मंगल प्रकाशन, जयपुर|
कामायनी में काव्य,संस्कृति और दर्शन,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना,विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा|
मिथक ओर स्वरूप :कामायनी कि मनस्सौन्दर्या सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ,ग्रंथम कानपुर|
कामायनी:मूल्यांकन ओर मूल्यांकन,इन्द्रनाथ मदान,नीलाभ प्रकाशन,इलाहाबाद|
कामायनी:एक पुनर्विचार,गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन,नईदिल्ली|
कामायनी के अध्ययन की समस्याएं,डॉ. नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली |
निरालाकी साहित्य साधना,रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नईदिल्ली|
क्रांतिकारी कवि निराला,बच्चन सिंह,हिंदी प्रचारक,वाराणसी
काव्य-पुरुष निराला,जयनाथ नलिन,आलोक प्रकाशन,कुरुक्षेत्र|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1262

हिंदी साहित्य का इतिहास

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : इसपाठ्यक्रम में विद्यार्थी साहित्य के इतिहास के अर्थ और साहित्य इतिहास लेखन की परम्परा से परिचित होंगें |

CO-2 : आदिकाल के नामकरण और सीमा निर्धारण जैसे विवादित एवं अनिर्णीत विषयों के प्रति सजग होने के साथ आदिकाल की प्रमुख काव्य प्रवृतियों से अवगत होंगें|

CO-3 : भक्तिकाल की पृष्ठभूमि और सगुण-निर्गुण काव्यधाराओं में प्रमुख गौण कवियों और काव्य प्रवृत्तियों को समझेंगे |

CO-4 : रीतिकालकी परिस्थितियोंएवं प्रमुखएवं गौण काव्य प्रवृत्तियों से अवगत होंगें|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1262

Course Title: हिन्दी साहित्य का इतिहास

Total: 100
CA:20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP – 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :
यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16-16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

इतिहास दर्शन :
-साहित्येतिहासलेखन : अर्थ एवं अभिप्राय ।
-हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की परम्परा ।
-हिंदी साहित्य का इतिहास : काल विभाजन, सीमा निर्धारण और नामकरण|

इकाई – दो

आदिकाल :
-आदिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण की समस्या, विभिन्न परिस्थितियां,
साहित्यिक प्रवृत्तियां
-सिद्ध, नाथ, जैन साहित्य (सामान्य परिचय)
-रासो काव्य , प्रमुख प्रवृत्तियां
-लौकिक काव्य धारा : परिचय एवं प्रवृत्तियां
-प्रमुख कवि (चंदबरदाई, जगनिक, अमीर खुसरो, विद्यापति :व्यक्तित्व एवं कृतित्व परिचय)

इकाई-तीन

-भक्तिकाल: पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां
- निर्गुण एवं सगुण काव्यधारा: प्रमुख विशेषताएं ।
-प्रमुख एवं गौण कवि: (कबीर, रविदास, दादू, सुंदरदास, कुतुबन, मंझन, जायसी, तुलसीदास, सूरदास, नंददास)
-भक्तेतर काव्य:प्रमुख कवि और उनका रचनागत वैशिष्ट्य ।

इकाई- चार

-रीतिकाल: नामकरण और काल सीमा निर्धारण
-उत्तरमध्यकाल पृष्ठभूमि एवं प्रवृत्तियां
-रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध और रीतिमुक्त काव्यधाराओं का परिचय एवं प्रवृत्तियां
-प्रमुख एवं गौण कवि: (केशव, बिहारी, देव, मतिराम, घनानंद, बोधा, आलम, ठाकुर, गुरु गोबिंद सिंह, रज्जबदास)

सहायक पुस्तकें:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आ. रामचंद्र शुक्ल, काशी नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, संपादक डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. रीतिकाव्य की भूमिका: डॉ. नगेन्द्र
4. साहित्य इतिहास का दर्शन, आचार्य नलिन विलोचन शर्मा, बिहार राष्ट्र परिषद्, पटना ।
5. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, डॉ. रामकुमार वर्मा, रामनारायण बेणी माधव, इलाहाबाद ।
6. हिन्दी साहित्य का अतीत, भाग-1, 2, 3 प. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, ब्रह्मनाल, वाराणसी ।
7. हिन्दी साहित्य का बृहत इतिहास (भाग-1 से 16), नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास, हुकुमचंद राजपाल, विकास पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
9. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि: मैनेजर पांडेय
11. मध्यकालीन बांध का स्वरूप: हजारी प्रसाद द्विवेदी ।
12. हिन्दी साहित्य का अतीत (भाग 1, 2): विश्वनाथ प्रसाद मिश्र ।
13. हिन्दी साहित्य का इतिहास: पूरनचंद टंडन, विनीता कुमारी ।
14. आदिकालीन हिन्दी साहित्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि: राममूर्ति त्रिपाठी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1263

Course Title:भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : भारतीय काव्यशास्त्र में हम साहित्य एवं समीक्षा के सम्बन्ध में विद्वान आचार्यों के द्वारा दिए गये मतों एवं सिद्धांतों के क्रमिक विकास ,साहित्य पर उनके प्रभाव ओर उनके योगदान तथा उनकी सीमाओं की जानकारी प्राप्त करते हैं |

CO-2 : रस आंतरिकआनंदानुभूतिहै तो अलंकार बाह्य सौन्दर्य-विधान |रस का व्यावहारिक ज्ञान अगर विद्यार्थियों की आंतरिक गहनता को परखने में सहायक होगा तो अलंकार उनके मन के कल्पनात्मक तत्वों को सक्षमता प्रदान करेंगे |

Co-3 : ध्वनि, रीति और वक्रोक्तिका ज्ञान विद्यार्थियों को रचनात्मक अभिव्यक्ति में परोक्ष एवं सूक्ष्म भूमिका निभाने वाले तत्वों की जानकारी उन्हें सैद्धांतिक ज्ञान ओर व्यावहारिक कौशल दोनों प्रदान करती है |

CO-4 : विद्यार्थियों को औचित्य सिद्धांत की जानकारी प्राप्त होगी एवं वे आलोचना की विभिन्न प्रवृत्तियों के बारे में जान सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1263

Course Title: भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालोचन

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP – 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16-16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

काव्य :

काव्य-लक्षण, काव्य तत्व, काव्य-हेतु, काव्य प्रयोजन, काव्य के प्रकार ।

इकाई – दो

रस सम्प्रदाय : रस का स्वरुप ,रस के अंग,रस-निष्पत्ति, साधारणीकरण, सहृदय की अवधारणा ।
अलंकार सम्प्रदाय : परम्परा और मूलस्थापनाएँ, अलंकारों का वर्गीकरण ।

इकाई – तीन

ध्वनि सम्प्रदाय : ध्वनिका स्वरूप, ध्वनि-सिद्धान्त की स्थापनाएं, ध्वनि काव्य के प्रमुख भेद ।
रीति सिद्धांत : रीतिकी अवधारणा, रीति सिद्धांत की प्रमुखस्थापनाएं, काव्य गुण, रीति एवं शैली ।
वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा एवं मान्यताएं, वक्रोक्ति के भेद|

इकाई – चार

औचित्य सिद्धांत : औचित्य से अभिप्राय, औचित्य का स्वरूप एवं भेद, प्रमुख स्थापनाएं, काव्य में औचित्य का स्थान एवं महत्व ।

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियां : शास्त्रीय, तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय ।

सहायक पुस्तकें :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंगहाउस, दिल्ली ।
2. आलोचक और आलोचना: बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
3. हिंदी समीक्षा: स्वरूप और सन्दर्भ, रामदरश मिश्र, मैकमिलन कम्पनी, दिल्ली ।
4. आधुनिक हिंदी समीक्षा-प्रकीर्णक से पद्धति तक, यदुनाथ सिंह, आर्य प्रकाशन मंडल, दिल्ली ।
5. हिंदी आलोचना का सिद्धान्त, मक्खन लाल शर्मा, शब्द और शब्द प्रकाशन, दिल्ली ।
6. भारतीय समीक्षा सिद्धांत, सूर्य नारायण द्विवेदी, संजय बुक सैंटर, वाराणसी ।
7. भारतीय साहित्य दर्शन, सत्यदेव चौधरी, साहित्य सदन, देहरादून ।
8. भारतीय काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
9. काव्यशास्त्र, भागीरथ मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10. रस सिद्धांत की दार्शनिक एवं नैतिक व्याख्याएं, तारकनाथ बाली, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1264

Course Title:प्रयोजनमूलक हिंदी

Course Outcomes :

CO-1: इकाई एक के द्वारा विद्यार्थी भाषा के विभिन्न रूपों से परिचित होंगे | कार्यालय में प्रयुक्त कार्यप्रणाली व कामकाजी हिंदी के रूपों संक्षेपण,पल्लवन,प्रारूपण,पत्रलेखन व टिप्पण लेखन की विशेष जानकारी प्राप्त होगी |

CO-2:ज्ञान-विज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली एवं इसी से सम्बन्धित सैद्धांतिकी का ज्ञान प्राप्त होगा |

CO-3:कम्प्यूटर से यद्यपि कोई परिचित नहीं परन्तु सैद्धांतिक रूप से इसकी विस्तृत जानकारी विद्यार्थी अर्जित कर सकता है | इस इकाई के अध्ययन के माध्यम से विद्यार्थीइंटरनेट से की जाने वाली ई मेल, लिंक,डाउनलोडिंग की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं |

CO-4:इस इकाई से विद्यार्थी कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूपों के सम्बन्ध में तथा कम्प्यूटर शब्दों के हिंदी रूपों का परिचय प्राप्त कर अपने ज्ञान में वृद्धि करेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1264

Course Title: प्रयोजनमूलक हिन्दी

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16-16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

पाठ्य विषय :

कामकाजी हिन्दी
-हिंदी के विभिन्न रूप-संचार : भाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा, सर्जनात्मक भाषा ।

-कार्यालयी हिंदी (राजभाषा) के प्रमुख रूप : संक्षेपण, पल्लवन, प्रारूपण, पत्रलेखन, टिप्पण ।

संक्षेपण: अभिप्राय:,परिभाषा,महत्त्व, संक्षेपण व अन्य रचना रूप, संक्षेपण के आवश्यक तत्व, संक्षेपण विधि |

पल्लवन: अभिप्राय,परिभाषा,महत्त्व एवं उपयोगिता, पल्लवन के गुण/विशेषताएं,पल्लवन के अन्य स्वतंत्र रूप,पल्लवन की विधि |

प्रारूपण: परिचय,परिभाषा,आवश्यकता व महत्त्व ,प्रारूपण की विधि/अंग,प्रारूपण के प्रकार,अच्छे प्रारूपण कीविशेषताएं |

पत्रलेखन: पत्रलेखन का महत्त्व,अच्छे पत्र की विशेषताएं,पत्र के प्रकार |

टिप्पण: अभिप्राय,टीप-टिप्पणी व टिप्पण में अंतर,टिप्पण की परिभाषा,उद्देश्य,टिप्पण लेखन की विधि, टिप्पण के प्रकार अच्छे टिप्पण की विशेषताएं |

-पारिभाषिक शब्दावली -स्वरूप एवं महत्व, पारिभाषिक शब्दावली :परिभाषा, पारिभाषिक शब्दावली के गुण व विशेषताएं |
-ज्ञान विज्ञान के क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली निर्धारित क्षेत्र : बैंक, रेलवे, कम्प्यूटर और सामान्य प्रशासनिक शब्दावली 228 से 229तक

निर्धारित पुस्तक: हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर, 2005

इकाई – दो

-हिंदी कंप्यूटिंग : कम्प्यूटर: परिचय,परिभाषा,विशेषताएं,उपयोगिता,क्षेत्र,कम्प्यूटर के प्रकार |

- कम्प्यूटर : परिचय उपयोग तथा क्षेत्र |

-इंटरनेट : संपर्क उपकरणों का परिचय, प्रकार्यात्मक रख-रखाव एवं इंटरनेट : समय मितव्ययिता के सूत्र ।

-वेब पब्लिशिंग ।

इकाई – तीन

-इंटरनेट एक्स्प्लोरर अथवा नेटस्केप नेवीगेटर

-लिंक, ब्राउज़िंग, ई-मेल भेजना/प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग व

अपलोडिंग, हिन्दी सॉफ्टवेयर, पैकेज ।

इकाई – चार

कार्यालयी टिप्पणियों के हिन्दी रूप सम्बन्धी शब्दावली, पृ.73-76 तक, कम्प्यूटर शब्दावली, पृ.144- 147 तक ।

परिभाषिक शब्दावली, कार्यालयी टिप्पणियों व कम्प्यूटर शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक-हिन्दी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर, संस्करण-2005।

सहायक पुस्तकें :

1. प्रयोजनमूलक हिन्दी- विनोद गोदरे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. प्रयोजनमूलक हिन्दी : सिद्धांत और प्रयोग दंगल झाल्टे, विद्या विहार, नई दिल्ली ।
3. राजभाषा विविध, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. ज्ञान शिखा (प्रयोजनमूलक हिन्दी विशेषांक), संपा. डॉ. सूर्यप्रसाद दीक्षित, हिन्दी विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय प्रकाशन ।
5. अनुवाद प्रकिया, डॉ. रीता रानी पालीवाल, साहित्य निधि, दिल्ली ।
6. व्यावहारिक हिन्दी, कैलाशचन्द्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
7. कंप्यूटर और हिन्दी, डॉ. हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली ।
8. संक्षेपण और विस्तारण, कैलाशचन्द्र भाटिया, सुमन सिंह प्रभात प्रकाशन, दिल्ली ।
9. प्रयोजनमूलक हिन्दी, रघुनन्दन प्रसाद शर्मा, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
10 प्रयोजनमूलक हिन्दी, संरचना एवंअनुप्रयोग, डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
11. प्रयोजनमूलक व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. ओमप्रकाश सिंहल, जगत राम प्रकाशन, दिल्ली ।

12 अनुवाद की व्यावहारिक समस्याएं, भोलानाथ तिवारी/ओमप्रकाश गाबा, शरद प्रकाशन, दिल्ली ।
13.राजभाषा हिन्दी, डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
14.प्रशासनिक कार्यालय की हिन्दी, डॉ. रामप्रकाश/डॉ.दिनेश कुमार गुप्त, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
15.व्यावहारिक हिन्दी, डॉ. रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
16.प्रयोजनमूलक हिन्दी, कमल कुमार बोस, क्लासिकल पब्लिशिंग, नई दिल्ली ।
17.हिन्दी की मानक वर्तनी कैलाश चन्द्र भाटिया, रचना भाटिया, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली ।
18.कम्प्यूटर प्रोग्रामिंग : सिद्धांत और तकनीक, राजीव, राजेन्द्र कुमार, साहित्य मंदिर, दिल्ली ।
19.प्रयोजनमूलक हिंदी, डॉ. राजनाथ भट्ट, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1265

(वैकल्पिक अध्ययन)

विकल्प –एक

हिंदी नाटक और रंगमंच

Course Outcomes :

CO-1: नाटक हिंदी गद्य साहित्य की अन्यतम विधा है | इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी आधुनिक काल में भारतेंदु युग के नाटकों के विकास तथा रंगमंच के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं तथानाटक की सैद्दन्तिकी के बारे में जानेंगे।

CO-2:भारतेंदु युग के नाटककारों ने लोक चेतना के विकास के लिए नाटकों की रचना की ताकि उस समय की सामाजिक समस्याओं को नाटकों में अभिव्यक्त किया जा सके |द्वितीय इकाई मेंविद्यार्थी भारतेंदु कृत नाटक'अंधेर नगरी' का गहन अध्ययन करेंगे |

CO-3:तृतीय इकाई के माध्यम से विद्यार्थी जयशंकर प्रसाद के नाटक 'ध्रुवस्वामिनी' का गहन अध्ययन करेंगें तथा ऐतिहासिक नाटकों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगें |

CO-4:चतुर्थ इकाई के माध्यम से विद्यार्थी सुरेन्द वर्मा कृत 'आठवाँ' सर्ग नाटक का अध्ययन करेंगें|यह प्रश्नपत्र विद्यार्थियोंकी रंगमंच के प्रति रूचि उत्पन्न करेगा और उनकी सृजनात्मक क्षमता को उभरने में मदद करेगा |

Masters of Arts (HINDI)(Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प –एक

Course Title: हिन्दी नाटक और रंगमंच

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय: तीन घंटे

LTP- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16–16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

निर्धारित पुस्तकें :

(क) अंधेर नगरी: भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली ।
(ख) ध्रुवस्वामिनी: जयशंकर प्रसाद, प्रसाद प्रकाशन, वाराणसी ।
(ग) आठवां सर्ग : सुरेन्द्र वर्मा , राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली ।

इकाई – एक

हिंदी नाट्य उद्भव और विकास
नाटक के तत्व एवं स्वरुप
भारतेंदु का रंगमंच : सामर्थ्य और सीमाएं

पारसी रंगमंच, पृथ्वी थियेटर, नुक्कड़ नाटक, रेडियो नाटक

इकाई – दो

भारतेंदु की नाट्य चेतना
अंधेर नगरी का मुख्य सन्दर्भ
अंधेर नगरी में भारतेंदु युगीन विसंगतियों की अभिव्यक्ति
अंधेर नगरी में यथार्थ बोध
अंधेर नगरी में व्यंग्य भाषा, शैली
अंधेर नगरी का नाट्य शिल्प, प्रतीक विधान ।

इकाई – तीन

जयशंकर प्रसाद : नाट्य यात्रा में ध्रुवस्वामिनी का महत्वाँकन
ध्रुवस्वामिनी: इतिहास और कल्पना का योग
ध्रुवस्वामिनी: राष्ट्रीय एवं सांस्कृतिक चेतना
ध्रुवस्वामिनी: रंगमंचीयता
ध्रुवस्वामिनी: पात्र परिकल्पना, गीत योजना, भाषा-शैली
ध्रुवस्वामिनी: ध्रुवस्वामिनी का प्रबंधकीय एवं राजनीतिक कौशल

इकाई – चार

सुरेन्द्र वर्मा : नाट्ययात्रा में 'आठवां सर्ग'
आठवां सर्ग : शीर्षक की सार्थकता एवं प्रासंगिकता आठवां सर्ग : समस्या चित्रण, श्लीलता अश्लीलता का प्रश्न आठवां सर्ग : अभिनेयता आठवां सर्ग : पात्र परिकल्पना आठवां सर्ग : गीत योजना, भाषा शैली

सहायक पुस्तकें :

1. भारतीय रंगमंच का विवेचनात्मक इतिहास, डॉ. अज्ञात, पुस्तक संस्थान, कानपुर ।
2. पारसी हिंदी रंगमंच, लक्ष्मीनारायण लाल, राजपाल एंड संस, दिल्ली ।
3. भारतेंदु हरिश्चन्द्र, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. नाटककार भारतेंदु की रंग कल्पना, सत्येन्द्र तनेजा, भारतीय भाषा प्रकाशन, दिल्ली ।
5. प्रसाद के नाटकों का पुनर्मूल्यांकन, सिद्धनाथ कुमार, ग्रन्थथम्, कानपुर ।
6. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों में परंपरा और आधुनिकता बोध ।
7. सुरेन्द्र वर्मा के नाटकों की विषय वस्तु , केवल कृष्ण घोड़ेला, दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI)(Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्धयन

विकल्प–दो

कोश विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: कोश विज्ञानकी उत्पत्ति ,अर्थ, पर्याय, विलोम आदि जानने का सबसे सरल , उपयोगी एवं अनुकरणीय माध्यम है |

CO-2: इस प्रश्नपत्र में विद्यार्थी कोशकी उपयोगिता, कोश के भेद और कोश और व्याकरण के अंतर्संबंध के बारे में व्यापक जानकारी प्राप्त कर सकता है |

CO-3: कोश के निर्माण की प्रक्रिया,कोश के प्रकार , कोश निर्माण में आने वाली कठिनाइयों के बारे में ज्ञान अर्जित कर सकता है |

CO-4: कोश विज्ञान के साथ ध्वनि,व्याकरण व्युत्पति शास्त्र और अर्थ विज्ञान का गहन अध्ययन – विश्लेषण करने में सक्षम हो सकता है |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प – दो

कोश विज्ञान

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16–16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

कोश, परिभाषा और स्वरूप, कोश की उपयोगिता, कोश और व्याकरण का अंत : सम्बन्ध ।

इकाई – दो

कोश के भेद– समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोश, एककालिक और कालक्रमिक कोश, पारिभाषिक कोश, व्युत्पत्ति कोश, समांतर कोश, अध्येताकोश, विश्वकोश, बोलीकोश।

इकाई – तीन

कोश– निर्माण की प्रक्रिया : सामग्री संकलन, प्रवृष्टिक्रम, व्याकरणिक कोटि, उच्चारण, व्युत्पति, अर्थ, पर्याय, चित्र प्रयोग, उप–प्रवृष्टियां संक्षिप्तियां, सन्दर्भ और प्रतिसंदर्भ ।
रूप अर्थ सम्बन्ध : अनेकार्थकता, समनार्थकता, समनामता, समध्वन्यात्मकता, विलोमता ।

इकाई – चार

–कोश निर्माण की समस्याएं : समभाषी, द्विभाषी और बहुभाषी कोशों के संदर्भ में, अलिखित भाषाओँ का कोश–निर्माण ।
–कोशविज्ञान और विषयों का सम्बन्ध : कोशविज्ञान और स्वनविज्ञान, व्याकरण, व्युत्पत्ति शास्त्र और अर्थविज्ञान का सम्बन्ध ।

सहायक पुस्तकें :

1.डॉ. भोलानाथ तिवारी, कोश और उसके प्रकार, दिल्ली : साहित्य सहकार।
2.डॉ. कामेश्वर शर्मा, हिन्दी की समस्याएं, पटना :नोवेल्टी एंड कम्पनी ।
3.कोश विज्ञान,प्रकाशन केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा ।
4.डॉ. हेमचन्द्र जोशी, हिंदी के कोष और कोशशास्त्र के सिद्धांत-राजर्षि अभिनन्दन ग्रंथ, दिल्ली: प्रथम संस्करण ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प –तीन

पंजाब का मध्यकालीन हिंदी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : विद्यार्थीइस प्रश्नपत्र में पंजाब के हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमिके बारे में जानेंगे |

CO-2: इतिहास के अतिरिक्त विद्यार्थी , गुरु काव्यधारा , राम काव्यधारा , कृष्ण काव्यधारा व सूफी काव्यधारा के अध्ययन के साथ- साथ गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्तिकालीन गद्य साहित्य का ज्ञानार्जन कर सकेगा |

CO-3: गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी काव्य तथा श्री मद भगवद गीता के सन्दर्भ में अनुवाद एवं भाष्य का अध्ययन कर सकेगा |

CO-4 : विद्यार्थीचतुर्थ इकाई में जन्म साखी साहित्य, टीकाएँ, अनुवाद एवं भाष्य के बारे मं जानकारी प्राप्त करेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-I)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-1265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प – तीन

Course Title:पंजाब का मध्यकालीन हिन्दी साहित्य

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP – 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16-16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

पंजाब के हिंदी साहित्य की पृष्ठभूमि, परम्परा, इतिहास और काल विभाजन – नाथ साहित्य, सिद्ध साहित्य तथा लौकिक साहित्य।

इकाई – दो

गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध पंजाब का भक्ति हिंदी साहित्य।
गुरु काव्य-धारा
राम काव्य-धारा
कृष्ण काव्य-धारा
सूफी काव्य-धारा
गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध भक्तिकालीन हिंदी गद्य

इकाई – तीन

गुरुमुखी लिपि में उपलब्ध दरबारी-काव्य
पटियाला दरबार
संगरूर दरबार
कपूरथला दरबार
नाभा दरबार
गुरु गोबिंद सिंह का विद्या दरबार

इकाई – चार

जन्मसाखी साहित्य (पुरातन जन्मसाखी के संदर्भ में)
टीकाएं (आनंदघन के संदर्भ में)
अनुवाद एवं भाष्य (गीता के संदर्भ में)

सहायक पुस्तकें :

1. पंजाब का हिन्दी साहित्य, डॉ.हरमहेन्द्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविन्द्र कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली ।
2. पंजाब प्रान्तीय हिन्दी साहित्य का इतिहास, चन्द्रकान्त बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी काव्य, डॉ. हरिभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली ।
4. गुरुमुखी लिपि में हिन्दी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
5. गुरु गोबिन्द सिंह के दरबारी कवि, डॉ.भारत भूषण चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र ।
6. पंजाब हिन्दी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह, 'अशोक' अशोक पुस्तकालय, पटियाला ।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS

of

Maters of Arts Hindi

(Semester II)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)
SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Masters of Arts in Hindi
(SemesterII)

Master of Arts (Hindi) SemesterII										
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Hrs/ Weeks**	**Credits L.T.P**	**Marks**					**Examination time (in Hours)**
					Total Credits	**Total**	**Ext.**			
							L	**P**	**CA**	
MHIL -2261	आधुनिक हिंदी काव्य: छायावादोत्तर काल	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL -2262	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL -2263	मीडिया लेखन	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL - 2264	राजी सेठ : विशेष अध्ययन	C	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
MHIL- 2265 (Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	नाटककार मोहन राकेश (Opt-i)	O	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
	भारतीय साहित्य (Opt-ii)	O	4	4-0-0	4	100	70	-	20	3
	पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य (Opt-iii)	O	4	4-0-0	4	100	80	-	20	3
Total			**20**	**20**		**500**				

C-Compulsory
O-Optional

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 2261

आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

co-1: 'आधुनिक हिंदी काव्य: छायावादोत्तर काल'में अज्ञेय,धूमिल एवं मुक्तिबोध के काव्य के माध्यम से छायावाद के बाद की हिंदी कविता की व्याख्या और उसमें कथ्य एवं भाषा शैली के स्तर पर आये परिवर्तनों को समझेंगे |

co-2: स्वातन्त्र्योत्तर युग में जैसे-जैसे पूंजीवाद के फलस्वरूप भौतिकवादी रुझानों ने भारतीयों जीवन-शैली,राजनीतिकसामाजिक व्यवस्था,जीवन मूल्यों और समाजिक सम्बन्धों को प्रभावित किया वैसे-वैसे वे अनुभूतियाँ किस प्रकार तीव्र और गहन रूप में काव्य में अभिव्यक्त हुईं हैं इसेअज्ञेय की कविताओं के माध्यम से समझेंगे| कवि का काव्य इसका प्रमाण है |

co-3: विद्यार्थी साहित्य के सामाजिक सरोकारों को समझने के साथ-साथ कविता के नवीन रूपों को पढ़ेंगे और समझेंगे | साठोत्तरी हिंदी कविता में हिंदी कविता के भाव एवं शिल्प के स्तर पर जिन नवीन सम्भावनाओं को अपनी कविता में अभिव्यक्त करने वाले कवि की कविता 'अँधेरे में' केअध्ययन से उपर्युक्त परिवर्तन को समझेंगे |

co-4:हिंदी कविता में जनवादी कवि के रूप में विख्यात कवि धूमिल के काव्य की सम्वेदना और शिल्प से परिचित होंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL - 2261

आधुनिक हिंदी काव्य :छायावादोत्तर काल

Total: 100
CA: 20

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 80

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16-16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई -एक

- उत्तर छायावादी काव्य की विविध प्रवृत्तियाँ - प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नयी कविता, समकालीन कविता ।

इकाई-दो

स.ही.वात्सायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय

- छायावादोत्तरकाव्यान्दोलनऔर अज्ञेय
- अज्ञेयकी जीवन दृष्टि
-प्रयोगवादी कवि अज्ञेय
-अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएं
- अज्ञेयकी कविता का शिल्प-सौन्दर्य
-असाध्यवीणा: प्रतिपाद्य और शिल्प

इकाई-तीन

ग.मा. मुक्तिबोध

- मुक्तिबोध:कवि और उनकी रचनाएं
- प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध फेंटेसी

- फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध

-'अँधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प

- मुक्तिबोधकी कविता का भावजगत की उनका काव्य शिल्प

इकाई –चार

धूमिल

-जनवादी चेतना के कवि धूमिल

-साठोत्तरी हिंदी कविता और धूमिल

-धूमिलकी कविता में मानव-मूल्य

-धूमिलकीकविता:आज के व्यक्ति का बिम्ब

-धूमिल कि कविता:भाषा-शिल्प

सहायक पुस्तकें

धूमिल और उसका काव्य संघर्ष,डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
धूमिल: काव्य-यात्रा,मंजू अग्रवाल,ग्रंथम,कानपुर|
समकालीन कविता और धूमिल,डॉ. मंजुल उपाध्याय,अनामिका प्रकाशन,इलाहाबाद|
नयी कविता का प्रमुख हस्ताक्षर,डॉ. संतोष कुमार तिवारी,जवाहर पुस्तकालय,मथुरा |
अज्ञेय और आधुनिकरचनाकी समस्या,रामस्वरूप चतुर्वेदी,भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली|
अज्ञेय कवि,ओम प्रकाश अवस्थी,ग्रंथम,कानपुर|
अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
अज्ञेयकी कविता-एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादीवडेकर,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा|
मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता,लल्लन राय,मंथन पब्लिकेशन,रोहतक|
मुक्तिबोध:प्रतिबद्ध कला के प्रतीक,चंचल चौहान,पांडुलिपि प्रकाशन,दिल्ली|
गजानन माधव मुक्तिबोध:जीवन और काव्य,महेश भटनागर,राजेश प्रकाश,दिल्ली |
मुक्तिबोध:विचारक कवि और कथाकार,सुरेन्द्र प्रताप,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
मुक्तिबोध की काव्य चेतना,हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन,दिल्ली|
मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना:नंदकिशोर नवल,राजकिशोर प्रकाशन,नई दिल्ली|
अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंदकिशोर आचार्यवाग्यदेवी प्रकाशन,बीकानेर|
वाक्-संदर्श,हरमोहन लाल सूद,पीयूष प्रकाशन,दिल्ली|
धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष, ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती,इलाहाबाद|

Masters of Arts (HINDI)(Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-2262

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : भारतीयकाव्यशास्त्रके परिचय के उपरान्त इस पाठ्यक्रम के द्वारा विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के क्रमिक विकास के अंतर्गत प्लेटो,अरस्तूजैसेआधुनिक आलोचकों की साहित्य एवं साहित्य की समीक्षा से सम्बन्धित विभिन्न धारणाओं से अवगत होंगे|

CO-2 : काव्य के उदात्त क्या हैं तथा कविता की आलोचना के मानदंड क्या हैं,को लोजाइंनस और मैथ्यू ओर्नल्ड के अनुसार उनकी विस्तृत जानकारी प्राप्त कर पायेंगे |

CO-3: कविता महज़ एक लेखन प्रक्रिया नहीं है वरन्उसकी सक्षमता तभी सिद्ध होती है जब वह पाठक या श्रोताके आंतरिक मनोवेगों को संतुलित कर पाती है तथा परम्पराओं को निभाते हुए वर्तमान को विश्लेषित करती है | इस सब के लिए काव्य की भाषा सरल लेकिन सार्थक होनी आवश्यक है और इस सबका ज्ञान विद्यार्थी आई. ए. रिचर्ड्स और टी.एस.इलियट के मतानुसार प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4 : आधुनिक युग में स्वछंदतावाद , अस्तित्ववाद, उत्तर आधुनिकतावाद इत्यादि दार्शनिक विचारधाराओं के स्वरूप और विशेषताओं को जानेगें |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL- 2262

Course Title: पाश्चात्य –काव्यशास्त्र

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP- 4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 14–14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र :
पाश्चात्य आलोचना का इतिहास : संक्षिप्त परिचयात्मक इतिहास
प्लेटो : काव्य सिद्धान्त, प्रत्ययवाद ।
अरस्तू : अनुकरण–सिद्धान्त, त्रासदी–विवेचन, विरेचन सिद्धान्त ।

इकाई – दो

लौंजाइनस:उदात्त की अवधारणा और स्वरूप ।
मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूपगत प्रकार्य ।

इकाई – तीन

आई . ए . रिचर्ड्स : संवेगो का सन्तुलन, व्यावहारिक आलोचना, काव्यभाषा ।
टी.एस.इलियट : निर्वैयक्तिकता का सिद्धान्त, परम्परा की अवधारणा ।

इकाई – चार

सिद्धांत और वाद: स्वछंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद,अस्तित्ववाद, संरचनावाद, आधुनिकतावाद

व्यावहारिक समीक्षा: परीक्षक द्वारा प्रश्नपत्र में पूछे गए किसी काव्यांश की स्वविवेक के अनुसार समीक्षा

सहायक पुस्तकें:

1. पाश्चात्य समीक्षा के सिद्धांत: मैथिली प्रसाद भारद्वाज, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़ ।
2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: देवेन्द्र नाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
3. आलोचक और आलोचना: बच्चन सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी ।
4. नई समीक्षा के प्रतिमान, सं.निर्मला जैन, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्रकी परम्परा, संपा.नगेन्द्र, दिल्ली विश्वविद्यालय, दिल्ली ।
6. पाश्चात्य और पौरस्त तुलनात्मक काव्यशास्त्र, राममूर्ति त्रिपाठी, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर ।
7. पाश्चात्य समीक्षा: सिद्धांत और वाद, डॉ. सत्यदेव मिश्र ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-2263

मीडिया लेखन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : प्रथम इकाई के अध्ययन से विद्यार्थियों को जनसंचार,दूरसंचार एवं जनसंचार के माध्यमों की विस्तृत जानकारी प्राप्त होगी |

CO-2 : द्वितीय इकाई का अध्ययन करने से विद्यार्थी रेडियो के विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे और रेडियो नाटक,उद्घोषणा,विज्ञापन लेखन के कार्य करने के योग्य बनेंगे |

CO-3 : इकाईतीन के अंतर्गत विद्यार्थी दृश्य-श्रव्य माध्यमों की कार्य प्रणाली से परिचित होंगे व इस माध्यम से प्रसारित किए जाने वाले कार्यक्रमों को लिखनेमें प्रवृत हो अपनी सर्जनात्मक प्रतिभा का परिचय देंगे |

CO-4 : इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थी अनेक क्षेत्रों से सम्बन्धित पारिभाषिक शब्दावली से परिचित होंगे और साहित्य की विधाओं का दृश्य-श्रव्य माध्यमों में कैसे रूपान्तरण होता है,यह भी जानने में सफ़ल होंगे |

Masters of Arts (HINDI)(Semester-II)
Session 2023-24

Course Code: MHIL- 2263

Course Title: मीडिया –लेखन

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो, तीन, चार में से 14–14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

- जनसंचार माध्यम: परिभाषा, स्वरूप एवं प्रकार
- दूर संचार: प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियां
- विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप: मुद्रण, श्रव्य, दृश्य–श्रव्य, इन्टरनेट ।

इकाई – दो

- श्रव्य माध्यम (रेडियो) मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार वाचन एवं लेखन ।
- रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, विज्ञापन लेखन, फीचर तथा रिपोतार्ज ।

इकाई – तीन

– दृश्य– श्रव्य माध्यम (फिल्म, टेलीविज़न एवं वीडियो)
दृश्य एवं श्रव्य सामग्री का सामंजस्य: पार्श्व वाचन (Voice over), पटकथा लेखन(Script Writing), टेली ड्रामा(Tele Drama), डाक्यू ड्रामा (Documentry), संवाद– लेखन(Dialouge Writing) ।

इकाई – चार

साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण, विज्ञापन की भाषा ।
पारिभाषिक शब्दावली हेतु अनुशंसित पुस्तक-हिंदी भाषा प्रयोजनमूलकता एवं आयाम, वागीश प्रकाशन, जालंधर, संस्करण2005।
विभिन्न क्षेत्रों की पारिभाषिक शब्दावली पृ. 222 से 226

सहायक पुस्तकें:

1. जनसंचार माध्यमों में हिंदी, क्लासिकल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली ।
2. भारतीय प्रसारण माध्यम, डॉ. कृष्ण कुमार रत्तु, मंगदीप प्रकाशन, जयपुर ।
3. उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक, हर्षदेव, वाणी प्रकाशन, दिल्ली ।
4. भाषा और प्रोद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-2264

राजी सेठ – विशेष अध्ययन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO 1 -राजी सेठ के व्यक्तित्व और कृतित्व और हिंदी महिला कथा लेखन से परिचय के साथ राजी सेठ के कथा साहित्य में नारी चेतना और उनकी भाषा शैली का ज्ञान।

CO 2. - तत्सम उपन्यास के कथ्य एवं वस्तुविन्यास , उसमें चित्रित पात्रों की विशेषताओं और उनके मानसिक अंतर्द्वंद्व से अवगत होंगे।

Co.3: विद्यार्थी'अनावृत कौन'कहानी के माध्यम से अस्तित्वादी चेतना और पुरुष मनोविज्ञान के विषय में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे|

Co.4: 'अंधे मोड़ से आगे' कहानी के माध्यम से नारी मनोविज्ञान तथा बदलते वैवाहिक संबंधों का ज्ञान प्राप्त करेंगे|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-2264

राजी सेठ – विशेष अध्ययन

Total: 100
CA: 20

समय: तीन घंटे
LTP-4-0-0 TH : 80

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश:-

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो, तीन, चार में से 14–14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

निर्धारित उपन्यास- तत्सम-राजी सेठ

निर्धारित कहानियां - अनावृत कौन – राजी सेठ

अंधे मोड़ से आगे-राजी सेठ

इकाई –एक

राजी सेठ का व्यक्तित्व एवं कृतित्व: संक्षिप्त परिचय

हिंदी महिला कथा लेखन : संक्षिप्त परिचय

राजी सेठ के कथा साहित्य में नारी चेतना

राजी सेठ की भाषा शैली

इकाई –दो

तत्सम की कथावस्तु

वसुधा, विवेक और आनंद की चारित्रिक विशेषताएं

तत्सम में अंतर्द्वंद्व

तत्सम नारी समस्याएं

इकाई – तीन

अनावृत कौन – अस्तित्ववादी चेतना

अनावृत कौन - दाम्पत्य सम्बन्ध

अनावृत कौन - भारतीय और विदेशी परिवेश का अंकन

अनावृत कौन - स्त्री- विमर्श

इकाई – चार

अंधे मोड़ से आगे : बदलते सम्बन्धों का दस्तावेज़

अंधे मोड़ से आगे में सामाजिक स्तरीकरण

अंधे मोड़ से आगे नारी मनोविज्ञान

अंधे मोड़ से आगे की कथा-भाषा

सहायक पुस्तकें :

राजी सेठ – सृष्टि एवं दृष्टि : डॉ. कश्मीरी लाल , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली
राजी सेठ – संवेदन का कथा दर्शन : डॉ. रमेश दवे , नेशनल पब्लिशिंग हाउस , नई दिल्ली
कथाकारराजी सेठ : डॉ. मिरगने अनुराधाजनार्दन , अमन प्रकाशन , नागपुर
राजी सेठ का रचना संसार : डॉ. स्नेह्जा सोनाले , विद्या प्रकाशन , कानपुर
राजी सेठ का कथा साहित्य : डॉ. सरोज शुक्ला , चिंतन और शिल्प
उपन्यासकार राजी सेठ : प्रो. प्रमोद चौधरी

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प–एक

नाटककार मोहन राकेश

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : मोहन राकेश हिंदी जगत में कभी न भूला जाने वाला नाम है| इस प्रश्न पत्र के माध्यम से विद्यार्थी नाटककार मोहन राकेश के तीनों नाटकों का गहन अध्ययन करेंगें | मोहन राकेश को उनके नाटकों के माध्यम से जानेंगे।

CO-2 : संगीत नाटक आकादमी द्वारा मोहन राकेश के 'आषाढ़ का एक दिन ' नाटक का सर्वश्रेष्ठ प्रस्तुतिकरण के लिए पुरस्कृत किया गया | द्वितीय इकाई में विद्यार्थी इसी नाटक का गहन अध्ययन करेंगे |

CO-3 : तृतीय इकाई में विद्यार्थी नाटक 'लहरों के राजहंस'का अध्ययन करेंगे तथा नाटककार के नाट्य प्रयोगों तथा उनकी नाटयभाषा को जानने,समझने में सक्षम हो पायेंगे |

CO-4 : चतुर्थ इकाई के माध्यम से मध्यवर्गीय परिवारों की समस्याओं को समझने हेतु नाटक'आधे-अधूरे' का पठन-पाठन करेंगे|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL- 2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प – एक

Course Title: नाटककार मोहन राकेश

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश: इकाई एक,दो, तीन, चार में से 14–14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

निर्धारित नाटक:

-आषाढ़ का एक दिन: राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
-लहरों के राजहंस: राजपाल प्रकाशन, दिल्ली
-आधे अधूरे: राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली

इकाई – एक

पंजाब का हिंदी नाटक और मोहन राकेश
मोहन राकेश: व्यक्ति और नाटककार
मोहन राकेश के नाटकों की मूल्य-चेतना
मोहन राकेश की नाट्यभाषा को योगदान
मोहन राकेश की नाट्य – सृष्टि एवं नाट्य प्रयोग
मोहन राकेश रंगमंच के प्रबल समर्थ नाटककार

इकाई – दो

आषाढ़ का एक दिन का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य

आषाढ़ का एक दिन का प्रतिपाद्य और मुख्य समस्याएं

कालिदास का अन्तर्द्वन्द्व, पात्र-परियोजना, भाषा-शैली
आषाढ़ का एक दिन: नाम की सार्थकता
आषाढ़ का एक दिन: रंगमंचीयता सार्थकता

इकाई – तीन

लहरों के राजहंस का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
लहरों के राजहंस: प्रतिपाद्य एवं मुख्य समस्याएँ
लहरों के राजहंस: विचारधारा और कथ्य – चेतना
लहरों के राजहंस: नाम की सार्थकता
लहरों के राजहंस: रंगमंचीयता ।

इकाई – चार

आधे अधूरे का नाट्यात्मक वैशिष्ट्य
आधे अधूरे: समकालीन मध्यवर्गीय जीवन का दस्तावेज़
आधे अधूरे: विचारधारा, भाषा तथा कथ्य चेतना
आधे अधूरे: नाम की सार्थकता
आधे अधूरे: रंगमंचीयता एक नवीन नाट्य-प्रयोग

सहायक पुस्तकें:

1. मोहन राकेश और उनके नाटक, डॉ. गिरीश रस्तोगी, लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
2. मोहन राकेश की रंग-सृष्टि, डॉ.जगदीश शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, वाराणसी ।
3. नाटककार मोहन राकेश, डॉ. तिलकराज शर्मा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली ।
4. आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, डॉ. गोविन्द चातक, इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली ।
5. आधे – अधूरे: समीक्षा, डॉ. राजेश शर्मा, अशोक प्रकाशन, नई दिल्ली ।
6. हिन्दी साहित्य में प्रतीक नाटक, डॉ. रामनारायण लाल, आशा प्रकाशन, कानपुर ।
7. मोहन राकेश, व्यक्तित्व तथा कृतित्व, डॉ. सुषमा अग्रवाल, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।
8. हिन्दी रंगमंच वार्षिकी, डॉ. शरद नागर, रंगभारती प्रकाशन, दिल्ली ।
9. मोहन राकेश के नाटकों में मिथक और यथार्थ, डॉ. अनुपमा शर्मा, नचिकेता प्रकाशन, दिल्ली ।
10. हिंदी नाटक का उद्भव और विकास, दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली ।
11. मोहन राकेश के नाटक, द्विजराय यादव, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
12. लहरों के राजहंस: विविध आयाम, जयदेव तनेजा, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली ।
13. आषाढ़ का एक दिन: वस्तु और शिल्प, विश्व प्रकाश बटुक दीक्षित, राजपाल पब्लिशर्ज़, दिल्ली ।
14. रंग शिल्पी : मोहन राकेश, नरनारायण राय, कादम्बरी, दिल्ली ।
15. रंगमंच की भूमिका और हिन्दी नाटककार, रघुवरदयाल वार्ष्णेय, साहित्यलोक, कानपुर ।
16. नाटककार मोहन राकेश: संवाद शिल्प, मदन लाल, दिनमान प्रकाशन, दिल्ली ।
17. मोहन राकेश की कृतियों में स्त्री-पुरुष सम्बन्ध, मिथिलेश गुप्ता, कृष्णा ब्रदर्स, दिल्ली ।
18. साठोत्तरी हिन्दी नाटकों का रंगमंचीय अध्ययन, राकेश वत्स, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प-दो

भारतीय साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: सम्पूर्ण भारतीय साहित्य के बारे में जानने के लिए यह प्रश्नपत्र सम्पूर्ण भारत को जोड़ने का काम करता है |भारतीय साहित्य के इतिहास के बारे में विद्यार्थी ज्ञान प्राप्त करेंगे।

CO-2 : इसमें सीताकांत महापात्र की कविताओं के द्वारा अनुवाद माध्यम से विद्यार्थी भारतीय साहित्य की समृद्ध परम्परा से परिचित होता है |

CO-3 : इसमें महाश्वेता देवी के उपन्यास अग्निगर्भ के माध्यम से विद्यार्थी इसका मूल कथ्य जान सकेगा और हिंदी एवं बंगला उपन्यासों के तुलनात्मक अध्ययन का सामान्य ज्ञान प्राप्त कर सकेगा |

Co-4 : विजय तेंदुलकर के नाटक'घासीराम कोतवाल' के अध्ययन से विद्यार्थी के मन में मराठी के समसामयिक जीवन और मराठी संस्कृति के प्रति जानने की उत्सुकता पैदा होगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL- 2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प – दो

Course Title: भारतीय साहित्य

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 14–14अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक– एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

निर्धारित कृतियां :

–वर्षा की सुबह (उड़िया–काव्य–संग्रह) सीताकांत महापात्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली ।
पाठ्यक्रम में निर्धारित कविताएँ :
आकाश, वर्षा की सुबह नारी वस्त्र–हरण, आधी रात, शब्द से दो बातें, समुद्र की भूल, अकेले–अकेले, जाड़े की साँझ, समुद्र तट, लट्टू डरता है मौत से वह आदमी, चूल्हे की आग ।
अग्निगर्भ (बंगला उपन्यास) महाश्वेता देवी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली, 1979
घासी राम कोतवाल (मराठी नाटक) विजय तेंदुलकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली 1974

इकाई – एक

भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीय साहित्य का संक्षिप्त इतिहास

इकाई – दो

कवि सीताकांत महापात्र का सामान्य परिचय एवं जीवन दर्शन, वर्षा की सुबह : काव्य सौन्दर्य (साहित्यिक)
वर्षा की सुबह : प्रकृति चित्रण, वर्षा की सुबह : मानवीय सम्बन्ध और मूल्य चेतना ।
हिन्दी और उड़िया कविता का तुलनात्मक अध्ययन ।

इकाई – तीन

महाश्वेता देवी का सामान्य परिचय: औपन्यासिक यात्रा के सन्दर्भ में, महाश्वेता देवी का वैचारिक दृष्टिकोण, अग्निगर्भ उपन्यास का वैशिष्ट्य, मूल प्रतिपाद्य, पात्र तथा चरित्र-चित्रण, अग्निगर्भ उपन्यास में बंगाल का आदिवासी जीवन एवं बंगाली संस्कृति ।
हिन्दी और बंगला उपन्यासों का तुलनात्मक अध्ययन ।

इकाई – चार

विजय तेंदुलकर की नाट्य यात्रा एवं घासीराम कोतवाल का वैशिष्ट्य, घासीराम कोतवाल नाटक की समीक्षा, प्रतिपाद्य एवं प्रमुख समस्याएँ, घासीराम कोतवाल नाटक में लोक परम्परा का प्रवाह, घासीराम कोतवाल नाटकमें रंगमंचीयता, घासीराम कोतवाल नाटक में मराठी का समसामयिक जीवन एवं मराठी संस्कृति, भारतीय नाटक के सन्दर्भ में घासीराम कोतवाल ।
हिन्दी और मराठी नाटक का तुलनात्मक अध्ययन ।

सहायक पुस्तकें:

1. बंगला साहित्य का इतिहास, प्रकाशक: भारतीय साहित्य अकादमी, नई दिल्ली।
2.भारतीय साहित्य का संकेतिक इतिहास, डॉ. नगेन्द्र कार्यन्वयन समिति, दिल्ली विश्वविद्याल, दिल्ली|
3. भारतीय साहित्य के इतिहास की समस्याए, राम विलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली |
4. भारतीय साहित्य, डॉ. नगेन्द्र, प्रभात प्रकाशन, दिल्ली |
5. हिंदी साहित्येतिहास- दर्शन की भूमिका, डॉ. हरमहेंद्र सिंह बेदी, निर्मल प्रकाशन, दिल्ली |
6. भारतीय साहित्येतिहासलेखन की समस्याएं, रामविलास शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-2265

वैकल्पिक अध्धयन

विकल्प–तीन

पंजाब का आधुनिक हिंदी साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1 : इस प्रश्नपत्र में पंजाब के आधुनिक हिंदी साहित्य कि पृष्ठभूमि के हस्ताक्षरों का अध्ययन भी विद्यार्थी कर सकेगा |

CO–2 : पंजाब के साहित्यकारों ने कहानी, उपन्यास, नाटक क्षेत्र में सराहनीय योगदान दिया है | यहाँ विद्यार्थी इन क्षेत्रों में पंजाब के योगदान का ज्ञान प्राप्त करेगा |

CO–3 : पंजाब के साहित्यकारों ने कविता, निबंध, आलोचना के क्षेत्र में भीविशेष योगदान दिया है | यहाँ विद्यार्थी इन क्षेत्रों में पंजाब के साहित्यकारों के योगदान का ज्ञान प्राप्त करेगा |

Co–4 : इसमें विद्यार्थियों को पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य की जानकारी प्राप्त होगी और साथ ही पत्रकारिता में उनके अवदान को भी वह समझ सकेगा |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-II)

Session 2023-24

Course Code: MHIL- 2265

वैकल्पिक अध्ययन

विकल्प – तीन

Course Title: पंजाब का आधुनिक हिन्दी साहित्य

Total: 100
CA: 20
TH : 80

समय : तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र चार भागों में विभाजित है। भाग एक, दो, तीन, चार में समानुपात से क्रमश : इकाई एक,दो, तीन, चार में से 16-16अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |पांचवां प्रश्न विद्यार्थी किसी भी भाग में से कर सकता है। प्रत्येक उत्तर 1000शब्दोंमें देना होगा |

इकाई – एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र

पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य की पृष्ठभूमि
पंजाब के आधुनिक हिन्दी साहित्य के मुख्य हस्ताक्षर :
- पं. श्रद्धाराम फिल्लौरी
- सुदर्शन
- उपेन्द्रनाथ अश्क
- भीष्म साहनी
- कुमार विकल

इकाई – दो

पंजाब का उपन्यास साहित्य में योगदान
पंजाब का कहानी साहित्य में योगदान
पंजाब का नाटक साहित्य में योगदान

इकाई – तीन

पंजाब का कविता में योगदान
पंजाब का निबंध साहित्य में योगदान
पंजाब का आलोचना में योगदान

इकाई – चार

पंजाब का पत्रकारिता में योगदान
पंजाब के स्वातंत्र्योतर हिन्दी साहित्य का योगदान
पंजाब प्रांतीय हिन्दी साहित्य: उपलब्धि और सीमा

सहायक पुस्तकें:

1. पंजाब का हिंदी साहित्य, डॉ. हरमहेंद्र सिंह बेदी, डॉ. कुलविंदर कौर, मनप्रीत प्रकाशन, दिल्ली।
2. पंजाब प्रांतीय हिंदी साहित्य का इतिहास, चंद्रकांत बाली, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली।
3. गुरुमुखी लिप्पी में हिंदी काव्य, डॉ. हरभजन सिंह, भारतीय साहित्य मंदिर, दिल्ली।
4. गुरुमुखी लिप्पी में हिंदी गद्य, डॉ. गोविन्द नाथ राजगुरु, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
5. गुरु गोबिंद सिंह के दरबारी कवि, डॉ. भारत भूषन चौधरी, स्वास्तिक साहित्य सदन, कुरुक्षेत्र।
6. पंजाब हिंदी साहित्य दर्पण, शमशेर सिंह 'अशोक', अशोक पुस्तकालय, पटियाला ।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Master of Arts HINDI (Semester:III)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)

SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Masters of Arts in Hindi
(SemesterIII)

Master ofArts (Hindi) SemesterIII										
Course Code	Course Name	Course Type	Hrs/ Weeks	Credits L.T.P	Marks					Examination time (in Hours)
					Total Credits	Total	Ext.			
							L	P	CA	
MHIL -3261	आधुनिक हिंदी काव्य:द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -3262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -3263	भाषा विज्ञान	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL - 3264	पत्रकारिता प्रशिक्षण	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL- 3265	चित्रा मुद्गल:विशेष अध्ययन	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL- 3266 (Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	गुरु नानक देव जी (Opt-i)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	सूरदास (Opt-ii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	हिंदी कहानी (Opt-iii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3

(*विद्यार्थी अग्रलिखित अन्तर्ज्ञानानुशास्त्रात्मक(interdisciplinary) विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	**IDE**	**4**	**-**	4	100	80	-	20	3
Total		**24**	**24**		**480**				
IDEC-3101 IDEM-3362 IDEH-3313 IDEI-3124 IDEW-3275	Effective Communication Skills Basics of Music(Vocal) Human Rights And Constitutional Rights Basics of Computer Applications Indian Heritage : Contribution to the world **(Credits/Grades/Points of these courses will not be added to SGPA)**								

C-Compulsory
O-Optional
IDE-Inter Disciplinary Optional Course
IDC- Inter Disciplinary compulsory Course

Masters of Arts (HINDI)(Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 3261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Course Outcomes:

CO-1: इस पाठ्यक्रम के माध्यम से कवि आधुनिक हिंदी काव्य में भाव,भाषा और शिल्प के स्तर पर नवीन,सार्थक एवं सशक्त इन कवियों के काव्य का रसास्वादकरते हुए हिंदी कविता के विकास को सहज रूप में जानेंगें |

CO-2: इस पाठ्यक्रम से विद्यार्थी आधुनिक हिंदी कविता के प्रस्थान बिंदु द्विवेदीयुगीन काव्य की प्रवृतियों से परिचित होंगें और खड़ी बोली हिंदी कविता के विकास क्रम में इस युग में रचित कविता की विशिष्टता को समझेंगे |

CO-3: आधुनिक युग में खड़ी बोली हिंदी के पहले महाकाव्य कामायनी के माध्यम से तत्कालीन परिस्थितियों के समानांतर भारतीय जनमानस के अन्त: संघर्ष को समझने के साथ-साथ विद्यार्थी आधुनिक साहित्य के सामाजिक,दार्शनिक,मनोवैज्ञानिक परिप्रेक्ष्य और आशय को समझने में सक्षम होंगें|

Co-4: इससे विद्यार्थी एक समय की सामाजिक परिस्थितियों की सापेक्षता में बदल रहे जीवन मूल्यों के साथ मानव चेतना के संघर्ष को सहज ही समझ सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL- 3261

आधुनिक हिंदी काव्य : द्विवेदीयुगीन एवं छायावाद

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्नपत्र पांच भागों में विभाजित है | प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है | इसमें चार-चार अंकों के छ: पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से चार की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा | भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपातसे क्रमशः इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई –एक

व्याख्याभाग:
निर्धारित कवि निर्धारित पाठ्य पुस्तकें :
मैथिलीशरण गुप्त: साकेत(नवमसर्ग), साहित्य सदन, झाँसी
जयशंकर प्रसाद : कामायनी, भारती भंडार, इलाहाबाद, 1971 (श्रद्धा,लज्जा ओर आनंद सर्ग)
सूर्यकांत त्रिपाठी निराला: राग विराग, सम्पादक रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद,1974 (रामकी शक्तिपूजा,सरोज स्मृति, जागो फिर एक बार 1-2, जूहीकी कली, बांधो न नाव इस ठांव बंधु, कुकुरमुत्ता)

इकाई –दो

मैथिलीशरण गुप्त:

-नवजागरण ओर द्विवेदीयुग के प्रतिनिधि कवि गुप्त
-साकेत का महाकाव्यत्व
-नवम सर्ग का काव्य-वैभव
- राष्ट्रीय चेतना के कविमैथिलीशरणगुप्त
-मैथिलीशरणगुप्त का जीवन-दर्शन
-साकेत: सांस्कृतिक आधार औरयुगीन दर्शन

-उर्मिला का चरित्र चित्रण

इकाई –तीन

जयशंकर प्रसाद :
-छायावादी काव्यान्दोलन और जयशंकर प्रसाद
-कामायनीकी अंतर्वस्तु
-कामायनी:महाकाव्यत्व
-कामायनी: दार्शनिक पक्ष
-कामायनी: इतिहास और कल्पना
-कामायनीकी रूपक योजना
-कामायनीकी भाषा-शैली

इकाई –चार

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला:

-निरालाकी काव्य विकास यात्रा के विभिन्न चरण
-निराला का जीवन दर्शन
-छायावादी कवि निराला
-प्रगतिवादी कवि निराला
-प्रयोगधर्मी कवि निराला
-निराला का काव्य-सौन्दर्य
-रामकी शक्ति पूजा:कथ्यऔर शिल्प
-सरोज-स्मृति: कथ्य और शिल्प

सहायक पुस्तकें :

हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि, डॉ. श्रीनिवास शर्मा, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली |
हिंदी के आधुनिक प्रतिनिधि कवि,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना, विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा|
साकेत एक अध्ययन,नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: एक मूल्यांकन, राजीव सक्सेना, हिंदी बुक सेन्टर,नईदिल्ली|
मैथिलीशरण गुप्त: कवि और भारतीय संकृति के आख्याता, उमाकांत, नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली|
साकेत सुधा,रामस्वरूप दुबे,नारायण बुक डिपो,कानपुर|
प्रिय प्रवास औरसाकेत की आदर्शगत तुलना,श्री वल्लभ शर्मा,मंगल प्रकाशन, जयपुर|
कामायनी में काव्य,संस्कृति और दर्शन,डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना,विनोद पुस्तक मन्दिर,आगरा|
मिथक ओर स्वरूप :कामायनी कि मनस्सौन्दर्या सामाजिक भूमिका, रमेश कुंतल मेघ,ग्रंथम कानपुर|
कामायनी:मूल्यांकन ओर मूल्यांकन,इन्द्रनाथ मदान,नीलाभ प्रकाशन,इलाहाबाद|
कामायनी:एक पुनर्विचार,गजानन माधव मुक्तिबोध,राजकमल प्रकाशन,नईदिल्ली|
कामायनी के अध्ययन की समस्याएं,डॉ. नगेन्द्र,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,नई दिल्ली |
निरालाकी साहित्य साधना,रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन,नईदिल्ली|
क्रांतिकारी कवि निराला,बच्चन सिंह,हिंदी प्रचारक,वाराणसी
काव्य-पुरुष निराला,जयनाथ नलिन,आलोक प्रकाशन,कुरुक्षेत्र|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2023 -24

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: आधुनिकहिंदीसाहित्यकाउच्चकोटिकाउपन्यास 'गोदान' प्रेमचंदकीऐसीकृतिहैजिसकेमाध्यमसेविद्यार्थीतत्कालीनसमाजकीविसंगतियों, समस्याओंसेजूझतेपात्रोंकीअलक्षितसामर्थ्यएवंशक्तिसेपरिचितहोंगे| इसप्रश्नपत्रकेमाध्यमसेविद्यार्थियोंकेलिएशोधकेनवीनद्वारखुलतेहैं|

CO-2: राजेन्द्रयादवद्वारासम्पादितकहानीसंग्रह'एकदुनियासमानांतर'मेंसंकलितकहानियोंकेअध्ययनसेविद्यार्थीआधुनिक हिंदीकेउच्चकोटिकेकथाकारोंकेसाहित्यिकअवदानएवंकहानियोंमेंवर्णितसमस्याओंसेपरिचितहोंगे|

CO-3: आधुनिकगद्यसाहित्यहिन्दीकेश्रेष्ठसाहित्यकापरिचायकप्रश्नपत्रहैजिसमेंमहादेवीवर्माकृत 'अतीतकेचलचित्र' संस्मरणसाहित्यकेमाध्यमसेविद्यार्थीतत्कालीनस्त्रीकीस्थितिकामूल्यांकनकरनेमेंसमर्थहोंगेऔरसंस्मरणसाहित्यविधा कोजाननेमेंसक्षमहोंगे

CO-4: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी अतीत के चलचित्र के माध्यम से महादेवी वर्मा के गद्यकाररूप का परिचय प्राप्त करेंगे। एक दुनिया समानांतर के माध्यम से विभिन्न कहानीकारों की साहित्यिक दृष्टि पहचानेंगे और गोदान के माध्यम से प्रेमचंद कालीन समाज से रूबरू होंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-3262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है |जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है |इसमें चार-चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या के छ: गद्यांशपूछे जायेंगे जिनमें चार सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य होगा |प्रत्येक सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में देनीहोगी |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800शब्दों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या:
व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ -
1.गोदान –प्रेमचंद ,हंस प्रकाशन ,इलाहबाद ।
व्याख्या के लिए निर्धारित पृष्ठ – पृ. 1 से 150 तक
2. एक दुनिया समानांतर – राजेन्द्र यादव ,अक्षर प्रकाशन ,दिल्ली ।
निर्धारित कहानियां – बादलों के घेरे ,खोई हुई दिशाएं ,चीफ की दावत ,यही सच है ,एक और जिंदगी, टूटना, नन्हों ,भोलाराम का जीव |

3. अतीत के चलचित्र ,महादेवी वर्मा ,राधाकृष्ण प्रकाशन ,केवल पहले आठ संस्मरण (रामा ,भाभी ,बिन्दा सबिया ,बिट्टो ,बालिका मां ,घीसा ,अभागी स्त्री)

इकाई –दो

गोदान:
विधागत वैशिष्ट्य ,विकास यात्रा ,हिंदी उपन्यास और प्रेमचंद ,गोदान :कृषक जीवन की त्रासदी ,आदर्श – यथार्थ ,जीवन दर्शन, महाकाव्यात्मक उपन्यास, कथा शिल्प, पात्र, भाषा एवं समस्याएं।

इकाई –तीन

एक दुनियासमानांतर :
हिंदी कहानी : उद्भव और विकास ,कहानी के प्रमुख आन्दोलन ,समकालीन कहानी की विशेषताएं ,किसी निर्धारित कहानी के कथ्य सम्बन्धी प्रश्न , किसी निर्धारित कहानी के शिल्प सम्बन्धी प्रश्न ,संग्रह में निर्धारित कहानियों की सामान्य विशेषताएं ।

इकाई –चार

अतीतकेचलचित्र :

रेखाचित्र :स्वरूप ,तत्त्वएवंप्रकार ,अतीतकेचलचित्रकेआधारपरमहादेवीकेगद्यकाररूपकाविवेचन ,किसीएकरेखाचित्रकेकथ्यपरकेन्द्रितप्रश्न , किसीएकरेखाचित्रकेशिल्पपरकेन्द्रितप्रश्न ,रेखाचित्रकेतत्वोंकेआधारपर'अतीतकेचलचित्र'कासमग्रमूल्यांकन।

सहायक पुस्तकें

1. डॉ.लाल चंद गुप्त 'मंगल', अस्तित्वादऔर नयी कहानी, शोध प्रबंध, दिल्ली।
2. डॉ. देवी शंकर अवस्थी, नई कहानी: संदर्भ और प्रकृति, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली।
3. डॉ. मधु संधु, कहानीकार निर्मल वर्मा, दिनमान, दिल्ली।
4. हिंदी लेखक कोश, डॉ. सुधा जितेन्द्र एवं अन्य, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
5. प्रेमचंद: कलम का सिपाही, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. प्रेमचंद: हमारे समकालीन, सं.रमेशकुन्तल मेघ और ओम अवस्थी, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर।
7. महादेवी का गद्य, सूर्यप्रसाद दीक्षित, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. महादेवी और उनकी गद्य रचनाएं, माधवी राजगोपाल, रंजन प्रकाशन, आगरा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023 -24

Course Code: MHIL-3263

भाषा विज्ञान

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 :इकाई एक में विद्यार्थी भाषा की परिभाषा,विविध रूप एवं वर्गीकरण की जानकारी प्राप्त करेंगे।

CO-2 :इकाईदो में विद्यार्थी भाषाविज्ञानं के स्वरुप उसके प्रकार और ध्वनि विज्ञानं की जानकारी प्राप्त करेंगे।

Co-3 : समयकेबदलतेपरिवेशकेअनुसारभाषाकेरूपऔरवाक्यपरिवर्तनकीजानकारीहासिलकरसकतेहैं|

CO-4 : अर्थविज्ञान की सम्यक जानकारी प्राप्त कर सकते हैं
|आधुनिकभाषाविज्ञानकेविभिन्नव्याकरणोंएवंविज्ञानोंकासम्यक्अध्ययनकरनेमेंसक्षम हो सकते हैं |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24
Course Code: MHIL - 3263

भाषा विज्ञान

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा।

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

भाषा : परिभाषा और स्वरूपगत विशेषताएं, भाषा के विभिन्न रूप : विभाषा, मातृभाषा, साहित्यिक/सर्जनात्मक भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, सम्पर्क भाषा, मानक भाषा। भाषा का आवृत्तिमूलक एवं पारिवारिक वर्गीकरण

इकाई –दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

भाषा विज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप, भाषा विज्ञान के अंग, भाषाविज्ञान का विभिन्न पद्धतियों/शास्त्रों के साथ सम्बन्ध: वर्णनात्मक, ऐतिहासिक, तुलनात्मक

ध्वनि विज्ञान : ध्वनि नियम (ग्रिम निरूपित), ध्वनि परिवर्तन के कारण और दिशाएं।

इकाई-तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -

रूपविज्ञान : रूप और संरूप : सामान्य परिचय, परिभाषा व पारस्परिक अंतर, रूप परिवर्तन के कारण और दिशाएं

वाक्य विज्ञान : वाक्य का स्वरूप और लक्षण, वाक्य के निकटस्थ अवयव, वाक्य के भेद : रचना, आकृति व अर्थ के आधार पर।

इकाई –चार

अध्ययनकेलिएनिर्धारितपरिक्षेत्र–

अर्थ विज्ञान : अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

आधुनिक भाषा विज्ञान : प्रमुख प्रवृत्तियां, रूपांतरण प्रजनक व्याकरण, व्यवस्थापरक व्याकरण, शैलीविज्ञान, समाज भाषा विज्ञान ।

सहायक पुस्तकें:

1.भाषाविज्ञानकीभूमिका, डॉ. देवेन्द्रनाथशर्मा,राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।

2. भाषा विज्ञान के सिद्धांत और हिंदी भाषा, द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

3. भाषा विज्ञान कोश, भोलानाथ तिवारी, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।

4. भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल प्रकाशन, इलाहाबाद ।

5. भाषा विज्ञान, कर्ण सिंह, साहित्य भंडार, मेरठ ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24
Course Code: MHIL - 3264

पत्रकारिता – प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO 1:.हिंदी पत्रकारिता के स्वरूप,उद्भव और विकास तथा से परिचित होने के साथ साथ विद्यार्थी समाचार संकलन तथा संपादन कला के सामान्य सिद्धान्तों और प्रक्रिया की जानकारी प्राप्त करेंगे।

CO.2:समाचार पत्र में प्रकाशित होनेवाले स्तम्भ लेखन के विविध प्रकारों की जानकारी के साथ विद्यार्थी संपादकीय, फीचर लेखन, इंटरव्यू, खोजी पत्रकारिता इत्यादि विषयों को समझने में सक्षम होगा।

CO.3:इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता के अंतर्गत रेडियो,टी. वी, वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता को समझने के साथ-साथ प्रिंट पत्रकारिता की लेआउट, प्रूफ रीडिंग, पृष्ठ सज्जा के कौशल को समझने में सक्षम होगा।इसी इकाई के अंतर्गत पत्रकारिता प्रबंधन के विभिन्न अंगों -प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था से परिचित होगा।

CO.4:इस इकाई के अंतर्गत विद्यार्थी मुक्त प्रेस, लोक संपर्क, विज्ञापन, प्रसार भारती, सूचना प्रोद्योगिकी तथा लोकतंत्र में पत्रकारिता के महत्व को समझने में सक्षम होगा।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023- 24

Course Code: MHIL -3264

पत्रकारिता – प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है |इसमें चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र–

पत्रकारिता का स्वरूप और प्रमुख प्रकार, हिंदी पत्रकारिता का उद्भव और विकास, समाचार पत्रकारिता के मूलतत्त्व, समाचार संकलनतथा लेखन के प्रमुख आयाम । सम्पादन कला के सामान्य सिद्धांत: शीर्षकीकरण, पृष्ठ विन्यास, आमुख और समाचार पत्रों की प्रस्तुत प्रक्रिया|

इकाई –दो

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

समाचार पत्रों के विभिन्न स्तम्भों की योजना, समाचार के विभिन्न स्रोत, संवाददाता की अर्हता, श्रेणी एवं कार्यपद्धति। पत्रकारिता से सम्बन्धित लेखन: सम्पादकीय, फीचर, रिपोर्ताज, साक्षात्कार, खोजी पत्रकारिता, अनुवर्तन (फॉलोअप) की प्रविधि

इकाई –तीन

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की पत्रकारिता :रेडियो, टी वी, वीडियो, केबल, मल्टीमीडिया, और इंटरनेट की पत्रकारिता । प्रिंट पत्रकारिता और मुद्रण कला, प्रूफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा। पत्रकारिता का प्रबंधन :प्रशासनिक व्यवस्था, बिक्री तथा वितरण व्यवस्था ।

इकाई –चार

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

मुक्त प्रेस की अवधारणा, लोक सम्पर्क तथा विज्ञापन, प्रसार भारती, तथा सूचना प्रौद्योगिकी, प्रजातान्त्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तम्भ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व

सहायक पुस्तकें

1.कृष्ण बिहारी मिश्र, हिन्दी पत्रकारिता, संपा. लक्ष्मीचन्द्र जैन, लोकोदय ग्रन्थ भाषा, दिल्ली।
2. राधेश्याम शर्मा, विकास पत्रकारिता।
3. श्याम सुंदर शर्मा, समाचार पत्र, मुद्रण और साजसज्जा।
4. सविता चड्ढा, नई पत्रकारिता और समाचार लेखन।
5. हरिमोहन, समाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला।
6. शिवकुमार दुबे, हिंदी पत्रकारिता: इतिहास और स्वरूप।
7. अर्जुन तिवारी, आधुनिक पत्रकारिता, वाराणसी विश्वविद्यालय।
8. रामचन्द्र तिवारी, सम्पादन के सिद्धांत, आलेख प्रकाशन, दिल्ली।
9. रमेश चन्द्र त्रिपाठी, पत्रकारिता के सिद्धांत।
10. हरिमोहन, रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता।
11. संपा. के.सी. नारायण, सम्पादन कला।
12. हरिमोहन, सम्पादन कला एवं प्रूफ पठन।
13. डॉ. कृष्ण कुमार रत्तू, भारतीय प्रसारण माध्यम।
14. टी.डी. एस. आलोक, इलैक्ट्रॉनिक मीडिया।
15. हर्षदेव, उत्तर आधुनिक मीडिया तकनीक।
16. संजीव भानावत, प्रेस कानून और पत्रकारिता।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 3265
चित्रा मुद्गल: विशेष अध्ययन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

Co.1 विद्यार्थी गिलिगडु उपन्यास ,ताशमहल व बेईमान कहानियों को पढ़कर लेखिका की मानसिकता ,सोच व जीवन दर्शन से रूबरू होंगे |

Co.2चित्रा मुदगल के उपन्यास 'गिलिगडु' के माध्यम से विद्यार्थी वृद्ध जीवन की आवश्यकताओं व वृद्धा की मानसिकता को समझने में सक्षम होंगें |

Co.3 ताशमहलकहानी के माध्यम से विद्यार्थी परस्पर वैवाहिक संबंधों और समाज की वास्तविक स्थिति को समझने में समर्थ होंगें |

Co.4 बेईमान कहनी के माध्यम से विद्यार्थी को स्व और समाज को सुधारने की दृष्टि प्राप्त होगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 3265
चित्रा मुद्गल: विशेष अध्ययन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है |इसमें चार-चार अंकों के छ: प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800शब्दों में देना होगा |

इकाई-एक

व्याख्या हेतु निर्धारित कृतियाँ -

उपन्यास- गिलिगडु

कहानी – ताशमहल

कहानी-बेईमान

इकाई-दो

चित्रा मुद्गल : व्यक्तित्व और कृतित्व

गिलिगडु: उपन्यास में अभिव्यक्त वृद्ध जीवन की त्रासदी

बदलते जीवन मूल्यों के परिप्रेक्ष्य में गिलिगडु

गिलिगडु की भाषा शैली

इकाई- तीन

ताशमहल- दाम्पत्य जीवन की त्रासदी

-सम्बन्धों के बिगड़ने की कहानी

- कथा संरचना एवं शिल्प

- शोभना का चरित्र चित्रण

इकाई- चार

बेईमान- कथा संरचना एवं शिल्प

- नायक का चरित्र चित्रण

- साकारात्मक मूल्यों का हास

-वर्तमान युग में प्रासंगिकता

सहायक पुस्तकें-

चित्रा मुद्गलके कथा साहित्य में संघर्ष , जैमिनी,संचेतना कल्याणी शिक्षा परिषद, दिल्ली|
चित्रा मुद्गल : एक मूल्यांकन, के. वनजा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली|
21वीं सदी का हिंदी उपन्यास , पुष्पपाल, राधाकृष्ण प्रकाशन , नयीदिल्ली|
स्त्री विमर्श की उत्तर गाथा , अनामिका, सामयिक प्रकाशन , दिल्ली|
औरत कल आज और कल , व्होरा, सामयिक प्रकाशन , दिल्ली|
आधुनिक परिवार में स्त्री ,सिंघवी, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL - 3266

गुरु नानक देव जी

विकल्प – एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1 : इसप्रश्न–पत्रकेमाध्यमसेविद्यार्थीसिक्खोंकेप्रथमगुरुकेद्वारा रचित जपुजी साहिब के सम्बन्धमेंजानकारीप्राप्तकरसकतेहैं।

CO-2: गुरुनानकजीकीवाणीके वैशिष्ट्य के सम्बन्धमेंज्ञानप्राप्तकर जीवन में सकरात्मक दृष्टिकोण अपनासकतेहैं |

CO-3**:**गुरुनानकजीकीवाणीकेमाध्यमसेउनकेविचारोंऔरजीवनमेंउनकेमहत्व से परिचित होकर उनकी सामाजिक सोच,उनकी भक्ति भावना और उनके काव्य-दर्शन को समझ सकते हैं |

CO-4: इस प्रश्नपत्र को पढकर विद्यार्थी भारतीय संस्कृत से परिचित होंगें | जपुजी साहिब की भाषा और शैली का ज्ञान प्राप्त करेंगें | साहित्य में निर्गुण मत कवियों की एक परम्परा है उसमें गुरु नानक देव जी का क्या स्थान है, वे अन्य कवियों से कैसे श्रेष्ठ हैं,इसकी जानकारी भी उन्हें प्राप्त होगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023- 24
Course Code: MHIL - 3266

गुरु नानक देव जी

विकल्प – एक

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग की सप्रसंग व्याख्या करनी है जिसमें चार- चार अंकों के छ: पद्यांशपूछे जायेंगे जिनमें से चार की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800शब्दों में देना होगा |

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित कृत्ति :जपुजी साहिब, शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी, अमृतसर ।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित कृति – जपुजी साहिब

इकाई –दो

गुरु नानक देव: युग और व्यक्तित्व, जपुजी साहिब का सामान्य परिचय, गुरु नानक देव जी की वाणी का वैशिष्ट्य

इकाई –तीन

गुरु नानक देव जी का सामाजिक चिंतन, गुरु नानक देव जी की भक्ति – भावना, गुरु नानक देव जी की वाणी में दार्शनिकता

इकाई –चार

गुरु नानक देव जी के काव्य में भारतीय संस्कृति के तत्व, जपुजी साहिब की भाषा- शैली एवं काव्य सौष्ठव, निर्गुण भक्त कवियों में गुरु नानक देव जी का स्थान

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)
Session 2023-24
Course Code: MHIL - 3266

सूरदास

विकल्प – दो

Course Outcomes :
इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO–1: सूरदास विरचित कृष्ण लीला के महत्वपूर्ण प्रसंगों पर आधारित सरस एवं भक्तिपूर्ण पदों के माध्यम से भक्ति के स्वरूप और साहित्य की सरसता को आत्मसात करने के योग्य होंगे ।

CO-2: मध्ययुगीनकृष्णभक्तिसम्प्रदायमेंसूरदासकीभक्तिभावनाऔरउसकेआधारमेंनिहितमध्ययुगीनकृष्णभक्तिसम्प्रदायमेंसूरदास कीभक्तिभावनाऔरउसकेआधारमेंनिहितमनोवैज्ञानिक भूमिका को समझने में सक्षम होंगे | वे सूरदास के व्यक्तित्व व रचनाकार रूप से भी परिचित होंगे और कृष्ण भक्ति काव्य की विशेषताओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे |

CO-3: इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थी पुष्टिमार्गीय भक्ति के विषय में जानेगें और भक्ति साधना के विभिन्न रूपों का अध्ययन कर सकेंगे |सूरदास किस प्रकार वात्सल्य का चित्रण करते हैं इसका ज्ञान भी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4: सूरकाव्य में निहित संगीत, लय और गीति तत्व की विशेषता को आत्मसात करने के साथ – साथ विद्यार्थी भाषा के सौन्दर्य को समृद्ध बनाने वाले उपकरण – रस, छंद, अलंकार, बिम्ब, प्रतीक इत्यादि के व्यवहारिक उपयोग और सौन्दर्य को समझने में योग्य होंगे ।सूरकाव्य के लीला तत्व और कूट पदों के ज्ञान एवं रहस्य से परिचय इस सन्दर्भ में शोध की सम्भावनाओं के प्रति विद्यार्थियों की रुचि प्रोत्साहित होगी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023- 24
Course Code: MHIL -3266

सूरदास

विकल्प–दो

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0
TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है। प्रथम भाग की सप्रसंग व्याख्या करनी हैइसमें चार- चार अंकों के छ:पद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार की सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा। भाग दो, तीन, चार, पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा।

व्याख्या एवं अध्ययन के लिए निर्धारित पुस्तक-

सूरसागर, सम्पादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन प्रा० लि० इलाहाबाद।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पद -
विनय भक्ति – 1 से 10 तथा 17 से 24 =18 पद
गोकुल लीला – 1 से 35 =35 पद
वृन्दावन लीला – 3 से 18, 38 से 53, 145 से 155 =43 पद
उधव सन्देश – 116 से 159 =44 पद

इकाई –दो

- मध्ययुगीन भक्ति आन्दोलन तथा कृष्ण भक्ति
- मध्ययुगीन कृष्ण भक्ति: सम्प्रदाय एवं सिद्धांत
- कृष्ण भक्ति काव्य: विशेषताएं तथा उपलब्धियां
- सूरदास: व्यक्तित्व एवं कृत्तित्व
- सूरकाव्य में लोक संस्कृति
- सूरकाव्य में मनोविज्ञान

इकाई –तीन

- कृष्ण भक्ति काव्य में सूरदास का स्थान
- सूरकाव्य में पुष्टिमार्गीय भक्ति
- सूरकाव्य में भक्ति साधना के अन्य रूप – दास्य, संख्य, प्रेमा आदि
- सूरकाव्य में वात्सल्य वर्णन

- सूरकाव्य में दार्शनिक पक्ष
- सूरकाव्य में निर्गुण – सगुण द्वंद्व

इकाई –चार

- सूरकाव्य में लीला तत्व
- सूरकाव्य में विभिन्न रसों की सृष्टि
- सूरकाव्य में बिम्ब, प्रतीक तथा मिथक
- सूर की काव्य भाषा: शब्द सम्पदा, पद रचना, अलंकार, छंद आदि ।
- सूरकाव्य में गीति तत्व
- सूरकाव्य के कूट पद

सहायक पुस्तकें :

1.कमला अत्रिय, आधुनिक मनोविज्ञान और सूरकाव्य, विभू प्रकाशन, साहिबाबाद ।
2. रमाशंकर तिवारी, सूर का श्रृंगार वर्णन, अनुसंधान प्रकाशन, कानपुर ।
3. आद्या प्रसाद त्रिपाठी, सूर साहित्य में लोक – संस्कृति, हिन्दी साहित्य सम्मेलन प्रयाग ।
4. एन.जी. द्विवेदी, हिन्दी कृष्ण काव्य का आलोचनात्मक इतिहास, सूर्य प्रकाशन, दिल्ली ।
5. हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, सूर साहित्य, राजकमल प्रकाशम, नई दिल्ली ।
6. प्रभुदयाल मित्तल, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद ।
7. प्रभुदयाल मित्तल, सूरसर्वस्व, राजपाल एंड संज, दिल्ली ।
8. ब्रजेश्वर वर्मा, सूरदास, महात्मा गाँधी मार्ग, इलाहाबाद ।
9. रामनरेश वर्मा, सगुण भक्ति काव्य की सांस्कृतिक पृष्ठभूमि, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी ।
10. मुंशीराम शर्मा, सूरदास का काव्य वैभव ग्रंथम, कानपुर ।
11. हरबंस लाल शर्मा, सूर और उनका साहित्य, भारत प्रकाशन मंदिर, अलीगढ़ ।
12. वेदप्रकाश शास्त्री, सूर की भक्ति भावना, सन्मार्ग प्रकाशन, दिल्ली ।
13. शारदा श्रीवास्तव, सूर साहित्य में अलंकार विधान, बिहार ग्रन्थ कुटीर, पटना ।
14. केशव प्रसाद सिंह, सूर संदर्भ और दृष्टि, संजय बुक सेंटर, वाराणसी ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL -3266

हिन्दी कहानी

विकल्प –तीन

Course Outcomes :
इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1:कहानीसाहित्यकोआत्मसातकरनेकासर्वश्रेष्ठमाध्यमहै |इसप्रश्नपत्रमेंविद्यार्थी–वर्गकोकहानीकेस्वरूप,विकासयात्रा, कहानीकेआन्दोलनोंएवंसमकालीनकहानीसाहित्यकीविशेषताओंकाविस्तृतएवंगहनज्ञानप्राप्तहोगा | इकाई एक में विद्यार्थी कहानी को पढ़ कर कहानीकारों की दृष्टि को पकड़ सकने में समर्थ होंगे |

CO-2: इस इकाई को पढने से कहानी का अर्थ और तत्व एवं प्रकार विद्यार्थी के सामने स्पष्ट होंगे | भीष्मसाहनीकीकहानियोंकेपरिप्रेक्ष्यमेंविद्यार्थियोंकेसमक्षपंजाबकीतत्कालीनस्थिति, विभाजनकीत्रासदीसेउत्पन्नसंत्रास, विदेशीवातावरणमेंअपनीमिट्टीकीमहककेदर्शनहोंगे |

CO-3:मृदुला गर्ग कीकहानियोंकेमाध्यमसेमहानगरीयजीवनकीविसंगतियोंसेजूझतेमनुष्यसेसाक्षात्कारएवं महिलाओं की वर्तमान स्थिति के सम्बन्ध मेंविद्यार्थीउनकीसमस्याओंसेअवगतहोंगे |

CO-4:मन्नूभंडारीकीकहानियोंकेद्वारावि‌द्यार्थीसमकालीनसंदर्भमेंस्त्रीकीस्थिति, आधुनिकयुगकीसमस्याओंसेदो - चारहोती, जूझतीनारीएवंस्त्रीअस्मितासेजुड़ेप्रश्नोंकासाक्षात्कारकरेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-III)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-3266

हिंदी कहानी

विकल्प–तीन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है जिसमें चार- चार अंकों के सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें से चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक गद्यांशकी सप्रसंग व्याख्या 200 शब्दों में देनी होगी |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

इकाई–एक

व्याख्याएवंअध्ययनकेलिएनिर्धारितपुस्तकें व कहानियां –
प्रतिनिधिकहानियां–भीष्मसाहनी,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली 1980
निर्धारित कहानियां- गंगो का जाया,चीफ़ की दावत,खून का रिश्ता,यादें,कुछ और साल, अमृतसरआ गया है, ओ हरामज़ादे, सागमीट ,लीला नन्दलाल की |
प्रतिनिधिकहानियां- मृदुला गर्ग,राजकमल पेपर बैक्स,दिल्ली|
निर्धारितकहानियां-हरी बिन्दी,साठ साल की औरत,समागम,वो मैं ही थी;बंजर,अगली सुबह,उर्फ़ सैम,वितृष्णा |
मेरी प्रिय कहानियां- मन्नू भंडारी,राजपाल एंड सन्ज़,दिल्ली 2015
निर्धारित कहानियां- अकेली मजबूरी,नई नौकरी,बंद दराज़ोंका साथ,एखाने आकाश नार्द,यही सच है,सज़ा,शायद|

इकाई –दो

. कहानी: स्वरूप, परिभाषा, तत्व एवं प्रकार
. कहानीकार भीष्म साहनी :व्यक्तित्व एवं कृतित्त्व
. भीष्म साहनी की कहानियों का कथ्य एवं मूल संबंध
. भीष्म साहनी की कहानियों के नारी पात्र
. भीष्म साहनी की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रशन

इकाई –तीन

हिंदी कहानी की विकास यात्रा

. कहानीकार मृदुला गर्ग : सामान्य परिचय
. मृदुला गर्ग की कहानियों में सामाजिक संचेतना
. मृदुलाकी कहानियों में नारीमनोविज्ञान
. मृदुला गर्ग की कहानियों का शिल्प एवं भाषा
. संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

इकाई –चार

. हिंदी कहानी के विभिन्न आन्दोलन
. समकालीन कहानी की विशेषताएं
. कहानीकार मन्नू भंडारी :सामान्य परिचय
. मन्नू भंडारी की कहानियां: अस्तित्ववादी चेतना
. मन्नू भंडारी की कहानियां: मनोविज्ञान और बदलता समाज
. मन्नू भंडारी की कहानियां : शिल्प और भाषा
. निर्धारित संग्रह की किसी एक कहानी पर कथ्य सम्बन्धी प्रश्न

अनुशंसित पुस्तकें:

1. हिंदी कहानी : उद्भव और विकास, सुरेश सिन्हा, अशोक प्रकाशन, दिल्ली ।
2. हिंदी कहानी : पहचान और परख, इन्द्रनाथ मदान (संपा.) लिपि प्रकाशन, दिल्ली ।
3. कहानी: स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली ।
4. नयी कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, अक्षर प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. कहानी: नई कहानी, नामवर सिंह, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद ।
6. नयी कहानी: संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली ।
7. समकालीन कहानी की पहचान, नरेन्द्र मोहन, प्रवीण प्रकाशन, दिल्ली ।
8. नयी कहानी: विविध प्रयोग, पाण्डेय शशिभूषण शीतांशु, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद ।
9. हिंदी कहानी में प्रगति चेतना, लक्ष्मणदत्त गौतम, कोणार्क, दिल्ली ।
10. मिथिलेश रोहतगी, हिन्दी की नयी कहानी का मनोवैज्ञानिक अध्ययन, शलभ प्रकाशन, मेरठ ।
11. हिन्दी लेखक कोश, गुरु नानक देव विश्वविद्यालय, अमृतसर ।
12. डॉ. शिव प्रसाद सिंह, आधुनिक परिवेश और अस्तित्व, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
13. राम दरश मिश्र, दो दशक की कथा यात्रा, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, दिल्ली ।
14. इन्द्रनाथ मदान, हिन्दी कहानी अपनी ज़बानी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली ।
15. सुरेन्द्र चौधरी, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया
16. परमानंद श्रीवास्तव, हिंदी कहानी की रचना प्रक्रिया, ग्रंथम, कानपुर ।
17. बटरोही, कहानी: रचना प्रक्रिया और स्वरूप, अक्षर प्रकाशन, दिल्ली ।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
of
Master of Arts HINDI (Semester:IV)

(Under Credit Based Continuous Evaluation Grading System)

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA
JALANDHAR
(Autonomous)

KANYA MAHA VIDYALAYA,JALANDHAR(AUTONOMOUS)

SCHEME AND CURRICULAM OF EXAMINATION
OF TWO YEAR DEGREE PROGRAMME UNDER
CREDIT BASED CONTINUOUS EVALUATION
GRADING SYSTEM (CBCEGS)
Session 2023-24
Programme: Masters of Arts in Hindi
(SemesterIV)

Master of Arts (Hindi) SemesterIV										
Course Code	**Course Name**	**Course Type**	**Hrs/ Weeks**	**Credits L.T.P**	**Marks**					**Examination time (in Hours)**
					Total credits	**Total**	**Ext.**			
							L	**P**	**CA**	
MHIL -4261	आधुनिक हिंदी काव्य: छायावादोत्तर काल	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -4262	आधुनिक गद्य साहित्य	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL -4263	हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL - 4264	राजभाषा प्रशिक्षण	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL-4265	शोध प्रविधि	C	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
MHIL- 4266 (Opt---) (विद्यार्थी अग्रलिखित विकल्पों में से कोई एक विकल्प चुन सकता है)	उत्तर काव्यधारा के सन्दर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन (Opt-i)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	हिंदी उपन्यास (Opt-ii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
	निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल (Opt-iii)	O	4	4-0-0	4	80	64	-	16	3
Total			**24**	**24**		**480**				

C-Compulsory
O-Optional

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य : छायावादोत्तर काल

Course Outcomes :

पाठ्यक्रम का अध्ययन करने के उपरान्त विद्यार्थी निम्नलिखित लाभ प्राप्त कर सकते हैं :

co-1: 'आधुनिक हिंदी काव्य: छायावादोत्तर काल'में अज्ञेय,धूमिल एवं मुक्तिबोध के काव्य के माध्यम से छायावाद के बाद की हिंदी कविता की व्याख्या और उसमें कथ्य एवं भाषा शैली के स्तर पर आये परिवर्तनों को समझेंगे |

co-2: स्वातन्त्र्योत्तर युग में जैसे-जैसे पूंजीवाद के फलस्वरूप भौतिकवादी रुझानों ने भारतीयों जीवन-शैली,राजनीतिकसामाजिक व्यवस्था,जीवन मूल्यों और समाजिक सम्बन्धों को प्रभावित किया वैसे-वैसे वे अनुभूतियाँ किस प्रकार तीव्र और गहन रूप में काव्य में अभिव्यक्त हुईं हैं इसेअज्ञेय की कविताओं के माध्यम से समझेंगे| कवि का काव्य इसका प्रमाण है |

co-3: विद्यार्थी साहित्य के सामाजिक सरोकारों को समझने के साथ-साथ कविता के नवीन रूपों को पढ़ेंगे और समझेंगे | साठोत्तरी हिंदी कविता में हिंदी कविता के भाव एवं शिल्प के स्तर पर जिन नवीन सम्भावनाओं को अपनी कविता में अभिव्यक्त करने वाले कवि की कविता 'अँधेरे में' केअध्ययन से उपर्युक्त परिवर्तन को समझेंगे |

co-4:हिंदी कविता में जनवादी कवि के रूप में विख्यात कवि धूमिल के काव्य की सम्वेदना और शिल्प से परिचित होंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL - 4261

आधुनिक हिंदी काव्य :छायावादोत्तर काल

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है |इसमें चार- चार अंकों के छ:पद्यांशपूछे जायेंगे जिनमें चार पद्यांशोंकी सप्रसंग व्याख्या करनी अनिवार्य होगी |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा ।प्रत्येक उत्तर 800 शब्दोंमें देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या एवं आलोचना के लिए निर्धारित कवि

स.ही.वात्सायन 'अज्ञेय' सम्पादक विद्या निवास मिश्र, राजपाल एंड संस,दिल्ली1993(असाध्य वीणा,बावरा अहेरी,शब्द और सत्य,औद्योगिक बस्ती,आंगन के पार,कितनी नावों में कितनी बार, नदी के द्वीप |

ग.मा. मुक्तिबोध:चाँद का मुंह टेढ़ा है,भारतीय ज्ञानपीठ प्रकाशन,दिल्ली,1964अन्धेरे में|

धूमिल:संसद से सड़क तक (मोची राम, भाषाकी एक रात,पटकथा)

इकाई-दो

स.ही.वात्सायन 'अज्ञेय' का सामान्य परिचय

- छायावादोत्तरकाव्यान्दोलनऔर अज्ञेय
- अज्ञेयकी जीवन दृष्टि
-प्रयोगवादी कवि अज्ञेय
-अज्ञेय के काव्य की साहित्यिक विशेषताएं
- अज्ञेयकी कविता का शिल्प-सौन्दर्य
-असाध्यवीणा: प्रतिपाद्य और शिल्प

इकाई-तीन

ग.मा. मुक्तिबोध

- मुक्तिबोध:कवि और उनकी रचनाएं
- प्रतिबद्ध कवि मुक्तिबोध फेंटेसी
- फेंटेसी का कवि मुक्तिबोध
-'अँधेरे में' कविता का कथ्य और शिल्प
- मुक्तिबोधकी कविता का भावजगत की उनका काव्य शिल्प

इकाई –चार

धूमिल

-जनवादी चेतना के कवि धूमिल

-साठोत्तरी हिंदी कविता और धूमिल

-धूमिलकी कविता में मानव-मूल्य

-धूमिलकीकविता:आज के व्यक्ति का बिम्ब

-धूमिल कि कविता:भाषा-शिल्प

सहायक पुस्तकें

धूमिल और उसका काव्य संघर्ष,डॉ. ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती प्रकाशन,इलाहाबाद|
धूमिल: काव्य-यात्रा,मंजू अग्रवाल,ग्रंथम,कानपुर|
समकालीन कविता और धूमिल,डॉ. मंजुल उपाध्याय,अनामिका प्रकाशन,इलाहाबाद|
नयी कविता का प्रमुख हस्ताक्षर,डॉ. संतोष कुमार तिवारी,जवाहर पुस्तकालय,मथुरा |
अज्ञेय और आधुनिकरचनाकी समस्या,रामस्वरूप चतुर्वेदी,भारतीय ज्ञानपीठ,दिल्ली|
अज्ञेय कवि,ओम प्रकाश अवस्थी,ग्रंथम,कानपुर|
अज्ञेय, विश्वनाथ प्रसाद तिवारी,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
अज्ञेयकी कविता-एक मूल्यांकन चन्द्रकांत बादीवडेकर,विनोद पुस्तक मंदिर,आगरा|
मुक्तिबोध का साहित्य विवेक और उनकी कविता,लल्लन राय,मंथन पब्लिकेशन,रोहतक|
मुक्तिबोध:प्रतिबद्ध कला के प्रतीक,चंचल चौहान,पांडुलिपि प्रकाशन,दिल्ली|
गजानन माधव मुक्तिबोध:जीवन और काव्य,महेश भटनागर,राजेश प्रकाश,दिल्ली |
मुक्तिबोध:विचारक कवि और कथाकार,सुरेन्द्र प्रताप,नेशनल पब्लिशिंग हाउस,दिल्ली |
मुक्तिबोध की काव्य चेतना,हुकुमचंद राजपाल,वाणी प्रकाशन,दिल्ली|
मुक्तिबोध ज्ञान और संवेदना:नंदकिशोर नवल,राजकिशोर प्रकाशन,नई दिल्ली|
अज्ञेय की काव्य तितीषा, नंदकिशोर आचार्यवाग्यदेवी प्रकाशन,बीकानेर|
वाक्-संदर्श,हरमोहन लाल सूद,पीयूष प्रकाशन,दिल्ली|
धूमिल और उसका काव्य-संघर्ष, ब्रह्मदेव मिश्र,लोकभारती,इलाहाबाद|

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023- 24

Course Code: MHIL- 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1:यहप्रश्नपत्रसाहित्यकीविविधविधाओंसेपरिचितकराताहै । यहनिबंध, नाटकएवंजीवनीसाहित्यकी त्रिवेणीहैजिसमेस्नातहोकरविद्यार्थीअपनेज्ञानकोसम्पुष्टकरताहै |

CO-2:निबंधविविधा में**विद्यार्थी**विभिन्ननिबंधकारोंकेनिबंधोंमेंसाहित्यिकता, व्यंग्य, संस्कृतिएवंसभ्यताकेपुट कोपहचानेंगे |

CO-3:'आधे–अधूरे'केमाध्यमसेनकेवलमोहनराकेशअपितुउनकीनाट्यदृष्टि, रंगमंचीयताएवंजीवनकेआधे–अधूरेपनकीत्रासदीसेविद्यार्थीपरिचितहोंगेइसकृतिकेमाध्यमसेवेनाटककारके दृष्टिकोण सेभीपरिचितहोंगे |

CO-4:आवारा मसीहा केमाध्यमसेविद्यार्थियोंकोशरतचंद्रकेजीवनकेसूक्ष्मदर्शनहोंगेऔरसाथही वे उनके साहित्यिक चरित्र से भी परिचित होंगे।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL - 4262

आधुनिक गद्य साहित्य

Total: 80
CA: 16
TH : 64

समय : तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है ।प्रथम भाग अनिवार्य है ।इसमें चार- चार अंकों के व्याख्या हेतु छ : गद्यांशपूछे जायेंगे जिनमें चार सप्रसंग व्याख्याएं करनी अनिवार्य होंगी ।प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा ।भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश : इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे । प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा ।प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा ।

व्याख्या एवं विवेचन के लिए निर्धारित कृतियाँ :

1.निबंध विविधा, सम्पादक हरमोहन लाल सूद, वागीश प्रकाशन, जालंधर।

2.आधे अधूरे ‘मोहन राकेश, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली ।

3.आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर ,राजपाल एंड सन्ज़,कश्मीरी गेट,दिल्ली।

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियाँ :

1.निबंध विविधा –

(निर्धारित निबंध-कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना)
2.आधे अधूरे
3.आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर

इकाई-दो

अध्ययन के लिए निर्धारित निबंध– (निबंध विविधा, हरिमोहन लाल सूद) - कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता, अशोक के फूल, गेहूं बनाम गुलाब, सौन्दर्य की उपयोगिता, मेरे राम का मुकुट भीग रहा है, पगडंडियों का ज़माना

निबंध विधा–स्वरूप और वैशिष्ट्य, हिंदी निबंध- विकास यात्रा
कवियों की उर्मिला विषयक उदासीनता–उपेक्षित पात्रों का सरोकार
अशोक के फूल–भारतीय संस्कृति, इतिहास और जीवन की गाथा
गेहूं बनाम गुलाब- मानव जाति का अभिप्रेत लक्ष्य
सौन्दर्य की उपयोगिता–साहित्य , सौन्दर्य और कला के अंत:संबंधों का प्रश्न
मेरे राम का मुकुट भीग रहा है–प्रतिपाद्य
पगडंडियों का ज़माना–आधुनिक युग का सटीक व्यंग्य
पाठ्यक्रम में निर्धारित किसी एक निबंध की विशेषताएं

इकाई –तीन

-(आधे अधूरे, मोहन राकेश)
नाटक–विधागत वैशिष्ट्य, हिंदी नाटक:विकास यात्रा
आधे अधूरे :मध्यवर्गीय परिवार की त्रासदी
आधे अधूरेके विविध आयाम, विचारधारा तथा कथ्य चेतना , भाषागत उपलब्धियां।
नाटक और रंगमंच का रिश्ता –मोहन राकेश की दृष्टि और आधे अधूरे का आधार ।
मोहन राकेश की नाट्य भाषा ।
आधे अधूरे :नए नाट्य प्रयोग का संदर्भ ।

इकाई –चार

–आवारा मसीहा –विष्णु प्रभाकर
जीवनी:परिभाषा,स्वरूप व तत्व,जीवनी के तत्वों के आधार पर आवारा मसीहा का मूल्यांकन,जीवनी के सन्दर्भ में शरतचन्द्र का चरित्र चित्रण, आवारा मसीहा जीवनी विधा का गौरव ग्रन्थ|

सहायक पुस्तकें

1.हिंदी लेखक कोश, प्रकाशन गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
2.जगदीश शर्मा, मोहन राकेश के नाटकों की रंग सृष्टि, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली।
3.गोबिंद चातक, आधुनिक नाटक का मसीहा: मोहन राकेश, इन्द्रप्रस्थ , दिल्ली।
4.गिरीश रस्तोगी, मोहन राकेश के नाटक, लोकभारती प्रकाशन, इलाहबाद।
5.कृति मूल्यांकन,आवारा मसीहा संपा.पल्लव,राजपाल एंड संस,दिल्ली
6. कलानाथ मिश्र : आवारा मसीहा कीऔपन्यासिकता

Masters of Arts (HINDI)(Semester-IV)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL– 4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: विद्यार्थीहिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि के साथ-साथ मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाओँ का ज्ञान प्राप्त करेंगे|

CO-2:इकाई दो में विद्यार्थी आधुनिक भारतीय भाषाओँ का ज्ञान अर्जित करेंगे तथाहिंदी भाषा के उद्भव और विकास के साथ – साथ हिंदी की विभिन्न बोलियों/विभाषाओं का ज्ञान भी प्राप्त करेंगे ।

CO-3: इकाई तीन में विद्यार्थी हिंदी की बोलियों, हिंदी का भाषिक स्वरूप और हिंदी की व्याकरणिक कोटियों से परिचित होंगे ।

CO-4:देवनागरी लिपि की विशेषताओं और हिंदी भाषा के मानक रूप का ज्ञान ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023-24

Course Code: MHIL-4263

हिंदी भाषा और देवनागरी लिपि

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0
TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश:

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है इसमें इकाई एक में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा |भाग दो , तीन, चार , पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र -
हिंदी की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि : प्राचीन भारतीय आर्य भाषाएँ-वैदिक तथा लौकिक संस्कृत का परिचय, मध्यकालीन भारतीय आर्य भाषाएँ-पालि, प्राकृत, शौरसैनी , मागधी , अपभ्रंश का परिचय ।

इकाई –दो

आधुनिक भारतीय आर्य भाषाओं का वर्गीकरण- (ग्रियर्सन एवं चैटर्जी के अनुसार)
हिंदी भाषा का उद्भव और विकास : सामान्य परिचय ।

इकाई –तीन

हिंदी का भौगोलिक विस्तार, हिंदी की बोलियाँ –स्वरूपगत संक्षिप्त परिचय ।
हिंदी का भाषिक स्वरूप: हिंदी शब्द रचना : उपसर्ग , प्रत्यय , समास ।
हिंदी की व्याकरणिक कोटियाँ – लिंग, वचन , कारक, पुरुष , वाच्य।
हिंदी वाक्य रचना: पदक्रम और अन्विति।

इकाई –चार

भारत की प्रमुख लिपियों का परिचय , देवनागरी लिपि का स्वरूप, विशेषताएं एवं सीमाएं, संशोधन के लिए प्रस्तावित प्रस्ताव ।

सहायकपुस्तकें:

1. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा की शब्द सरंचना , साहित्य सहकार , दिल्ली ।
2. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा की सरंचना , वाणी प्रकाशन , दिल्ली।
3. डॉ. धीरेन्द्र वर्मा , हिंदी भाषा का इतिहास , हिन्दुस्तानी अकादमी , इलाहबाद ।
4 .डॉ. जाल्मन दीमान्श्त्श , व्याहारिक हिंदी व्याकरण , राजपाल एंड संज , कश्मीरी गेट , दिल्ली।
5. हरदेव बाहरी, हिंदी :उद्भव , विकास और रूप, किताब महल , इलाहाबाद ।
6. देवेन्द्र नाथ शर्मा तथा रामदेव त्रिपाठी , हिंदी भाषा का विकास , राधाकृषण प्रकाशन , नई दिल्ली ।
7. डॉ. भोलानाथ तिवारी , हिंदी भाषा , किताब महल , इलाहाबाद ।
8. नरेश मिश्र , नागरी लिपि , निर्मल प्रकाशन, दिल्ली ।
9. डॉ. हरिमोहन , हिंदी भाषा और कंप्यूटर , तक्षशिला प्रकाशन , नई दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इकाई एक में प्रशासन –व्यवस्था और भाषा , भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ,राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति , राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान , राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक),राष्ट्रपति के आदेश (1952ए, 1955 ए, 1960)की विस्तृत जानकारी दी जाएगी |

CO-2: इकाई दो में विद्यार्थी राजभाषा अधिनियमोंकी जानकारी के साथ हिंदीतर राज्यों और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर हिंदी की भूमिका को जान सकेंगे | हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की क्या भूमिका है और हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या को भी आत्मसात कर सकेंगे |

CO-3: इकाई तीन में राजभाषा केअनुप्रयोगात्मक पक्ष :हिंदी , आलेखन, टिप्पण , संक्षेपण तथा पत्राचार पर बल दिया जायेगा | हिंदी कंप्यूटरीकरण , हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण ,हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली काज्ञान भी प्राप्त होगा |

CO-4:इकाई चार मेंकेंद्रएवंराज्यशासनकेविभिन्नमंत्रालयोंमेंहिंदीकरणकीप्रगति,बैंकिंग , बीमाऔरअन्यवाणिज्यिकक्षेत्रोंमेंहिंदीअनुप्रयोगकीस्थिति,विविधक्षेत्रोंमेंहिंदी,सूचनाप्रौद्योगिकी (संचारमाध्यमों) केपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीऔरदेवनागरीलिपिवभूमंडलीकरणकेपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीकाभविष्य आदि विषयों की विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-4264

राजभाषा प्रशिक्षण

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है |इसमें प्रथम इकाई में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई एक, दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई –एक

अध्ययन के लिए निर्धारित परिक्षेत्र-

प्रशासन –व्यवस्था और भाषा ,भाषा की बहुभाषीयता और एक सम्पर्क भाषा की आवश्यकता ।
राज भाषा (कार्यालयी हिंदी) की प्रकृति ,राजभाषा विषयक संवैधानिक प्रावधान ।
राजभाषा अधिनियम (अनुच्छेद 343 से 351 तक)
राष्ट्रपति के आदेश (1952ए,1955 ए,1960)

इकाई –दो

राजभाषा अधिनियम1963 ,(यथा संशोधित 1967)
राजभाषा संकल्प(1968) , यथानुमोदित(1961)
राजभाषा नियम1976 द्विभाषी नीति और त्रिभाषा सूत्र
हिंदीतर राज्यों के प्रशासनिक क्षेत्रों में हिंदी की स्थिति
अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिंदी
हिंदी के प्रचार प्रसार में विभिन्न हिंदी संस्थाओं की भूमिका
हिंदी और देवनागरी लिपि के मानकीकरण की समस्या

इकाई –तीन

राजभाषा का अनुप्रयोगात्मक पक्ष :हिंदी ,आलेखन, टिप्पण ,संक्षेपण तथा पत्राचार ।
कार्यालय अभिलेखों के हिंदी अनुवाद की समस्या
हिंदी कंप्यूटरीकरण
हिंदी संकेताक्षर और कूट निर्माण
हिंदी में वैज्ञानिक और तकनीकी परिभाषिक शब्दावली

इकाई –चार

केंद्रएवंराज्यशासनकेविभिन्नमंत्रालयोंमेंहिंदीकरणकीप्रगति
बैंकिंग , बीमाऔरअन्यवाणिज्यिकक्षेत्रोंमेंहिंदीअनुप्रयोगकीस्थिति
विविधक्षेत्रोंमेंहिंदी
सूचनाप्रौद्योगिकी (संचारमाध्यमों) केपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीऔरदेवनागरीलिपि
भूमंडलीकरणकेपरिप्रेक्ष्यमेंहिंदीकाभविष्य|

सहायक पुस्तकें:

हरिबाबू जगन्नाथ, संघ की भाषा, केन्द्रीय सचिवालय, हिंदी परिषद् नई दिल्ली ।
राजभाषा अधिनियम, अखिल भारतीय संस्था संघ, नई दिल्ली ।
डॉ. भोलानाथ तिवारी, अखिल भारतीय हिंदी संस्था संघ, नई दिल्ली ।
मालिक मुहम्मद, राजभाषा हिन्दी : विकास के विविध आयाम, राजपाल एंड संस, दिल्ली।
शेरबहादुर झा. संविधान में हिंदी तथा संविधान में राजभाषा सम्बन्धी अनुच्छेद तथा धाराएं,
हिन्दी का सामाजिक संदर्भ ।
संपा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, डॉ. रामनाथ सहाय, हिंदी का सामाजिक संदर्भ, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा ।

डॉ. कृष्ण कुमार गोस्वामी, संविधान में हिंदी प्रयोजनमूलक भाषा और कार्यालयी हिंदी, दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023-24

Course Code: MHIL-4265

शोध प्रविधि

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: शोधार्थी साहित्य में शोध के लिएतैयारहोंगे तथा शोध की परिभाषा जानते हुए इसकी परम्परा का अध्ययन करेंगे।

CO-2:शोध मानव ज्ञान को दिशा प्रदान करने,व्यावहारिक समस्याओं का समाधान करने में सहायक है| शोधार्थीसाहित्यिक शोध की कोटियों का ज्ञान प्राप्त करते हुए इसमें आने वाली समस्याओं का अध्ययन करेंगे |

CO-3:शोध के क्षेत्र में सामग्री संकलन से लेकर समस्याओं के समाधान तक की यात्रा को शोधार्थी तय करने में सक्षम होंगे |

CO-4:इस इकाई के माध्यम से विद्यार्थीपादटिप्पणी केमहत्त्वऔर विभिन्न प्रकार की सामग्रीको प्रस्तुत करने के उदाहरण जान सकेगा | शीर्षकीकरण और उद्धरण देने का सही तरीका क्या है, संदर्भिका तथा अनुक्रमणिका की निर्माण प्रक्रिया को जानने में भी समर्थ होगा |

Masters of Arts (HINDI)(Semester-IV)
Session 2023-24

Course Code: MHIL-4265

Course Title: शोध प्रविधि

Total: 80
CA: 16
TH : 64

समय : तीन घंटे

LTP-4-0-0

परीक्षक के लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है |इसमें प्रथम इकाई में से चार-चार अंकों के छ : प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से चार प्रश्नों का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश : इकाई एक, दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा|

इकाई-एक

शोध: अभिप्राय, समानार्थक शब्द, परिभाषा, स्वरूप, शोध कार्य के विभिन्न चरण, हिंदी में शोध कार्य कीपरम्परा(सोपाधि और निरुपधिशोध के सन्दर्भ में | हिंदी शोध की समस्याएं और प्रस्तावित समाधान |

रूपरेखा निर्माण , शोध प्रबन्ध में भूमिका लेखन |

इकाई-दो

साहित्यिक शोध की कोटियाँ -

वर्णनात्मक/ व्याख्यात्मक शोध,तुलनात्मक शोध, सांस्कृतिक शोध, समाजशास्त्रीय शोध, भाषावैज्ञानिक शोध, मनोवैज्ञानिक शोध|

शोधसामग्री संकलन –

सामग्री संकलन के प्राथमिक और द्वितीयक स्रोत , साक्षात्कार:स्वरूप, प्रकार और विधियां , प्रश्नोत्तरीनिर्माण |

इकाई-तीन

शोध के प्रकार, डिजिटल युग में शोध,शोध और समीक्षा के सम्बन्ध,शोध प्रविधि-सर्वेक्षण,सामग्री विश्लेषण, केस स्टडी, समूह चर्चा, द्वितीयक आंकड़ो का विश्लेषण ,प्रलेख आधारित शोध और पुस्तकालय शोध|

शोध समस्या और शोध परिकल्पना, शोधप्रारूप:उद्देश्य,भाग, विशेषताएं और निर्धारकतत्व, सामग्री संकलन, विश्लेषण और व्याख्या |

इकाई-चार

पादटिप्पणी:महत्त्वऔर विभिन्न प्रकार की सामग्रीको प्रस्तुत करने के उदाहरण

शीर्षकीकरण और उद्धरण देने का सही तरीका , संदर्भिका तथा अनुक्रमणिका

सहायक पुस्तकें –

शोधसिद्धांत और व्यवहार ,प्यारा सिंह, पब्लिकेशनब्यूरो, पटियाला |
हिंदी शोध , रविंदर मिश्र , युगांतर प्रकाशन ,दिल्ली|
शोध स्वरूप एवं मानक व्यवहारिक कार्यविधि , बैजनाथ सिंहल, दि मैकमिलन कंपनी आफ इंडिया लिमिटेड, दिल्ली|
हिंदी शोध : दिशाएं , प्रवृतियां एवं उपलब्धियां, गणेश प्रसाद, महावीर प्रेस , वाराणसी|
हिंदी शोध तंत्र की रूपरेखा, मनमोहन सहगल,पंचशील प्रकाशन, दिल्ली|
हिंदी अनुसन्धान के आयाम, भ.ह. राजूरकर, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली |
शोध प्रविधि , विनयमोहन शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली |
अनुसन्धान और आलोचना , नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, नईदिल्ली |
तुलनात्मक अध्ययन और उसकी समस्याएं ,एस.गुलाब रसूल, हिंदी साहित्य भण्डार |
साहित्यिक शोध के आयाम, शशिभूषण सिंहल,आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023 -24

Course Code: MHIL - 4266

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ मेंगुरु तेग बहादुर जी की वाणी काविशेष अध्ययन

विकल्प–एक

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1:इकाई एक में गुरुजीकी वाणी का व्याख्यात्मक परिचय दिया जायेगा |

CO-2:गुरुकाव्यपरम्परामेंगुरुतेगबहादुरजीकी वाणी का वैशिष्ट्य, काव्यएवं दर्शन योगदानकापरिचय| गुरुतेगबहादुरजीकेकाव्यकेदार्शनिकचिन्तनकेव्याख्यात्मकपक्षकीअनुभूति|

CO-3:गुरुतेगबहादुरजीकीवाणीकेसांस्कृतिकपक्षकेदर्शन एवंअद्वैतदर्शनका ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे |

CO-4:इकाई चार में विद्यार्थीगुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन ,उनकी वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव ,उनकी वाणी की राग योजना एवं उनकी वाणी की प्रगितिशीलता का अध्ययन करेंगे |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)

Session 2023 - 24

Course Code: MHIL - 4266

विकल्प–**एक**

उत्तर काव्यधारा के संदर्भ में गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का विशेष अध्ययन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0
TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है |इसमें चार–चार अंकों के छ: पद्यांशपूछे जायेंगे जिनमें चार की सप्रसंग व्याख्या करना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दोंमें देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12–12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक–एक प्रश्न का उत्तर देना होगा | प्रत्येक उत्तर 800शब्दों में देना होगा |

पाठ्यक्रम में निर्धारित पुस्तक – वाणी गुरु तेग बहादुर जी, प्रकाशक :शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी,अमृतसर ।

इकाई –एक

व्याख्या हेतु निर्धारित पुस्तक –वाणी गुरु तेग बहादुर जी

इकाई –दो

गुरु तेग बहादुर :व्यक्तित्व और कृतित्व
गुरु काव्यधारा :परम्परा और विकास
हिंदी साहित्य में गुरु तेग बहादुर जी का स्थान
गुरु तेग बहादुर की वाणी की मूल संवेदना
गुरु तेग बहादुर की वाणी का काव्य दर्शन

इकाई– तीन

गुरु तेग बहादुरजी की वाणी में गुरमत दर्शन का संकल्प
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी के समाजशास्त्रीय आयाम
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी और भारतीय संस्कृति
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी में पौराणिक संदर्भ

इकाई –चार

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का सांस्कृतिक अध्ययन

गुरु तेग बहादुर जी की वाणी का परवर्ती पंजाब के हिंदी साहित्य पर प्रभाव
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की राग योजना
गुरु तेग बहादुर जी की वाणी की प्रगितिशीलता

सहायकपुस्तकें:-

1. नवम गुरु पर बारह निबंध , संपा.रमेश कुंतल मेघ ,गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
2. गुरु तेग बहादुर :जीवन और आदर्श, डॉ. महीप सिंह,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. जीवन तथा वाणी गुरु तेग बहादुर, भाषा विभाग पंजाब, पटियाला ।
4. नौ निध, संपा प्रो.प्रीतम सिंह, गुरु नानक देव यूनिवर्सिटी, अमृतसर ।
5. गुरु तेग बहादुर जी डा दार्शनिक चिन्तन, कृष्ण गोपाल दास,रूप प्रकाशन, नई दिल्ली।

Masters of Arts (HINDI)(Semester-IV)

Session 2023- 24

Course Code: MHIL - 4266

हिंदी उपन्यास

विकल्प–दो

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: इस प्रश्न पत्र की इकाई-एक में उपन्यासों को पढ़कर विद्यार्थी उसके कथ्य को समझ सकेंगें|

CO-2: 'बाणभट्ट कीआत्मकथा'उपन्यास में नारी का चित्रण,चरित्रों के सम्बन्धमें जानकारी प्राप्त करने के साथ-साथ वे उसमे वर्णित मूल्यों की जानकारी भी प्राप्त करेंगें|

CO-3:अमृतलाल नागर की इस कृति के माध्यम से विद्यार्थी 'बूँद और समुद्र'के कथ्य व भाषा शैली को समझनेमें समर्थ होंगे | इस उपन्यास के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष को भी समझने में सफल होंगें |

CO-4:जगदीश चन्द्र पंजाब के साहित्यकार हैं| 'धरती धन न अपना' उपन्यास के अध्ययन से उपन्यास में वर्णित समस्याओं व कला पक्ष से विद्यार्थी परिचित होगा | पंजाब के उस समय के सामाजिक-सांस्कृतिक पक्ष से भी वह परिचित होंगें |

Masters of Arts (HINDI)(Semester-IV)

Session 2023- 24

Course Code: MHIL - 4266

हिंदी उपन्यास

विकल्प–दो

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0
TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग कि सप्रसंग व्यख्या करना अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है |इसमें चार- चार अंकों के छ: गद्यांश पूछे जायेंगे जिनमें चार का उत्तर देना अनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो, तीन, चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-

1.'बाणभट्ट की आत्मकथा', आचार्य हज़ारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ।
2. 'बूँद और समुद्र', अमृत लाल नागर, किताब महल, इलाहाबाद।
3.'धरती धन न अपना' ,जगदीश चन्द्र ,राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई –दो

उपन्यासकार हज़ारी प्रसाद द्विवेदी : सामान्य परिचय
बाणभट्ट की आत्मकथा की नारी भावना
बाणभट्ट की आत्मकथा :मूल्य चेतना
बाणभट्ट की आत्मकथा – प्रमुख चरित्र –बाणभट्ट, निपुणिका, भट्टिनी ।

इकाई- तीन

-उपन्यासकार अमृतलाल नागर : सामान्य परिचय
बूँद और समुद्र की सामाजिक चेतना
बूँद और समुद्र की भाषा शैली
बूँद और समुद्र का सांस्कृतिक अध्ययन
बूँद और समुद्र की कथ्यगत उपलब्धियां

इकाई –चार

उपन्यासकार जगदीश चन्द्र :सामान्य परिचय
'धरती धन न अपना' में जगदीश चन्द्र का जीवन दर्शन
'धरती धन न अपना' में पंजाब का सामाजिक तथा सांस्कृतिक परिवेश

धरती धन न अपना : कथ्य तथा समस्याएँ
'धरती धन न अपना' का कलात्मक पक्ष

सहायकपुस्तकें:

1.आज का हिंदी उपन्यास ,इन्द्रनाथ मदान ,राजकमल प्रकाशन ,नई दिल्ली ।

2.हिंदी उपन्यास: एक अंतर्यात्रा , रामदरश मिश्र , राजकमल प्रकाशन , दिल्ली।

3.आधुनिकता के संदर्भ में आज का हिंदी उपन्यास, अतुलवीर अरोड़ा पब्लिकेशन ब्यूरो, पंजाब यूनिवर्सिटी, चंडीगढ़ ।

4. जगदीश चन्द्र की उपन्यास यात्रा , डॉ सुधा जितेन्द्र ,संजय प्रकाशन, नई दिल्ली ।

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 4266
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प-तीन

Course Outcomes :

इस पाठ्यक्रम को उत्तीर्ण करने के पश्चात् विद्यार्थी निम्नांकित दृष्टि से योग्य होंगे :

CO-1: चिंतामणि भाग एक दो तीन के सभी निबंधों को पढकर विद्यार्थी शुक्ल जी की दृष्टि से परिचित होंगे|

CO-2: इकाई दो के माध्यम से विद्यार्थी शुक्ल जी से पूर्व निबंध साहित्य के स्वरूप के विषय में जान सकेंगे और शुक्ल जी के दृष्टिकोण से भी ज्ञान प्राप्त करेंगे |आधुनिक काल में हिंदी साहित्य में निबन्ध विधा की क्या स्थिति है,इसके विषय में भी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे |

CO-3:इस इकाई में निबंधों का सर्वेक्षण करते हुए निबंधों की कोटियों का सर्वेक्षण किया जाएगा| विद्यार्थीशुक्ल जी के निबन्धों की मूल्य-दृष्टि,उनके वैशिष्ट्य तथा उनके सभी प्रकार के निबंधों की विशेषताओं से लाभान्वित होंगे |

CO-4:इस इकाई के द्वारा विद्यार्थी यह जानने मेंसमर्थ होंगे कि शुक्ल जी पर अपने पूर्ववर्ती निबंधकारों का कय प्रभाव पड़ा और परवर्ती निबंधकार उनसे कैसे प्रभावित हुए |विद्यार्थीशुक्ल जी के निबंधों की भाषा,शैली की जानकारी भी प्राप्त कर सकेंगे | इस प्रकार से उनके निबंधों की समीक्षा भी की जाएगी |

Masters of Arts (HINDI) (Semester-IV)
Session 2023-24
Course Code: MHIL- 4266
निबंधकार आचार्य रामचंद्र शुक्ल
विकल्प-तीन

Total: 80
CA: 16

समय: तीन घंटे

LTP-4-0-0

TH: 64

परीक्षकके लिए आवश्यक निर्देश :

यह प्रश्न पत्र पांच भागों में विभाजित है |प्रथम भाग अनिवार्य है जो सप्रसंग व्याख्या से सम्बन्धित है |इसमें चार-चार अंकों के छ: गद्यांशपूछे जायेंगे जिनमें चार की सप्रसंग व्याख्या करनाअनिवार्य होगा |प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 200 शब्दों में देना होगा |भाग दो ,तीन, चार ,पांच में समानुपात से क्रमश: इकाई दो,तीन,चार में से 12-12 अंकों के कुल आठ प्रश्न पूछे जायेंगे जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक भाग में से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा |प्रत्येक उत्तर 800 शब्दों में देना होगा |

इकाई –एक

व्याख्या के लिए निर्धारित कृतियां-
1.चिंतामणि , भाग एक :इंडियन प्रेस , इलाहाबाद (सभी निबंध व्यख्यार्थ निर्धारित हैं)
2.चिंतामणि ,भाग दो :सरस्वती मंदिर , वाराणसी (व्यख्यार्थ निबंध: काव्य में अभिव्यंजनावाद)
3.चिंतामणि , भाग तीन :नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली (व्यख्यार्थ अनूदित निबंधों को छोडकर शेष सभी निबंध)

इकाई –दो

1.हिंदी साहित्य और निबंध विधा: विशेषतया आधुनिक काल
2.आचार्य शुक्ल से पूर्व हिंदी निबंध साहित्य :भारतेंदु युग ,द्विवेदी युग
3.आचार्य शुक्ल और निबंध विधा :स्थान एवं महत्व

इकाई- तीन

1.शुक्ल जी का निबंध साहित्य:वर्गीकरणतथा सर्वेक्षण
2.आचार्य शुक्ल की मूल्य –दृष्टि
3.आचार्य शुक्ल के निबंध – लेखन का वैशिष्ट्य
4.शुक्ल जी के सैध्दान्तिक, व्यावहारिक तथा अन्य निबंधो की विशेषताएं ।

इकाई –चार

1. आचार्य शुक्ल पर पूर्ववर्ती निबंधकारों का प्रभाव और शुक्ल जी की परवर्ती निबंध परम्परा ।
2. आचार्य शुक्ल का निबंध शिल्प भाषा, शैली,शब्द सरंचना ,विभिन्न भाषाओं की शब्दावली का प्रयोग ।

3. पाठ्यक्रम में निर्धारित महत्वपूर्ण निबंधों की समीक्षा ।

सहायक पुस्तकें:

1.आचार्यरामचंद्रशुक्लऔरउनकासाहित्यजयचन्द्रराय, भारतीयसाहित्यमंदिर , दिल्ली|
2. आचार्यरामचंद्रविचार–कोश , सम्पादकअजित्तकुमार , नेशनलपब्लिशिंगहाउस , दिल्ली |
3.निबंधकाररामचंद्रशुक्ल, रामलालसिंह , साहित्यसहयोग ,इलाहाबाद |
4.आचार्यशुक्लकोश, रामचंद्रतिवारी , विश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी |
5. आचार्यरामचंद्रशुक्लकेबहुमुखीकृतित्वकासर्वांगीनविवेचन , संपा - शशिभूषणसिंहल ,ऋषभचरणजैन , दिल्ली|
6.रामचंद्रशुक्लव्यक्तित्वऔरसाहित्यदृष्टि, संपा. विद्याधर , प्रभाप्रकाशन, इलाहाबाद|
7. . आचार्यरामचंद्रकेप्रतिनिधिनिबंध ,पांडेयसुधाकर , राधाकृष्णप्रकाशन , दिल्ली|
8. आचार्यरामचंद्र : रचनाऔरदृष्टि , संपा. विवेकीरायतथावेदप्रकाश , महेसाना, गिरनार |
9. आचार्यरामचंद्र:संदर्भऔरदृष्टि,जगदीशनारायणपंकज ,भवदीयप्रकाशन ,अयोध्या |
10. आचार्यरामचंद्रशुक्ल: निबंधकार , आलोचकऔररसमीमांसक , जयनाथनलिन ,साहित्यसंस्थान, दिल्ली |
11. आचार्यरामचंद्रशुक्लऔरउनकासाहित्य, जयचंद्रराय, भारतीयसाहित्यमंदिर, दिल्ली|
12. आचार्यरामचंद्रशुक्लऔरचिंतामणिकाआलोचानात्मकअध्ययन , राजनाथशर्मा, विनोदपुस्तकमंदिर , आगरा |
13. आचार्यरामचंद्रशुक्लकागद्यसाहित्य, अशोकसिंह , लोकभारती, इलाहाबाद ।

FACULTY OF LANGUAGES

SYLLABUS
Of
One Year Vaaksetu PG Diploma in Translation
(English-Hindi-English)

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी–हिन्दी–अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

Session: 2023-24

The Heritage Institution

KANYA MAHA VIDYALAYA JALANDHAR (Autonomous)

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2023-24

अनुवाद के इस पाठ्यक्रम को यथा संभव व्यवहारमूलक तथा बहु दिशागामी अवसर प्रदान करने वाला बनाया गया है तथा कंप्यूटर और नवीनतम हाईटेक जानकारियो से भी जोड़ा गया है |वर्तमान युग की अनिवार्यताओं के चलते यह एक प्रासंगिक, उपयोगी एवं वर्तमान पीढ़ी को आत्म निर्भर बनाते हुए आत्म विश्वास का संकल्प प्रदान करने वाला आजीविका साधक पाठ्यक्रम है |

Programme specific outcomes-

PSO-1: अनुवाद के विविध क्षेत्रों में रोज़गार के लिए प्रशिक्षण देना |

PSO-2: सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी के युग में अनुवाद की उपादेयता का बोध करवाना|

PSO-3: अनुवाद प्रक्रिया का उपयोग सिखाना |

PSO-4: भूमंडलीकरण के युग में अनुवाद की रचनात्मक भूमिका स्पष्ट करना |

PSO-5: कार्यालयी अनुवाद का व्यावहारिक प्रशिक्षण देना |

PSO-6: बैंक, बीमा , संसद ,विधि, विज्ञापन तथा कंप्यूटर आदि विशिष्ट क्षेत्रों में अनुवाद का प्रशिक्षण देना |

PSO-7: तत्काल भाषान्तरण संबंधी प्रशिक्षण प्रदान करना |

PSO-8: प्रिंट तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में अनुवाद के स्वरूप तथा पत्रकारिता से परिचित करवाना |

PSO-9: प्रयोजन मूलक हिन्दी, कोश विज्ञान तथा पारिभाषिक शब्दावली में दक्षता प्रदान करना |

PSO-10: भाषा प्रौद्योगिकी के महत्त्व , उसकी उपादेयता तथा निरंतर बढ़ रही प्रासंगिकता को रेखांकित करना |

PSO-11: अनुवाद के सैद्दांतिक ज्ञान के साथ साथ उसका विविध आयामों , अनुशासनों में व्यावहारिक बोध करवाना |

PSO-12: हिंदीतर भारतीय क्षेत्रों में हिन्दी के प्रचार प्रसार को मौलिक तथा अनूदित रूप में गति प्रदान करना |

Scheme of Studies and Examination

एक वर्षीय वाकसेतु स्नातकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी–हिन्दी–अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2022-23

(One Year Diploma)

Course Code	Course Name	Course Type	Marks	Examination time (in Hours)
			Total	
PVTL-1261	अनुवाद का व्याकरण	C	100	3
PVTL-1262	भाषा और अनुवाद का समाजशास्त्र	C	100	3
PVTL-1263	जनसंचार माध्यम और अनुवाद	C	100	3
PVTL-1264	पारिभाषिक शब्दावली कोश विज्ञान और अनुवाद	C	100	3
PVTD-1265	अनुवाद का व्यवहारिक परिप्रेक्ष्य	C	100	3
PVTM-1266	मूल्यांकन परियोजना : कार्य एवं सत्र परीक्षा	C	100मूल्यांकन परि: कार्य–70 सत्र परीक्षा –30	3
PVTL-1267	अर्धवार्षिक परीक्षा एवं मौखिक परीक्षा	C	100अ.वा.परीक्षा –50 मौखिक परीक्षा –50	3
Total			700	

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी-हिन्दी-अंग्रेजी)

पाठ्यक्रम

One Year Vaksetu Post Graduate Diploma In Translation

(Eng-Hindi-Eng)

Session 2023-24

Course Outcomes

CO-1: विश्वविद्यालय, केन्द्रीय विद्यालय में हिन्दी अनुवादक एवं हिन्दी अधिकारी के रूप में नियुक्ति |

CO-2: भारतीय राजदूतावास , सूचना मंत्रालय , रेलवे , बैंक, तथा अन्य सरकारी कार्यालयों में हिन्दी अधिकारी एवं अनुवादक के रूप में रोज़गार के अवसर |

CO-3: बहुराष्ट्रीय कंपनियों में बतौर अनुवादक के रूप में नियुक्ति के लिए योग्य होंगें |

CO-4: अनुवादक के रूप में स्वतंत्र रूप से कार्य करते हुए रोज़गार का विकल्प विद्यार्थी को आर्थिक रूप से स्वावलंबी बनाने में सहायक होगा |

प्रश्नपत्र-1

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेज़ी–हिन्दी–अंग्रेज़ी)

Session 2023-24

समय: तीन घंटे **कुल अंक :100**

प्रश्नपत्र-1

अनुवादकाव्याकरण

1.**अनुवाद : अवधारणाऔरआयाम**

- अनुवादकामहत्वऔरप्रासंगिकता
- अनुवादकीपरंपरा : भारतीयएवंपाश्चात्य
- अनुवाद 'एवंट्रांसलेशन' शब्द : अर्थ, परिभाषाएवंस्वरूप
- स्त्रोत भाषाऔरलक्ष्यभाषाकीअवधारणा
- अनुवादकासीमितएवंव्यापकसंदर्भ
- अनुवाद- विज्ञान, कला, शिल्पऔरशास्त्र
- अनुवादकेसिध्दांत
- अनुवादककेगुणऔरदायित्व

2.अनुवादकेक्षेत्रएवंप्रकार

3. अनुवादकीप्रकिया

4. लिप्यंतरणऔरअनुवाद

5. अनुवादकीसमस्याएँ

6. अननुवाद्यतातथाअनुवादकीसीमाएँ

7. तत्कालभाषांतरण : अवधारणा, स्वरूप,महत्त्वएवंप्रक्रिया

8. अंग्रेज़ी-हिंदीकीभाषिकविशिष्टताएँ

-व्यतिरेकीविश्लेषण (अंग्रेज़ी-हिन्दीकातुलनात्मकअध्ययन)

- व्याकरणिककोटियोंकेस्तरपरव्यतिरेक

- व्यतिरेकीविश्लेषणकाअनुवादकेसंदर्भमेंमहत्त्व

9. भाषा-प्रौद्योगिकीऔरअनुवाद

10.सूचना-प्रौद्योगिकीऔरअनुवाद

11. कंप्यूटर (मशीनी) अनुवाद

12. अनुवाद-पुनरीक्षण, संपादनएवंमूल्यांकन

13. भूमंडलीकरणऔरअनुवाद

सहायकग्रंथ

1. अनुवादकाव्याकरण, संपा०डॉ०गार्गीगुप्तएवंडॉ०भोलानाथतिवारी, भारतीयअनुवादपरिषद्, नईदिल्ली

2. अनुवादबोध, संपा०डॉ०गार्गीगुप्तएवंडॉ०पूरनचंदटंडन, भारतीयअनुवादपरिषद्, नईदिल्ली

3. अनुवादसाधना, डॉ०पूरनचंदटंडन, अभिव्यक्तिप्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली

4. अनुवादकेविविधआयाम, डॉ०पूरनचंदटंडनएवंडॉ०हरीशकुमारसेठी, तक्षशिलाप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

5.अंग्रेज़ी-हिंदीअनुवादव्याकरण, प्रो०सूरजभानसिंह, प्रभातप्रकाशन, नईदिल्ली

6. अनुवादकला : सिध्दांतऔरप्रयोग, डॉ०कैलाशचंद्रभाटिया, तक्षशिलाप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

7. अनुवादकीभूमिका, डॉ०कृष्णकुमारगोस्वामी, राजकमलप्रकाशन, नईदिल्ली

8. अनुवादकेसिध्दांत, रामचंद्ररेड्डी (अनुडॉ०जे.एल.रेड्डी), साहित्यअकादमी, नईदिल्ली

9. अनुवाद-शिल्प :समकालीनसंदर्भ, डॉ०कुसुमअग्रवाल, साहित्यसहकार, शाहदरा, दिल्ली

10. अनुवादशतक (भाग 1 एवं 2), संपा०डॉ०पूरनचंदटंडन, भारतीयअनुवादपरिषद्, नईदिल्ली

11. अनुवादसिध्दांतकीरूपरेखा, डॉ०सुरेशकुमार, वाणीप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

12. सृजनात्मकसाहित्यकाअनुवाद : स्वरूपएवंसमस्याएँ, डॉ०सुरेशसिंहल, सार्थकप्रकाशन, नईदिल्ली

13. अनुवादप्रक्रियाएवंपरिदृश्य, डॉ०रीतारानीपालीवाल, वाणीप्रकाशन, साहित्यनिधि, दिल्ली

14. 'शब्द' (Word), इंदिरागांधीराष्ट्रीयमुक्तविश्वविद्यालयसेप्रकाशित, ए.टी.आर. पाठ्यक्रम (दसखंड)

15. अनुवादसूत्रसंग्रह, डॉ॰विचारदास, एलाइनपब्लिकेशन्स, प्रा. लि, नईदिल्ली

16. अनुवाद : समस्याएँऔरसमाधान, डॉ॰सत्यदेवमिश्र, सुलभप्रकाशन, लखनऊ

17. सूचनाप्रौद्योगिकी, हिंदीऔरअनुवाद, संपा॰डॉ॰पूरनचंदटंडन, भारतीयअनुवादपरिषद्

18. भाषा-प्रौद्योगिकीएवंभाषा-प्रबंधन, डॉ॰सूर्यप्रसाददीक्षित, किताबघरप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

19. अनुवादमूल्यांकन, संपा॰डॉ॰कृष्णकुमारगोस्वामीएवंडॉ॰पूरनचंदटंडन, भारतीयअनुवादपरिषद्, नईदिल्ली

20. अनुवाद : संवेदनाऔरसरोकार : डॉ॰सुरेशसिंहल, संजयप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

21. अनुवाद : अनुभूतिऔरअनुभव : डॉ॰सुरेशसिंहलएवंडॉ॰पूरनचंदटंडन, संजयप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेज़ी–हिन्दी–अंग्रेज़ी)

Session 2023-24

समय: तीन घंटे **कुलअंक :100**

प्रश्नपत्र-2

भाषाऔरअनुवादकासमाजशास्त्र

क. सैध्दांतिकखंड

1. भाषा

- परिभाषा, प्रकृतिएवंसंरचना

-अनुप्रयुक्तभाषा-विज्ञानऔरअनुवाद

- भाषिकक्षमता, भाषिकदक्षताएवंअनुवाद (सस्यूर, चॉमस्कीएवंब्लूमफील्डकेसंदर्भमें)

- शब्दऔरअर्थकाअंत: संबंध

- अर्थसंरचनाऔरअनुवाद

2. भाषाकासामाजिकपक्षऔरअनुवाद

- द्विभाषिकता, बहुभाषिकताऔरअनुवाद

- भाषाकेविविधरूप : मातृभाषा, संपर्कभाषा, राष्ट्रभाषा, साहित्यिकभाषाएवंप्रयोजनमूलकभाषाआदि।

- भाषाकीविविधशैलियाँ : संस्कृतनिष्ठहिंदी, हिंदुस्तानी, दक्खिनीहिंदी

- भाषाकाआधुनिकीकरणऔरअनुवाद

- भाषाकामानकीकरणऔरअनुवाद

- देवनागरीलिपिऔरवर्तनीकामानकीकरण

- भाषा- विकासमेंअनुवादकीभूमिका

3. भाषाकासांविधानिकपक्षऔरअनुवाद

- संघकीराजभाषानीति

- राजभाषाहिंदीकीसांविधानिकस्थिति

- राजभाषाअधिनियम, नियमआदि

4. प्रयोजनमूलकहिंदी, भाषा-प्रयुक्तिऔरअनुवाद

(i) प्रयोजनमूलकहिंदीकीअवधारणा

- प्रयोजनमूलकहिंदीकेआयामऔरअनुवाद

(ii) भाषा-प्रयुक्तिकीअवधारणाएवंउसकेनिर्धारकतत्व

- भाषा-प्रयुक्तिकेविषय-क्षेत्रएवंअनुवाद

5. अनुवादकासमाजशास्त्र

- सामाजिक-सांस्कृतिकसंदर्भऔरअनुवाद

- रिश्ते-नाते, पर्व-उत्सव, खान-पान,
वेशभूषाएवंसांस्कृतिकअभिव्यक्तियोंकीशब्दावलीकावैशिष्ट्यऔरअनुवादकीसमस्या

- शिक्षाकामाध्यमऔरअनुवाद

- लोकोक्तियों, मुहावरोंतथासूक्तियोंकीअवधारणाऔरउनकाअनुवाद

6. कार्यालयीभाषाऔरअनुवाद

- कार्यालयीभाषाकीसंकल्पनाऔरस्वरूप

- कार्यालयीभाषाकीविशेषताएँ

- सामान्यहिंदी, साहित्यिकहिंदीएवंकार्यालयीहिंदीमेंअंतर

- टिप्पणएवंप्रारूपणकीअवधारणा, स्वरूपतथाअनुवाद

- संक्षिप्ताक्षर, पदनाम, विभागीयनामऔरअनुवाद

7.रोज़गारऔरअनुवाद

- अनुवादक, हिंदीअधिकारी, संवाददाता, संपादकभाषांतरकार, दुभाषिया, समाचारलेखक, संपादक, प्रकाशक, अध्यापक/प्राध्यापक, प्रशिक्षकआदिकेरूपमेंरोज़गारअर्थात् 'अनुवाद' काआजीविकासाधकप्रदेय।

8. अशुध्दि-शोधन

- अशुध्दिकीसंकल्पना, अशुध्दिकेप्रकारतथाअशुध्दि-शोधन

ख. व्यावहारिकखंड

- लोकोक्तियों, मुहावरोंकाअनुवाद

- टिप्पणियों/प्रशासनिकअभिव्यक्तियोंकाअनुवाद

- प्रशासनिकशब्दावलीकाअनुवाद

- प्रारूपों/कार्यालयीपत्रों, ज्ञापन, सरकारीविज्ञापनआदिकाअनुवाद

- प्रयुक्तियोंकाअनुवाद

- पद्नामोंतथाविभागीयअनुभागोंकेनामोंकाअनुवाद

सहायकग्रंथ

1. आजीविकासाधकहिंदी ; डॉ०पूरनचंदटंडन ; इंद्रप्रस्थप्रकाशन,दिल्ली

2. संरचनात्मकशैलीविज्ञान ;डॉ०रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव, मैकमिलनएंडकंपनी, दिल्ली

3. हिंदीकासामाजिकसंदर्भ ; डॉ०रामनाथसहाय, केन्द्रीयहिंदीसंस्थान, आगरा

4. अनुवादकीसामाजिकभूमिका; डॉ०रीतारानीपालीवाल ; सचिनप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

5. शैलीविज्ञान : डॉ०नगेन्द्र ; नेशनलपब्लिशिंगहाऊस ; दरियागंज, नईदिल्ली

6. शैलीविज्ञान : डॉ०भोलानाथतिवारी ; शब्दकारप्रकाशन, दिल्ली

7. शैलीविज्ञान : आलोचनाकीनईभूमिका; डॉ०रवीन्द्रनाथश्रीवास्तव; केन्द्रीयहिंदीसंस्थान, आगरा

8. भाषाशिल्प: विविधआयाम, डॉ०कुसुमअग्रवाल, अभिव्यक्तिप्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली

9. अनुवादकेनएपरिप्रेक्ष्य; संतोषखन्ना, विधिभारतीपरिषद्, शालीमारबाग, नईदिल्ली

10. पदनामसंक्षिप्ताक्षर(हिंदीअनुवादकासंदर्भ), डॉ०हरीशकुमारसेठी, साहित्यभारती, दिल्ली

11. अनुवाद :संवेदनाऔरसरोकार; डॉ०सुरेशसिंहल, संजयप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

12. हिंदी, प्रयोजनमूलकहिंदीऔरअनुवाद; डॉ०पूरनचंदटंडन, किताबघरप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

13. राजभाषा-नीति-कार्यान्वयन ; चुनौतियाँएवंसमाधान; सुनीलभुटानी, हेमाद्रिप्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली- 32

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी–हिन्दी–अंग्रेजी)

Session 2023-24

समय: तीन **कुल अंक :100**

प्रश्नपत्र-3

जनसंचारमाध्यमऔरअनुवाद

क. सैध्दांतिकखंड

1. जनसंचारकाअर्थ, स्वरूपऔरप्रकार

- जनसंचारकाअर्थ, स्वरूपऔरसमाज

- जनसंचारकेविविधमाध्यमोंकाक्रमिकविकास

- जनसंचारकेप्रकार (मुद्रणमाध्यम, इलेक्ट्रॉनिकमाध्यमऔरनव-इलेक्ट्रॉनिकमाध्यम)

2.जनसंचार, भाषाऔरअनुवाद

- जनसंचारएवंभाषाकाअंत: संबंधतथाअनुवादकामहत्व

- जनसंचारमाध्यमों (सरकारी, निजीएवंसंस्थागत) कीभाषाकामहत्व

- जनसंचारमाध्यमोंमेंहिंदीकीस्थिति, अनुवादकीभूमिकाऔरसमस्याएँ

3. जनसंचारमाध्यमोंकेविविधसंदर्भऔरअनुवाद

- समाचारलेखनप्रक्रिया, सिध्दांतऔरअनुवाद

- संपादनकलाऔरमीडियामेंअनुवादक - संपादककीभूमिका

- साहित्यानुवादऔरकार्यालयीअनुवादसेजनसंचारमाध्यमोंकेअनुवादकाअंतर

- विविधसमाचारसंगठनोंकासंपादकीयढाँचा

- समाचारएजेंसियाँ, उनकामहत्वऔरअनुवादकीभूमिका

- जनसंचारकेसरकारीविभाग, उनकीकार्यपध्दतिऔरअनुवादकीसंभावनाएँ

- जनसंचारमाध्यमोंमेंविज्ञापनऔरअनुवाद

- जनसंचारमेंक्षेत्रानुगतऔरविषयगत (बाज़ार, खेल, राजनीति, संस्कृति, अपराध, विधि) भाषिकवैविध्यऔरअनुवाद

- प्रूफपठन (आवश्यकता, महत्व, अनुवादमेंप्रूफपठनकीभूमिका, प्रूफसंशोधनचिह्नज्ञान)

- जनसंचारकेक्षेत्रविकल्प (अखबार, पत्रिकाएँ, रेडियो, टेलीविज़न, फिल्म, प्रकाशन, विज्ञापन, समाचारएजेंसियोंमेंअनुवादककेजीविकोपार्जनविकल्प) आदि।

4. **मुद्रणमाध्यमऔरअनुवाद**

- राष्ट्रहितमेंमुद्रणमाध्यमोंकादायित्वऔरअनुवाद
- प्रेसविज्ञप्तिऔरअनुवाद
- संपादकीय, लेख-आलेख, फीचरलेखनऔरअनुवाद

5. श्रव्यमाध्यम (रेडियो) औरअनुवाद

- रेडियोकीप्रमुखविधाएँ (समाचार, उदघोषणाएँ, आँखोंदेखाहाल, विशिष्टश्रोतावर्गकिकार्यक्रम) औरउनमेंप्रयुक्तभाषा

- रेडियोकीप्रमुखविधाओंकाअनुवाद

6.दृश्य-श्रव्यमाध्यम (टेलीविज़न, सिनेमा, आदि) औरअनुवाद

- टेलीविज़नसेप्रसारितप्रमुखकार्यक्रम (समाचार, सीरियल, वृत्तचित्रआदि) औरउनकीभाषा

- फिल्मोंमेंडबिंगऔरअनुवाद

- सब-टाइटलिंगऔरअनुवाद

- पार्श्ववाचन (वॉयसओवर) औरअनुवाद

7. नव-इलेक्ट्रॉनिकमाध्यम (कंप्यूटर, इंटरनेटआदि) औरअनुवाद

8. विज्ञापनऔरअनुवाद

ख. व्यावहारिकखंड

- समाचारसंबंधीअनुच्छेदोकाअनुवाद

- जनसंचारमेंविविधविषयोंकीपारिभाषिकशब्दावलीऔरप्रयुक्तियोंकाअनुवाद

- जनसंचारमाध्यमोंकीविभिन्नअभिव्यक्तियोंकाअनुवाद

- विज्ञापनोंकाअनुवाद

- प्रूफ-पठनअभ्यास

- संपादकीयऔरलेख-आलेखोंकाअनुवाद

सहायकग्रंथ

1. हिंदी : स्वरूपऔरविस्तार; डाॅ०पूरनचंदटंडन, डाॅ०सुनीलकुमारतिवारी, किताबघरप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

2. नईपत्रकारिताऔरसमाचारलेखन; सविताचड्ढा, तक्षशिलाप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

3. समाचार, फीचरलेखनएवंसंपादनकला; डाॅ०हरिमोहन, तक्षशिलाप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

4. समाचारसंकलनऔरलेखन; नंदकिशोरत्रिखा, उत्तरप्रदेशहिंदीसंस्थान, उत्तरप्रदेश

5. संपादनकला; के.पी. नारायणन, मध्यप्रदेश, हिंदीग्रंथअकादमी, भोपाल, मध्यप्रदेश

6. पत्रकारिता: सिध्दांतऔरविश्लेषण; विश्वनाथसिंह, किशोरीप्रकाशन, पटना, बिहार

7. पत्रकारितामेंअनुवादकीसमस्याएँ; भोलानाथतिवारी, शब्दकारप्रकाशन, दिल्ली

8.जनसंपर्क, प्रचारएवंविज्ञापन; डाॅ०विजयकुलश्रेष्ठ, राजस्थानप्रकाशन, पटना, बिहार

9. हिंदीपत्रकारिता: स्वरूपऔरसंरचना; चन्द्रदेवयादव, ग्रंथलोक, दिल्ली

10. इलेक्ट्राॅनिकमीडियालेखन; प्रो०रमेशजैन, मंगलदीपपब्लिकेशंस, जयपुर

11. सृजनात्मकलेखन, अनुवादऔरहिंदी; डाॅ०पूरनचंदटंडन, डाॅ०मुकेशअग्रवाल, किताबघर, दरियागंज, दिल्ली

12. हिंदीपत्रकारिता: दशाऔरदिशा; जयप्रकाशभारती, प्रवीणप्रकाशन, महरौली, दिल्ली

13. साक्षात्कार; मनोजकुमार, मध्यप्रदेश, हिंदीग्रंथअकादमी, भोपाल

14. भारतीयपत्रकारितानींवकेपत्थर; डाॅ०मंगलाअनुजा, मध्यप्रदेश, हिंदीग्रंथअकादमी, भोपाल

15. जनसंपर्क: सिध्दांतऔरव्यवहार; डाॅ०सुशीलात्रिवेदी, शशिकांतशुक्ला, मध्यप्रदेश, हिंदीग्रंथअकादमी, भोपाल

16. भारतमेंप्रेसकानूनऔरपत्रकारिता, गंगाप्रदेशठाकुर, मध्यप्रदेश, हिंदीग्रंथअकादमी, भोपाल

17. जनसंपर्क; प्रो०चंद्रप्रकाशसरदाना, राजस्थानहिंदीअकादमी, जयपुर

18. विज्ञापनतकनीकएवंसिध्दांत; नरेन्द्रसिंहयादव, राजस्थानहिंदीअकादमी, जयपुर

19. समाचारपत्रप्रबंधन; गुलाबकोठारी, राजस्थानहिंदीअकादमी, जयपुर

20. दृश्य-श्रव्यएवंजनसंचार; डाॅ०कृष्णकुमाररत्तू, राजस्थानहिंदीअकादमी, जयपुर

21. प्रेस, कानूनऔरपत्रकारिता; डाॅ०संजीवभानावत, राजस्थानहिंदीग्रंथअकादमी, जयपुर

22. पत्रकारिताकेमूलसिध्दांत; कन्हैयाअगनानी, राजस्थानहिंदीग्रंथअकादमी, जयपुर

23. फीचरलेखन; डाॅ०पूरनचंदटंडन, डाॅ०सुनीलकुमारतिवारी, संजयप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

24. हिंदीभाषा : कलऔरआज; डाॅ०पूरनचंदटंडन, डाॅ०मुकेशअग्रवाल, किताबघरप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

25. अनुवादऔरमीडिया (नईसदीमेंसिध्दांतऔरस्वरूप); डाॅ०कृष्णकुमाररत्तू, नेशनलपब्लिशिंगहाऊस, नईदिल्ली

26. अनुवादकानयाचेहरा (जनसंचारमाध्यमऔरभाषाअनुवादकासंदर्भ) ; डाॅ०कृष्णकुमाररत्तू, राजस्थानहिंदीग्रंथअकादमी, जयपुर

27. विकाससंचार : विविधपरिदृश्य ; डाॅ०चंदेश्वरयादव, हेमाद्रिप्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली-32

28. समकालीन मीडिया-परिदृश्यऔरअस्मितामूलकविमर्श; डाॅ०मधुलोमेश ; हेमाद्रिप्रकाशन, शाहदरा, दिल्ली-32

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी–हिन्दी–अंग्रेजी)

Session 2023-24

समय: तीन घंटे **कुल अंक :100**

प्रश्नपत्र-4

पारिभाषिकशब्दावली, कोशविज्ञानऔरअनुवाद

क. सैध्दांतिकखंड

1. पारिभाषिकशब्दावलीऔरअनुवाद

- सामान्यएवंपारिभाषिकशब्दमेंसमानता-भिन्नता
- पारिभाषिकशब्द : परिभाषा, स्वरूपऔरविस्तार
- पारिभाषिकशब्दावलीनिर्माणकेविभिन्नसंप्रदाय
- पारिभाषिकशब्दावली : प्रकारऔरअभिलक्षण
- पारिभाषिकशब्दावलीकीसहजएवंसुनियोजितविकासप्रक्रिया
- पारिभाषिकशब्दावलीनिर्माणकीपरंपरा
- पारिभाषिकशब्दावलीनिर्माणकेविभिन्नसंप्रदाय
- पारिभाषिकशब्दावलीनिर्माणकेसिध्दांत
- पारिभाषिकशब्दावलीनिर्माणकीतकनीकें
- हिंदीपारिभाषिकशब्दावलीकीवर्तमानस्थितिऔरएकरूपताकीसमस्या
- पारिभाषिकशब्दावलीऔरअनुवाद
- प्रशासनिकशब्दावली / अभिव्यक्तियां

(1) 300 अंग्रेज़ीसेहिंदी (2) 300 हिंदीसेअंग्रेज़ी

(सूचीपरिषद्द्वाराउपलब्ध कराईजाएगी)

2. विधिशब्दावली

- उदभवऔरविकास

- निर्माणकेसिध्दांत, वर्तमानस्थिति

- विधिशब्दावलीकीविशेषताएँ

- विधिशब्दावली

(1) 100 शब्दअंग्रेज़ीसेहिंदी (2) 100 शब्दहिंदीसेअंग्रेज़ी

3. विधिशब्दकौशल

- पारिभाषिकशब्दएवंनिर्माणकौशल

- एकाधिकपारिभाषिकसमानार्थीकौशल

- सटीकपारिभाषिकशब्दचयनकौशल

- विधिऔरसाधारणपर्यायकौशल

4. कोशविज्ञान

- कोशऔरकोशविज्ञान

- कोशकीमहत्ताऔरअनुवाद

- कोशकेप्रकार

- कोश-निर्माणकीप्रक्रियाऔरउसकेसिध्दांत

- कोश-निर्माणप्रक्रियामेंकंप्यूटरकीभूमिका

- हिंदीमेंहुएकोश- कार्यकाआकलन

- प्रमुखकोशग्रंथऔरकोशकार

ख. व्यावहारिकखंड

पारिभाषिकशब्दावलीविषयकअनुवाद

- पारिभाषिकशब्दोंकेअनुवाद (अंग्रेज़ीसेहिंदीतथाहिंदीसेअंग्रेज़ी)

विधिविषयकअनुवाद

- प्रशासनिककानूनीनियमों-दस्तावेज़ोंकेअनुवाद

- विधिविषयकअनुवाद

- अधिसूचनाओंएवंआदेशोंकेअनुवाद

- निर्णयों, आदेशों, करनिर्धारणआदेशों, पुलिसअभिलेखों, पंवांटोऔरअधिनिर्णयोंकेअनुवाद

- निविदासूचनाओं, करार, बंधपत्रोंऔरबिलेखोंकेअनुवाद

- विधिऔरप्रशासनकेमानकखंडोकाअनुवाद

- विधिशब्दकौशलकेअंतर्गतदिएगएअनुभागोंकाअभ्यास

कोश- विज्ञानविषयकअभ्यास

- शब्दोंकोकोशक्रमसे (वर्णक्रमानुसार) व्यवस्थितकरनेकाअभ्यास :अंग्रेज़-हिंदीतथाहिंदी-अंग्रेज़ी

सहायकग्रंथ

1. पारिभाषिकशब्दावलीकीविकासयात्रा; संपा०डाॅ०गार्गीगुप्त, भारतीयअनुवादपरिषद्, नईदिल्ली

2. अनुवादऔरपारिभाषिकशब्दावली; डाॅ०सुरेशकुमारएवंअन्य, केन्द्रीयहिंदीसंस्थान, आगरा

3. कोशविशेषांक; अनुवादपत्रिका,(अंकसंख्या 94-95) भारतीयअनुवादपरिषद्, दिल्ली

4. कोशविज्ञान,डाॅ०भोलानाथतिवारी, शब्दकारप्रकाशन,दिल्ली

5. विधिअनुवाद: सिध्दांतऔरव्यवहार; भाग-1-2, कृष्णगोपालअग्रवाल, डाॅ०पूरनचंदटंडन, भारतीयअनुवादपरिषद्,नईदिल्ली

6. विधिअनुवाद : विविधआयाम, कृष्णगोपालअग्रवाल, संजयप्रकाशन, नईदिल्ली

7. अंग्रेज़ी-हिन्दीकोश; डाॅ०हरदेवबाहरी, राजपालएंडसंस, कश्मीरीगेट, दिल्ली

8. नीताअंग्रेज़ी-हिंदीशब्दकोश; वेदप्रकाशशास्त्रीएवंडाॅ०पूरनचंदटंडन, नीताप्रकाशन, नईदिल्ली

9. सामाजिकविज्ञानोंकीपारिभाषिकशब्दावलीकासमीक्षात्मकअध्ययन; डाॅ०गोपालशर्मा, एसचाँदएंडकंपनी, नईदिल्ली

10. बृहतपारिभाषिकअंग्रेज़ी-हिन्दीकोश; डाॅ०रघुवीर (भूमिका)

11. समांतरकोश; अरविंदकुमारएवंकुसुमकुमार, नेशनलबुकट्रस्ट, नईदिल्ली।

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी–हिन्दी–अंग्रेजी)

Session 2023-24

समय: तीन घंटे **कुल अंक :100**

प्रश्नपत्र-5

अनुवादकाव्यावहारिकपरिप्रेक्ष्य

(अंग्रेज़ी-हिंदी-अंग्रेज़ी)

1. सृजनात्मकसाहित्यकाअनुवाद

-गद्यानुवादऔरपद्यानुवाद

2. कार्यालयीसाहित्यकाअनुवाद

- शब्दावली, टिप्पण, प्रारूपण, पत्र, पदनाम, विभागीयनाम, विज्ञप्ति, ज्ञापन, विज्ञापनआदि।

3.मीडियाअनुवाद

- मीडियाशब्दावलीएवंप्रयुक्तियोंकाअनुवाद, विज्ञापनोंकाअनुवाद, समाचारोंकाअनुवाद।

4. ज्ञानसाहित्यकाअनुवाद

- इतिहास, कला, विज्ञान, प्रौद्योगिकी, सूचना-प्रौद्योगिकी, तकनीकीसाहित्यएवंअभिव्यक्तियोंआदिकाअनुवाद।

5. वित्त, वाणिज्य, बैंकएवंबीमासाहित्यकाअनुवाद

6. सामाजिक-सांस्कृतिकसामग्रीकाअनुवाद

- मुहावरे/लोकोक्तियोंकाअनुवाद

(इसप्रश्नपत्रमेंशब्द, मुहावरे-लोकोक्तियों, प्रयुक्तियों, वाक्यांशों, अनुच्छेदों, पत्रों, टिप्पणियों, पदनामों, विभागों-अनुभागोंकेनामों, संक्षिप्ताक्षरोंआदिकेसाथ-साथअनुवादपुनरीक्षण, अनुवाद-संपादनआदिकेव्यावहारिकज्ञानकीभीपरीक्षालीजाएगी)

सहायकग्रंथ

1. काव्यानुवाद : सिध्दांतऔरसमस्याएँ; डा॔०नगीनचंद्रसहगल,
हिंदीमाध्यमकार्यान्वयननिदेशालय,दिल्लीविश्वविद्यालय, दिल्ली

2. कार्यालयीअनुवादनिदेशिका ; गोपीनाथश्रीवास्तव, सामयिकप्रकाशन, दरियागंज, नईदिल्ली

3. पत्रकारिताकेविविधसंदर्भ ; डा॰वंशीधरलाल, अनुपमप्रकाशन, पटना, बिहार

4. बैंकोंमेंअनुवादप्रविधि ; डा॰सीताकुंचितपादम, भारतीयअनुवादपरिषद् , नईदिल्ली

5. हिंदी-अंग्रेज़ीअभिव्यक्तिकोश ; डा॰कैलाशचंद्रभाटिया, प्रभातप्रकाशन, दिल्ली

6. आजीविकासाधकहिंदी ; डा॰पूरनचंदटंडन, इंद्रप्रस्थप्रकाशन, नईदिल्ली

7. बैंकोंमेंअनुवादकीसमस्याएँ ; भोलानाथतिवारी, शब्दकारप्रकाशन, दिल्ली

8. कार्यालयीभाषाअनुवाद ; डा॰विचारदास 'सुमन' , भावनाप्रकाशन, नईदिल्ली

9. भाषाप्रौद्योगिकीएवंभाषाप्रबंधन ; सूर्यप्रसाददीक्षित, किताबघरप्रकाशन, दिल्ली

10. हिंदी : स्वरूपऔरविस्तार ; डा॰पूरनचंदटंडन, डा॰सुनीलकुमारतिवारी, किताबघरप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

11. हिंदीभाषा : कलऔरआज; डा॰पूरनचंदटंडन, डा॰मुकेशअग्रवाल, किताबघरप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

12. सृजनात्मकलेखन : अनुवादऔरहिंदी ; डा॰पूरनचंदटंडन, डा॰मुकेशअग्रवाल, किताबघरप्रकाशन, दरियागंज, दिल्ली

एक वर्षीय वाकसेतु स्नात्तकोत्तर अनुवाद डिप्लोमा

(अंग्रेजी–हिन्दी–अंग्रेजी)

Session 2023-24

समय: तीन घंटे **कुल अंक :100**

प्रश्नपत्र-6

मूल्यांकन : परियोजनाकार्यएवंसत्रपरीक्षा

परियोजनाकार्य

क) निबंधलेखन (20 अंक)

- 15 पृष्ठोंकाअनुवादविषयकनिबंध

- निबंधकाविषयपरिषद्द्वारासुनिश्चितकियाजाएगा।

ख) व्यावहारिकअनुवाद (50 अंक)

- 30 पृष्ठकाअंग्रेज़ीसेहिंदीएवंहिंदीसेअंग्रेज़ीअनुवाद

- पुस्तककाविषयपरिषद्द्वारासुनिश्चितकियाजाएगा।

अथवा

(क) एवं (ख) के विकल्प में 50 पृष्ठों का अनुवादविषयक लघु शोध प्रबंध (70 अंक) विषय परिषद द्वारा निर्धारित किया जाएगा

ग) सत्र-परीक्षा (वर्ष में 3 बार) (30 अंक)

- सत्र परीक्षा के अंतर्गत केवल व्यावहारिक अनुवाद ही पूछा /कराया जाएगा। ये तीनों परीक्षाएं कक्षामें ही संपन्न होंगी।

- प्रथम सत्र परीक्षा 10 से 15 अक्टूबर के मध्य

- द्वितीय सत्र परीक्षा 10 से 15 दिसंबर के मध्य

- तृतीय सत्र परीक्षा 10 से 15 फरवरी के मध्य संपन्न होगी

10 10 अंकों की इन तीनों परीक्षाओं के प्राप्तांक विद्यार्थी केवार्षिक प्राप्तांकों में, प्रश्न पत्र 6 में जोड़े जाएंगे।